@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 8 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 1 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

रामनगरी अयोध्या में भव्य दीपोत्सव, रामलला के दर्शन कर रामकथा पार्क पहुंचे सीएम योगी

दीपोत्सव में राममय हुई अयोध्या, 14 राज्यों के 500 कलाकारों ने सजाई सांस्कृतिक झांकियां

अयोध्या(एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ दीपोत्सव में शामिल होने के लिए अयोध्या पहुंच गए हैं। 2:30 बजे वे रामकथा पार्क स्थित अस्थायी हेलीपैड पर उतरे। यहां से वह राम मंदिर जाएंगे। राम मंदिर में दर्शन पूजन के बाद वह रामलला की महाआरती करेंगे। महाआरती के बाद वापस राम कथा पार्क पहुंचेंगे और श्री राम राज्याभिषेक समारोह में शामिल होंगे। राम कथा पार्क के मंच पर सजे राम दरबार पर भगवान श्री राम का प्रतीकात्मक राज तिलक किया जाएगा। उपराष्ट्रपति भगवान श्री राम का राज तिलक करेंगे।



शोभायात्रा पर जगह-जगह पुष्प वर्षा की गई तो लोगों में हर एक क्षण को अपने मोबाइल में कैद करने की आतुरता दिखी। शोभायात्रा करीब तीन किलोमीटर की दूरी तय करके राम कथा पार्क पहुंची। वहां शोभायात्रा का समापन हुआ। शोभायात्रा में 14 राज्यों के करीब 500 से अधिक कलाकारों ने अपनी अपनी संस्कृतियों का प्रदर्शन किया।रामनगरी अयोध्या में दीपोत्सव पर निकली श्रीराम राज्याभिषेक की झांकी में त्रेतायुग को जीवंत कर दिया। सरकार की उपलब्धियों का बखान करती 14 व रामचरितमानस के साथ कांड पर आधारित सात झांकियों ने श्रद्धालुओं का मनमोह लिया। झांकियों के दर्शन को अयोध्यावासी उमड़ पड़े। दीपोत्सव पर मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि कलाकारों ने अलग-अलग तरीकों से अपनी झांकियां पेश की हैं। इससे दीपोत्सव की दिव्य आभा और बढ़ गई है।

रामनगरी की भव्यता देख फटी रह जाएंगी आंखें

त्रेता युग की यादें हुईं ताजा





पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कोशिशों से यह बदलाव आया है। पूरे अयोध्यावासियों और भक्तों में एक अलग तरह का उत्साह है। यह सच में अविश्वसनीय है। देश के कोने-कोने से लोग इस खूबसूरत नजारे को देखने आए हैं। मैं सभी को दिवाली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।यह आयोजन न केवल अयोध्यावासियों में भारी उत्साह भर रहा है, बल्कि देश-विदेश से आए लाखों श्रद्धालुओं में भी गर्व की भावना पैदा कर रहा है। सभी श्रद्धालु इस भव्य आयोजन का हिस्सा बनकर आनंदित महसूस कर रहे हैं और इसकी सराहना कर रहे हैं।यह शोभायात्रा साकेत महाविद्यालय से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। इसका समापन रामकथा पार्क पर होगा, जहां मुख्य दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रशासन द्वारा सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए विशेष प्रबंध किए गए थे।

स्वच्छता और डिजिटल प्रगति को प्रदर्शित करते मॉडल भी शोभायात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे। यह अनूठा संगम अयोध्या के गौरवशाली अतीत और उसके उज्ज्वल भविष्य को एक साथ दर्शाता है। यह दिखाता है कि कैसे परंपरा और प्रगति साथ-साथ चल सकती हैं।भगवान श्रीराम के स्वागत के लिए रामनगरी में उत्साह का माहौल है। शनिवार को साकेत महाविद्यालय से दीपोत्सव की झांकियां निकाली गईं। इनमें शामिल कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से रामायणकालीन प्रसंगों को जीवंत कर दिया। कई राज्यों से आए कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। किष्किंधा कांड सहित रामायण काल की करीब सात झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। झांकियों को देखने के लिए सड़क किनारे अयोध्यावासियों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोग कलाकारों का उत्साह बढ़ाते और मोबाइल में इन यादगार पलों को तस्वीरों के रूप में कैद करते नजर आए। इस यात्रा की सबसे खास बात यह रही कि इसमें प्राचीन संस्कृति के साथ-साथ नए भारत की झलक भी दिखी। एक तरफ राम दरबार की





भव्य झांकी ने भक्तों को आकर्षित किया। पुष्पक विमान की झांकी भी त्रेता युग की यादें ताजा कर रही थी। वहीं दूसरी तरफ अयोध्या के आधुनिक विकास को दर्शाते मॉडल भी शामिल थे।

इस शोभायात्रा में भगवान श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को दर्शाया गया। आकर्षक झांकियों के माध्यम से उनकी लीलाओं का सजीव चित्रण किया गया था। इन झांकियों ने दर्शकों को भक्तिभाव से भर दिया। पारंपरिक लोक नृत्यों ने भारतीय संस्कृति की अनुपम छटा बिखेरी। कलाकारों ने रामायण कालीन वेशभूषा धारण कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी वेशभूषा त्रेता युग की याद दिला रही थी, जिससे पूरा माहौल ऐतिहासिक प्रतीत हो रहा था। यह यात्रा केवल एक धार्मिक जुलूस नहीं, बल्कि एक भव्य सांस्कृतिक प्रदर्शन भी थी।

पीएम मोदी ने देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर रील शेयर करके दीपावली की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने बताया है कि हर साल की तरह इस साल भी वे दिवाली सेना के जवानों के बीच मनाएंगे। वे कहां जाएंगे, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

2025 में पीएम मोदी ने गोवा में कठर विक्रांत पर नौसैनिकों के बीच दिवाली मनाई थी। यहां उन्होंने करीब 40 मिनट की स्पीच दी थी।इससे पहले शनिवार सुबह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में



उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। उन्होंने भगवान की आरती की, राधाकृष्णन ने उन्हें तिलक लगाया और उपहार दिए।

यूपी-फतेहपुर में पटाखा बनाते समय विस्फोट, महिला की मौत



यूपी (एजेंसी)। फतेहपुर में शनिवार को घर में पटाखा बनाते समय विस्फोट हो गया। हादसे में एक महिला की मौत हो गई। धमाका इतना तेज था कि महिला के शरीर के दो टुकड़े हो गए। आधा हिस्सा छत पर, जबकि हाथ करीब 100 मीटर दूर तक जा गिरा।घटना फतेहपुर से करीब 50 किलोमीटर दूर हथगांव थाना क्षेत्र में हुई। जानकारी के मुताबिक महिला घर में पटाखा बना रही थी। इसी दौरान फ्रिज में तेज धमाका हुआ। इसकी चपेट में आकर पटाखों में भी विस्फोट हो गया।वार्ड नंबर 2 में रफी अहमद अपनी 55 साल की पत्नी नसरीन के साथ रहते हैं। शनिवार शाम करीब 4 बजे नसरीन घर में पटाखे बना रही थीं। इसी दौरान घर में रखे फ्रिज में तेज धमाका हुआ।धमाके से फ्रिज पूरी तरह फट गया। घर की छत उड़ गई। छत के ऊपर बना बाथरूम भी ढह गया। नसरीन उस समय बाथरूम में थीं। धमाके में नसरीन के शरीर के दो टुकड़े हो गए। धमाके के बाद उनका हाथ करीब 100 मीटर दूर जा गिरा, जबकि पैर छत पर ही करीब 25 मीटर दूर पड़ा मिला। धमाके से मकान भी बुरी तरह टूट गया।

CJP के मार्च में 'लेके रहेंगे आजादी' के नारे लगे

कोच्चि में दीपके बोले- पूरे देश में तिरंगा लेकर जाऊंगा, जहां चाहें, गिरफ्तार कर लें

नई दिल्ली(एजेंसी)। वोटर लिस्ट में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के खिलाफ शनिवार को कोच्चि में कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन में पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके और अभिनेता प्रकाश राज समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने लोकतांत्रिक अधिकारों और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ आवाज उठाई। मार्च के दौरान 'हम लेके रहेंगे आजादी' के नारे भी लगाए गए। प्रदर्शन के चलते कोच्चि में राजनीतिक माहौल गर्म रहा और कार्यक्रम में शामिल नेताओं ने सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए।जानकारी के अनुसार, विरोध मार्च की शुरूआत मरीन ड्राइव से हुई, जहां से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता तिरंगा लेकर निकले। मार्च शहर के प्रमुख रास्तों से होता हुआ राजेंद्र मैदान पहुंचा। यहां आयोजित जनसभा में पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कार्यकताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है और इस प्रक्रिया में किसी भी नागरिक के मतदान के अधिकार प्रभावित नहीं होने चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक को अपनी बात रखने और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का अधिकार है। जनसभा को संबोधित करते हुए अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोगों की खान-पान की आदतों, निजी रिश्तों और अब उनके मतदान के अधिकारों को भी नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। दीपके ने कहा कि किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद और उसके लोकतांत्रिक अधिकारों में सरकार का अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं होना



चाहिए। उन्होंने दावा किया कि देश में नागरिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

तिरंगा लेकर पूरे देश में जाने का ऐलान

अभिजीत दीपके ने अपने संबोधन में कहा कि वह देश के हर हिस्से में तिरंगा लेकर जाएंगे और अपने इस अभियान को जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि अगर सरकार या प्रशासन उन्हें गिरफ्तार करना चाहता है तो वह दिल्ली, महाराष्ट्र, केरल या तमिलनाडु में कहीं भी गिरफ्तार कर सकता है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी से उनका संकल्प कमजोर नहीं होगा और वह दोबारा लौटकर तिरंगा उठाएंगे। दीपके ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की एकता, लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों का प्रतीक है। इसे लेकर देशभर में जाने से उन्हें कोई नहीं रोक सकता।

उन्होंने अपने भाषण में कहा कि पहले लोगों के खान-पान को लेकर सवाल उठाए गए, फिर यह तय करने की कोशिश की गई कि लोग किससे शादी करें और किससे प्रेम करें। अब उनके मुताबिक सरकार की कोशिश यह तय करने की है कि नागरिक किसे वोट दें। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की बुनियाद है और नागरिकों को बिना किसी दबाव के अपने प्रतिनिधि चुनने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

गांधी, अंबेडकर और नेहरू के आदर्शों का किया जिक्र

दीपके ने अपने संबोधन में देश के निर्माण और लोकतांत्रिक व्यवस्था में महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर और जवाहरलाल नेहरू के योगदान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत की बुनियाद इन तीनों नेताओं के विचारों और आदर्शों से मजबूत हुई है। उनके अनुसार महात्मा गांधी भारत की आत्मा, डॉ. अंबेडकर देश की रीढ़ और जवाहरलाल नेहरू उसका दिमाग हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि सत्ता में लंबे समय तक रहने के बावजूद कोई भी नेता इन ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के योगदान और विचारों से बड़ा नहीं हो सकता।

प्रकाश राज ने भी प्रदर्शनकारियों के साथ लगाए नारे

इस विरोध प्रदर्शन में अभिनेता प्रकाश राज की मौजूदगी भी चर्चा का विषय रही। उन्होंने मार्च में शामिल होकर प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया और उनके साथ 'हम लेके रहेंगे आजादी' के नारे लगाए। प्रकाश राज ने भी लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिक स्वतंत्रता से जुड़े मुद्दों पर अपनी भागीदारी दर्ज कराई। मार्च में शामिल लोगों ने तिरंगा लेकर अपनी मांगों और विरोध को प्रदर्शित किया।

तेल कंपनियों ने पेट्रोल सैंपल जांच प्रक्रिया पर उठाए सवाल, कर्नाटक सरकार से दोबारा जांच कराने की मांग

नई दिल्ली(एजेंसी)। पेट्रोल की गुणवत्ता और सैंपल जांच प्रक्रिया को लेकर तेल कंपनियों ने कर्नाटक सरकार के सामने अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। कंपनियों ने सैंपल लेने की निर्धारित प्रक्रिया, जांच के तरीके और रिपोर्ट की पारदर्शिता को लेकर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने राज्य सरकार से पेट्रोल के नमूनों की दोबारा जांच कराने और पूरी प्रक्रिया में तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों को शामिल करने की मांग की है।तेल कंपनियों के मुताबिक, निर्धारित नियमों के तहत पेट्रोल पंप से पेट्रोल के एक-एक लीटर के कुल छह सैंपल लिए जाते हैं। इस प्रक्रिया का उद्देश्य पेट्रोल की गुणवत्ता की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करना है। नियमों के अनुसार, इनमें से दो सैंपल पेट्रोल पंप संचालक को रसीद देकर सौंपे जाते हैं, ताकि भविष्य में किसी तरह की आपत्ति या विवाद होने पर उनके पास भी नमूने उपलब्ध रहें। वहीं, दो सैंपल तेल कंपनी या संबंधित विभाग के पास सुरक्षित रखे जाते



> पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा ज्यादा होने से गाड़ियों का माइलेज कम हो सकता है और उनके रखरखाव पर खर्च बढ़ सकता है। लोग महंगे पेट्रोल के पैसे दे रहे हैं, लेकिन उनकी गाड़ियों में एथेनॉल भरा जा रहा है।
>
> **राहुल गांधी**
> कांग्रेस सांसद

हैं, जबकि शेष दो सैंपल जांच के लिए निर्धारित प्रयोगशाला में भेजे जाते हैं।

कंपनियों ने स्पष्ट किया कि सैंपल लेने की प्रक्रिया में निर्धारित नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। प्रत्येक नमूने के लेबल पर संबंधित पक्षों के हस्ताक्षर होने चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि नमूने सही तरीके से लिए गए हैं और उनकी पहचान सुरक्षित है। इसके अलावा जांच रिपोर्ट भी निर्धारित समय सीमा के भीतर पेट्रोल पंप संचालक और संबंधित तेल कंपनी को उपलब्ध कराई जानी चाहिए। कंपनियों का कहना है कि यदि सैंपल लेने या जांच करने की प्रक्रिया में किसी तरह की अनियमितता रहती है तो इससे जांच के निष्कर्षों की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। इसी सिलसिले में तीनों तेल कंपनियों ने कर्नाटक सरकार से सैंपल एकत्र करने की पूरी प्रक्रिया से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा है।

कंपनियों ने प्रत्येक पेट्रोल पंप से लिए गए नमूनों की जांच रिपोर्ट, सैंपल लेने की तारीख, अपनाई गई प्रक्रिया और जांच के दौरान इस्तेमाल किए गए तरीकों की जानकारी भी मांगी है। उनका कहना है कि इन सभी तथ्यों की जानकारी मिलने के बाद ही पूरे मामले की सही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।तेल कंपनियों ने कर्नाटक सरकार से संबंधित पेट्रोल सैंपलों की दोबारा जांच कराने का भी आग्रह किया है। उनकी मांग है कि पुनः जांच किसी अधिकृत और निर्धारित प्रयोगशाला में कराई जाए, ताकि पेट्रोल की गुणवत्ता को लेकर किसी तरह का संदेह न रहे। कंपनियों ने यह भी कहा है कि दोबारा जांच के दौरान राज्य सरकार और तेल कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद रहें। इससे सैंपल की पहचान, जांच की प्रक्रिया और रिपोर्ट की विश्वसनीयता को लेकर सभी पक्षों को संतुष्टि मिल सकेगी। कंपनियों का कहना है कि पेट्रोल पंपों को उनकी ओर से आपूर्ति किया जाने वाला ए20 पेट्रोल भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप है। ऐसे में पेट्रोल की गुणवत्ता से संबंधित किसी भी शिकायत या जांच के मामले में निर्धारित प्रक्रिया का पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। कंपनियों ने कहा कि जांच के निष्कर्षों पर पहुंचने से पहले सैंपल लेने से लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण तक के सभी चरणों की निष्पक्षता सुनिश्चित करना आवश्यक है। तेल कंपनियों ने कर्नाटक सरकार से पूरे मामले में आवश्यक दस्तावेज और जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने के साथ ही दोबारा परीक्षण की व्यवस्था करने का अनुरोध किया है। उनका मानना है कि अधिकृत प्रयोगशाला में सभी संबंधित पक्षों की मौजूदगी में होने वाली जांच से पेट्रोल की गुणवत्ता को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी और किसी भी तरह की गलतफहमी दूर की जा सकेगी। अब इस मामले में राज्य सरकार के अगले कदम और दोबारा जांच को लेकर लिए जाने वाले निर्णय पर नजर बनी हुई है।

'जगमग दिवाली' का शुभारंभ, सीएम रेखा गुप्ता ने जवानों और पुलिसकर्मियों के नाम एक दीया जलाने की अपील की

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में भव्य 'जगमग दिवाली' उत्सव की जमकर सराहना की। उन्होंने इस संदर्भ में सोशल मीडिया पर एक वीडिया संदेश जारी कर दीपावली के अवसर पर भारतीय सेना के जवानों और पुलिस कर्मचारियों के लिए एक दीया जलाने की अपील की।
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिवाली केवल रोशनी का पर्व नहीं, बल्कि समाज में एकता, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देने वाला त्योहार है। उन्होंने लोगों से पर्यावरण हितैषी तरीके से दिवाली मनाने की अपील भी की।
आयोजकों के अनुसार, 'जगमग दिवाली' उत्सव 6 और 7 नवंबर को सेंट्रल पार्क, कनॉट प्लेस में जारी रहेगा, जहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विशेष आयोजनों के माध्यम से लोगों को दिवाली का अनूठा अनुभव मिलेगा।



सीएम रेखा गुप्ताग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्सन पर पोस्टल करते हुए लिखा कि दिव्य महा आरती और शानदार ड्रोन शो से लेकर भजनों पर झूमते युवाओं तक, कनॉट प्लेस में आयोजित 'जगमग दिवाली' किसी जादू से कम नहीं थी।
हमारी सनातन संस्कृति, आस्था और एकजुटता के इस भव्य उत्सव का उद्घाटन करके बहुत खुशी हुई। और जश्न अभी जारी है। सभी रील बनाने वालों, क्रिएटर्स और फोटोग्राफी के शौकीनों, ध्यान दें! 6-7 नवंबर को कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में आएं और शानदार ड्रोन शो, भजन संध्या और रोमांचक प्रतियोगिताओं का आनंद लें।
'रील इट': वीडियो शूट करें, शेयर करें और 1 लाख रुपए जीतने का मौका पाएं।
'शूट एंड शाइन': दिल्ली की दिवाली के जादुई पलों को कैद करें और 1.51 लाख रुपए तक जीतें।
'आरडब्यूत एरंगोली': अपनी रचनात्मकता दिखाएं और 71,000 रुपए तक जीतें।
आइए, जश्न मनाएं, कुछ नया बनाएं और यादगार पल संजोएं। अपने वीडियो 'दिल्ली की दिवाली' के साथ अपलोड करें और दिल्ली की दिवाली के जश्न को वायरल कर दें।
दिल्ली की दिवाली, सबसे निराली।
सीएम रेखा गुप्ताज ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश भी जारी किया है। उन्हों ने कहा कि दीपावली का यह त्योहार हम सब बड़ी धूमधाम के साथ अपने परिवार के साथ सुकून के साथ मनाते हैं, क्यों कि हमारे लाखों जवान देश की सरहद पर देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं। इसलिए हम अपने घरों में खुशी के साथ त्योंहार मनाते हैं और हमारे शहर की रक्षा करती है हमारी पुलिस तो इस बार हम मिलकर दीया जलाते समय एक दीया हमारे जवानों, हमारे पुलिसकर्मियों के लिए जरूर जलाएं। उन्हों ने कहा कि दिल्लीए की दीपावली की जब मैं बात करती हूं तो बहुत ही मल्टीए कल्चएरल होती है। यहां के हर राज्ये के लोग रहते हैं,जो मिलकर दीपावली का खूब आनंद उठाते हैं और इस बार हम मिलकर मनाएंगे कनॉट प्लेंसि के सेंट्रल पार्क में 'दिल्ली की भव्य दीवाली', जहां होगा मेगा ड्रोन-शो, जहां होगी मेगा भजन क्लेबिंग और मिलकर जलाएंगे दीये। इस बार खास है हमारे युवाओं के लिए।

पटाखें जलाते समय उल्लंघन पर होगी एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में साइलेंस जोन के 300 मीटर के भीतर पटाखे जलाने वालों के खिलाफ पुलिस द्वारा कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पटाखे जलाने की अनुमति के साथ यह महत्वपूर्ण शर्त रखी गई थी। इसे लेकर नई दिल्ली डीएम कार्यालय की तरफ से आदेश जारी किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि अगर किसी ने साइलेंस जोन के आसपास पटाखे जलाए तो उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी। जानकारी के अनुसार बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए पटाखे जलाने की अनुमति कुछ शर्तों के साथ दी थी। इसमें कहा गया था कि अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक और जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और किसी भी अधिसूचित 'साइलेंस ज़ोन' के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने पर रोक रहेगी। इसे लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैठक हुई थी, जिसमें उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए इस बाबत बीएनएसएस की धारा 152 के तहत आदेश जारी करने को कहा था। उनके निर्देश पर नई दिल्ली सहित कई जगहों पर इस प्रकार के आदेश जारी किए गए हैं।

उल्लंघन पर उचित कानूनी कार्रवाई

'साइलेंस ज़ोन' में पटाखों का अनधिकृत, अवैध और बिना अनुमति के कब्ज़ा, बाज़ार में तय स्थानों के अलावा अन्य जगहों पर बिक्री, खरीद, परिवहन और उपयोग करने से आम जनता के स्वास्थ्य और भलाई पर बुरा असर पड़ेगा, और इससे वायु गुणवत्ता सूचकांक में अनावश्यक वृद्धि होगी। इसलिए बीएनएसएस की धारा 152 के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एसडीएम की तरफ से इसे गैर कानूनी मानने और उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं।

दिल्ली के पूर्व भाजपा अध्यक्ष के घर के बाहर से कार चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व महापौर आदेश गुप्ता के घर के सामने खड़ी उनकी क्रेटा कार चोरी हो गई। वारदात शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे की है। बताया जा रहा है कि चोर कार से आए थे और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक, करीब एक महीने पहले भी इसी तरह कार चोरी करने का प्रयास किया गया था। हालांकि, उस समय आसपास के लोगों की नजर चोरों पर पड़ गई थी, जिसके बाद वे मौके से भाग गए थे। इस बार चोरों ने दोबारा वारदात को अंजाम दिया और कार लेकर फरार हो गए। घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ आरोपियों की पहचान और चोरी हुई कार की तलाश में जुटी है।

प्रदूषण के चलते डीयू के कई कॉलेजों में ऑनलाइन पढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण का असर अब शैक्षणिक गतिविधियों पर भी दिखाई देने लगा है। बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कई कॉलेजों ने आगामी दिनों में ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने और परिसर बंद रखने का निर्णय लिया है। दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स ने 7 और 10 नवंबर को ऑनलाइन कक्षाएं चलाने की सूचना जारी की है। हालांकि, इन दोनों दिनों में पहले से निर्धारित परीक्षाएं महाविद्यालय परिसर में ही आयोजित होंगी। वहीं, 9 नवंबर को महाविद्यालय बंद रहेगा। इसी तरह जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज ने 9 नवंबर को अवकाश घोषित किया है, जबकि 10 नवंबर को ऑनलाइन पढ़ाई कराने का निर्णय लिया है। डॉ. भीमराव आंबेडकर कॉलेज ने भी 6 और 7 नवंबर को ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की हैं। महाविद्यालयों ने यह फैसले वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग और दिल्ली सरकार के दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए लिए हैं। इसके अलावा दीपावली के दौरान पटाखों के इस्तेमाल पर रोक लगाने और विद्यार्थियों को प्रदूषण से बचाने के उद्देश्य से भी परिसर में विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

भाजपा ने आप के आपत्तिजनक वीडियो हटाने के हाई कोर्ट के आदेश का किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से सोशल मीडिया पर प्रसारित आपत्तिजनक वीडियो हटाने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश का स्वागत किया। मल्होत्रा ने शनिवार को कहा कि इस तरह का वीडियो



बनाकर आम आदमी पार्टी ने केवल मुख्यमंत्री का, बल्कि दिल्ली की सभी महिलाओं का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि आप के नेताओं का महिलाओं के प्रति व्यवहार पहले भी सवालों के घेरे में रहा है। मुख्यमंत्री को लेकर इस तरह का वीडियो तैयार करना महिलाओं के सम्मान के प्रति उनकी सोच को दर्शाता है। उन्होंने मांग की कि उच्च न्यायालय के आदेश के बाद आप तत्काल सभी सोशल मीडिया मंचों से संबंधित वीडियो हटाए और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित दिल्ली की महिलाओं से माफी मांगे। उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को आप के आधिकारिक सोशल मीडिया एक्स और फेसबुक पर साझा किए गए एआई-जनरेटेड वीडियो और पोस्ट को हटाने का आदेश जारी किया। जस्टिस मनोज जैन ने कहा कि इस कंटेंट में मुख्यमंत्री को गलत तरीके से शराब बेचने वाले के रूप में दिखाया गया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत गरिमा और नैतिक चरित्र को गंभीर ठेस पहुंच सकती है एक मुख्यमंत्री के तौर पर भी और एक महिला के तौर पर भी।

दीपावली आशा, विश्वास और नए संकल्पों का पर्व : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दीपावली के पावन पर्व पर दिल्लीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। उन्होंने कहा कि दीपावली केवल दीपों और रोशनी का त्योहार नहीं, बल्कि आशा, विश्वास, आत्मीयता और नए संकल्पों का पर्व है। मां लक्ष्मी की आराधना से जुड़ा यह त्योहार हमें समृद्धि के साथ सेवा, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी का भी संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली मेरा परिवार है और इस परिवार के प्रत्येक सदस्य का बेहतर जीवन, सुरक्षित भविष्य और सम्मान मेरी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प से प्रेरणा लेकर हम विकसित दिल्ली के निर्माण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। हमारा प्रयास है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और दिल्ली आधुनिक सुविधाओं, स्वच्छ वातावरण, बेहतर बुनियादी ढांचे तथा आर्थिक अवसरों के साथ देश की अग्रणी राजधानी बने। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से अपील की कि वे दीपावली को पर्यावरण के अनुकूल और सुरक्षित तरीके से मनाएं। निर्धारित मानकों के अनुरूप ग्रीन पटाखों का उपयोग करें। दीयों की पारंपरिक रोशनी, रंगोली, मिठाइयों और आपसी मेल-मिलाप से त्योहार की खुशियां बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ हवा उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है और इसमें नागरिकों की भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने के लिए मेट्रो विस्तार की योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। मेट्रो के फेज-5 (ए) में 16.076 किलोमीटर की तीन नई कॉरिडोर परियोजनाओं को मंजूरी मिलना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी-2026 के माध्यम से स्वच्छ और शून्य उत्सर्जन वाले परिवहन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस वर्ष सरकार ने 70 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य भी पार किया है। अब हमारा संकल्प इन पौधों को सुरक्षित रखने और उन्हें पेड़ों के रूप में विकसित करने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प दिल्ली को केवल देश की राजधानी ही नहीं, बल्कि आधुनिक सुविधाओं, मजबूत बुनियादी ढांचे और नागरिकों के लिए बेहतर जीवन स्तर वाली विकसित राजधानी बनाना है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन का विस्तार और आधुनिक यातायात प्रबंधन से कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया जा रहा है। यमुना को निर्मल बनाने, सीवर व्यवस्था के आधुनिकीकरण, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता और जलभराव की समस्या के समाधान के लिए भी बड़े स्तर पर काम किया जा रहा है।

सोनिया गांधी के मुंह से डेमोक्रेसी की बात शोभा नहीं देती: प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के लोकतंत्र पर दिए एक बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी के मुंह से डेमोक्रेसी की बात शोभा नहीं देती।
भाजपा सांसद ने कहा कि कांग्रेस वह पार्टी है, जिसने देश में प्रजातंत्र का, लोकतंत्र का गला घोंटा और इमरजेंसी देश के अंदर लगाई। लगभग 6 दशकों तक कांग्रेस की सरकार रही, तो देश कहीं दिखाई नहीं देता था और देश एक डरपोक तरीके से नजर आ रहा था। लेकिन पिछले 12 वर्षों के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश ने हर तरीके से अपनी प्रगति हासिल की है, भारत का विश्व में एक नया स्थान बना है। हम चौथी से तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर चल पड़ेंगे।
दिल्ली-एनसीआर में ग्रेप-ढ्ढढ्ढढ्ढ लागू होने पर भाजपा सांसद ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण कोई आज पहली बार नहीं हुआ है। हमारी पार्टी से पहले जब आम आदमी पार्टी का शासन था, काश उन्होंने प्रदूषण से बचाने के लिए कुछ कदम उठाए होते, तो स्थिति बेहतर होती, लेकिन उन्होंने एक भी कदम नहीं उठाया। लेकिन जब से हमारी सरकार आई है, हम प्रदूषण की लड़ाई लड़ रहे हैं, हर स्तर पर लड़ाई लड़ी जा रही है। प्रदूषण के जो-जो कारण हैं, उनकी स्टडी करके उन्हें समाप्त करने की चेष्टा कर रहे हैं।
भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने त्योहारों के दौरान रिकॉर्ड खरीदारी करने के लिए नागरिकों को धन्यवाद दिया।
भाजपा सांसद ने कहा कि पिछले 1 महीने से अधिक समय से और उसके बाद राहुल गांधी की 1 नवंबर की रैली के कारण, उससे पहले जो आंदोलन, धरने-प्रदर्शन हुए, दिल्ली का व्यापार पूरी तरह से चौपट हो गया था। लेकिन 2 नवंबर से लेकर आज तक दिल्ली वालों ने दिल्ली के व्यापारियों का दिल जीत लिया। आज दिल्ली के हर बाजार में जिस तरीके से भीड़ उमड़ी है, दिल्ली के 1 लाख करोड़ रुपए के कारोबार के लगभग पास हम पहुंच चुके हैं और उसे लगभग पार ही कर लिया है।
उन्होंने कहा, 'सबसे पहले तो मैं दिल्ली के तमाम व्यापारियों की ओर से समस्त दिल्ली वालों को आभार जताना चाहता हूं। दिल्ली के लोगों ने राहुल गांधी, विपक्षी पार्टी और उन सारे लोगों को, जो आंदोलन के कारण दिल्ली को तहस-नहस कर रहे थे, करारा जवाब दिया। पूरे देश भर में दीपावली के मौके पर 7 लाख करोड़ रुपए के व्यापार का आंकड़ा था। अभी जो सूचना मिल रही है, उसके अनुसार 6 लाख करोड़ का कारोबार हो चुका है। दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा और अन्य त्योहार बाकी हैं, हमें पूरी उम्मीद है कि सात लाख करोड़ का आंकड़ा भी पार होगा।'
भाजपा सांसद ने कहा कि खुशी की बात यह है कि पीएम मोदी के लोकल फॉर वोकल मुहिम के तहत खरीदारी हो रही है। जिस तरह से लोग खरीदारी कर रहे हैं, उससे एक बात तो साफ हो गई कि दीपावली देश का आर्थिक महोत्सव है।

दिल्ली की हवा फिर 'बहुत खराब', एक्यूआई 365 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की वायु गुणवत्ता शनिवार को भी 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी रही। दिल्ली सरकार के वायु गुणवत्ता निगरानी डेटा के अनुसार, 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 365 दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी में पिछले कुछ दिनों से वायु गुणवत्ता में लगातार गिरावट देखी जा रही है और प्रदूषण का स्तर लगातार ऊंचा बना हुआ है। शुक्रवार शाम को दिल्ली का एक्यूआई 382 था, जो केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। बिगड़ती प्रदूषण की स्थिति के बीच, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शुक्रवार को दीपावली से कुछ दिन पहले एहतियात के तौर पर दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) का चरण-3 लागू कर दिया। यह फैसला सीएक्यूएम की ग्रैप संबंधी उप-समिति द्वारा लिया गया और आयोग के आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट के माध्यम से घोषित किया गया। मौजूदा चरण-3 के ढांचे के तहत, बढ़ते प्रदूषण स्तर को रोकने के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में नौ-सूत्रीय कार्य योजना लागू की जाएगी। उपायों में निर्माण और विध्वंस गतिविधियों, वाहनों की आवाजाही और औद्योगिक संचालन पर प्रतिबंध, साथ ही स्कूलों और कार्यालयों के संबंध में कदम शामिल हैं। प्रतिबंधों का उद्देश्य उत्सर्जन को कम करना और क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में और गिरावट को रोकना है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने निवासियों से अधिकारियों के साथ सहयोग करने और प्रतिबंधों का पालन करने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि मौसम की स्थिति प्रदूषण की स्थिति को और बढ़ा सकती है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, 'मैं दिल्ली के निवासियों से आग्रह करता हूं कि वे ध्यान दें। कल से मौसम खराब रहने की उम्मीद है, हवा की गति लगभग शून्य तक गिरने की संभावना है। मैं सभी से इन प्रतिबंधों का पालन करने में सहयोग करने का अनुरोध करता हूं; केवल एक साथ काम करके ही हम दिल्ली में हवा को साफ करने में मदद कर सकते हैं।' मंत्री की चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब चिंता है कि हवा की कम गति प्रदूषकों के फैलाव में बाधा डाल सकती है, जिससे आने वाले दिनों में प्रदूषण का स्तर और बढ़ सकता है। दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप चरण-3 लागू होने के साथ, अधिकारियों से प्रदूषण पर अंकुश लगाने के उपायों को तेज करने की उम्मीद है, जबकि निवासियों से सहयोग करने और निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया गया है।

दिल्ली के प्रदूषण के लिए केंद्र और राज्य सरकार बराबर जिम्मेदार: प्रमोद तिवारी

नई दिल्ली/प्रयागराज, एजेंसी।
कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने दिल्ली और एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दिल्ली सरकार के चुनावी वादों पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदूषण खत्म करने का वादा करने वाली सरकार के कार्यकाल में हवा और यमुना का पानी पहले से अधिक जहरीला हो गया है। उन्होंने इसके लिए दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार दोनों को बराबर जिम्मेदार ठहराया।
कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के बाद जब दिल्ली में विधानसभा चुनाव हुए थे, तब भाजपा ने प्रदूषण खत्म करने का वादा किया था। उन्होंने उत्तर प्रदेश और हरियाणा का जिक्र करते हुए कहा कि इन राज्यों के कई इलाके राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के अंतर्गत आते हैं। दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण और यमुना के प्रदूषण को समाप्त करने का भरोसा दिया था, लेकिन आज दोनों की स्थिति और भी खराब हो गई है।
उन्होंने कहा कि दिल्ली में ट्रिपल इंजन की सरकार है। नगर निगम, दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार-तीनों जगह भाजपा का शासन है। इसके बावजूद प्रदूषण पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता से झूठे वादे कर रही है और लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रही है। दिल्ली गैस चैंबर में तब्दील हो गई है, जिससे लोगों की जीवन प्रत्याशा घट रही है और बीमारियां बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए दिल्ली सरकार के साथ-साथ भारत सरकार भी बराबर की जिम्मेदार है। कांग्रेस सांसद ने इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की व्यवस्था लागू की है। आम लोगों की शिकायत है कि इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल के इस्तेमाल से वाहनों का माइलेज कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि एक आम आदमी बड़ी मुश्किल से कार खरीद पाता है। ऐसे में अगर उसकी गाड़ी का माइलेज कम होता है तो उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल के वाहनों के इंजनों पर पड़ने वाले प्रभाव की भी जांच होनी चाहिए। प्रमोद तिवारी ने इस पूरे मामले की तत्काल जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में इन आरोपों की जांच कराई जानी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। प्रमोद तिवारी ने भाजपा पर संविधान की मूल भावना के विपरीत काम करने और धर्म के आधार पर समाज को बांटने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान में सभी नागरिकों को समानता का अधिकार दिया गया है, लेकिन भाजपा धर्म के आधार पर समाज को विभाजित कर रही है।
उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अंग्रेजों की 'बांटो और राज करो' की नीति पर चल रही है। इससे देश का सामाजिक ताना-बाना कमजोर हो रहा है और समाज में बिखराव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों को भी अपनी इस नीति के कारण देश छोड़ना पड़ा था और एक दिन भाजपा को भी सत्ता से जाना पड़ेगा।

आस्था कुंज सामूहिक दुष्कर्म : दिल्ली पुलिस एक हफ्ते के भीतर दाखिल कर सकती है आरोप-पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के कालकाजी इलाके में स्थित आस्था कुंज पार्क में 17 साल की लड़की के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस एक हफ्ते के भीतर 500 से अधिक पन्नों का आरोप-पत्र दाखिल कर सकती है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ताओं ने तीनों आरोपियों के खिलाफ लगाए आरोपों को पुख्ता तरीके से अदालत में साबित करने के लिए सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक साक्ष्य, गवाहों के बयानों और शिनाख्त परेड का सहारा लिया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोप-पत्र का मुख्य हिस्सा लगभग 75 पन्नों का है, जिसमें पीड़िता और उसके पुरुष मित्र सहित करीब 60 गवाहों के बयान और फोरेंसिक जांच रिपोर्ट सहित लगभग 50 दस्तावेज होंगे। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी इस मामले पर बारीकी से नजर रख रहे हैं, और प्रभावी तरीके से मुकदमा चलाने के लिए एक विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोप-पत्र में समय इंगित करने वाली सीसीटीवी फुटेज और तस्वीरें शामिल होंगी, जिनमें तीनों आरोपियों को पार्क पहुंचते हुए देखा जा सकता है। इनमें से एक आरोपी अपनी मोटरसाइकिल पर आया था। इसके अलावा उनकी बाद की गतिविधियां भी रिकॉर्ड है जिसमें उनके अपने-अपने घरों पर वापस लौटना शामिल है। यह वारदात 22 सितंबर को हुई, जब लड़की अपने जन्मदिन पर अपने 17-वर्षीय पुरुष मित्र के साथ कालकाजी मंदिर गई थी। बाद में वे दोनों आस्था कुंज पार्क गए, जहां तीन आरोपियों ने कथित तौर पर उन्हें चाकू दिखाकर डराया-धमकाया और लड़की को सुनसान जगह पर ले जाकर अलग-अलग यौन उत्पीड़न किया। जांच के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों आसिफ, हेमंत और महेश को गिरफ्तार कर लिया। इनमें से एक आरोपी पुलिस टीम पर गोली चलाने के बाद, जवाबी फायरिंग में घायल हो गया। मौजूदा समय में तीन आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं।

प्रवेश वर्मा ने मानहानि मामले में खटखटाया सत्र अदालत का दरवाजा, सौरभ भारद्वाज को नोटिस जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले को खारिज किए जाने के फैसले को सत्र अदालत में चुनौती दी है। इस मामले में राउज ऋवृनयू स्थित विशेष न्यायाधीश रूबी नीरज कुमार की अदालत ने सौरभ भारद्वाज को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत मामले की अगली सुनवाई 28 नवंबर को करेगी। दरअसल, प्रवेश वर्मा ने भारद्वाज के इंटरनेट मीडिया पोस्ट को लेकर आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप था कि भारद्वाज ने 15 और 16 मई को अपने एक्स हैंडल से उनके खिलाफ झूठे और मानहानिकारक पोस्ट और वीडियो साझा किए थे। इन पोस्ट में आरोप लगाया गया था कि प्रवेश वर्मा ने एक निजी स्कूल के ट्रस्ट में अपने सहयोगी अमरजीत सिंह बाबू को ट्रस्टी नियुक्त कराने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया। साथ ही, स्कूल में तीन वर्ष की बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले के आरोपित कर्मचारियों के पक्ष में प्रभाव इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया गया था। राउज एवेन्यू कोर्ट की अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने 10 अक्टूबर को शिकायत खारिज कर दी थी। अदालत ने कहा था कि भारद्वाज की इंटरनेट मीडिया पोस्ट सरकार की आलोचना के उद्देश्य से पूछे गए सवालों के स्वरूप में थीं और उनसे किसी की मानहानि साबित नहीं होती। मजिस्ट्रेट ने यह भी टिप्पणी की थी कि प्रवेश वर्मा अदालत में साफ नीयत के साथ नहीं आए हैं। इस आदेश के खिलाफ प्रवेश वर्मा ने पुनरीक्षण याचिका दायर की है।

दिल्ली इमारत हादसा: मलबे से दो और शव मिले, मृतकों की संख्या चार हुई

नई दिल्ली, एजेंसी।
पुरानी दिल्ली के हौज काजी इलाके में तीन मंजिला इमारत ढहने की घटना में शनिवार को मलबे से दो और शव बरामद किए गए, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गयी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मृतकों में से एक की पहचान बिहार के खगड़िया जिले के हनुमान नगर गांव निवासी पंकज शर्मा (40) के रूप में हुई है, जबकि दूसरे मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। शवों को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल भेज दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि अजमेरी गेट के पास सत्तारा गली में निर्माणाधीन इमारत ढहने के दो दिन बाद भी मलबे में दबे अन्य लोगों की तलाश और मलबा हटाने का अभियान जारी रहा।
बचाव अभियान के पहले दिन दो लोगों किशोरी (40) और संजीत (45) को मृत घोषित कर दिया गया था, जबकि दो अन्य लोगों सहदेव चौधरी (25) और फिरोज (37) को घायल अवस्था में मलबे से बाहर निकाला गया था। दोनों घायलों की हालत स्थिर बताई गई थी।
पुलिस के अनुसार, चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के पास बृहस्पतिवार सुबह करीब नौ बजकर 45 मिनट पर निर्माणाधीन इमारत ढह गई थी। तीन मंजिला इमारत ढहने के समय निर्माण स्थल पर करीब 10 से 15 मजदूर मौजूद थे।
आरोप है कि 50 वर्गमीटर के भूखंड पर आवश्यक मंजूरी लिए बिना इमारत का निर्माण कराया जा रहा था। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के एक अधिकारी ने बताया कि इस इमारत का कोई भवन नक्शा स्वीकृत नहीं किया गया था।
नगर निगम के अनुसार, इमारत का निर्माण तीसरी मंजिल तक पहुंच गया था और छत की स्लैब डालने का काम चल रहा था, तभी वह ढह गई। एक अधिकारी ने बताया कि निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री इंजीनियरिंग मानकों के अनुरूप नहीं थी और ठीक से सेट भी नहीं हुई थी। इसी वजह से इमारत ढह गई।
दिल्ली पुलिस ने जून में ही इस संपत्ति पर हो रहे अवैध निर्माण को लेकर एमसीडी को आगाह किया था। 15 जून को हौज काजी थाने के एसएचओ ने एमसीडी के सिटी सदर पहाड़गंज जोन को पत्र लिखकर निर्माण कार्य की जानकारी दी थी। इसमें जमीन के मालिक और ठेकेदार के रूप में फरकान की पहचान बताई गई थी।
पुलिस ने इमारत के मालिकों और ठेकेदारों



के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 के तहत गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

सही मायने में दीवाली कैसे मनाएं ?

-संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

आज दीवाली का दिन है। इतिहास से हमें पता चलता है कि आज के दिन ब?-ब? संतों-महात्माओं के जीवन में अनेक घटनाएं हुई हैं। जैसे भगवान महावीर को निर्वाण पद की प्राप्ति आज ही के दिन हुई थी। दीवाली का दिन सिक्ख इतिहास में भी ब?ी महत्ता रखता है। छ्ठे गुरु श्री हरगोबिन्द सिंह जी महाराज जो ग्वालियर के किले में कैद थे, आज ही के दिन वे 52 राजा-महाराजाओं के साथ रिहा हुए थे। स्वामी रामतीर्थ जी का जन्म भी दीवाली के दिन ही हुआ था। आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानन्द जी का निर्वाण भी दीवाली के दिन हुआ था और हम सब यह अच्छी तरह जानते हैं कि चौदह वर्ष के बनवास के बाद श्री रामचन्द्र जी महाराज जब अयोध्या वापिस पहुँचे तो आज ही के दिन लोगों ने दीये जलाए थे। दीवाली खुशियों का त्यौहार है। दीवाली से कुछ दिन पहले हम अपने घरों की साफ-सफाई करते हैं और दीवाली के दिन घर की सजावट कर दीये जलाते हैं। इस मौके पर सभी लोग पटाखे जलाकर अपनी खुशी व्यक्त करते हैं। अपने घर की सफाई के दौरान हम उन ची ?ों को बाहर निकालते हैं जो हमारे लिए उपयोगी या लाभदायक नहीं होतीं। अगर हम अपने साथ बहुत सा अनावश्यक सामान ढोते फिर रहे हैं या उन ची ?ों की ओर ध्यान देने में अपना समय बर्बाद कर रहे हैं जो हमें कोई लाभ नहीं पहुँचातीं तो इसका मतलब यह है कि हम ऐसी ि?ंदगी जी रहे हैं जो हमें अपने जीवन के वास्तविक लक्ष्य जोकि अपने आपको जानना और पिता-परमेश्वर को पाना है, को पाने में मददगार नहीं है। ऐसा जीवन जिसमें कि हमारा अपने जीवन लक्ष्य के प्रति कोई ध्यान न हो तो ऐसी अवस्था में हमारे अंदर हर वक्त एक संघर्ष चलता रहता है, जिसमें एक ओर हमारा मन इस बाहरी संसार में लिप्त रहना चाहता है तो दूसरी ओर हमारी आत्मा अंतर में परमात्मा को पाना चाहती है। हमारी आत्मा मन द्वारा उत्पन्न गंदगी को साफ करने की कोशिश करती रहती है लेकिन जैसे ही आत्मा हमारे विचारों, वचनों और कार्यों की गंदगी को साफ करती है, वैसे ही हमारा मन और अधिक गंदगी पैदा कर देता है। मन किस प्रकार की गंदगी उत्पन्न करता है? हमारा मन इन पाँच चोरों काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार की मदद से हमारे अंदर गंदगी पैदा करता है। यही पाँचों चोर हमारे विचारों, वचनों और कार्यों द्वारा हमें कर्मों के बंधन में फंसाते हैं। जब हम अंतर में ध्यान टिकाकर अपने मन को शांत करने की कोशिश करते हैं तो इन पाँच चोरों से संबंधित विचार हमारे ध्यान को एकाग्र नहीं होने देते। कई बार जब हम ध्यान-अभ्यास के दौरान अपने मन को स्थिर करने का प्रयास करते हैं तो क्रोध संबंधी विचार हमारे ध्यान को भटकाने लगते हैं। ये क्रोधपूर्ण विचार हमारे मन में घूमते रहते हैं और हम आंतरिक दिव्य प्रकाश पर ध्यान टिकाने के बजाय इन्हीं विचारों को सोचने में लग जाते हैं। बहुत सी बार ध्यान एकाग्र करने के बजाय हम यह सोचने लगते हैं कि हम भी वह सब कुछ कैसे पा सकते हैं जो दूसरों के पास हैं? क्योंकि हमारा मन हमें लोभ में फंसा देता है, जिससे कि हम अपने ध्यान को अंतर में एकाग्र नहीं कर पाते। जब हम ध्यान-अभ्यास में बैठते हैं तो कई बार ऐसा भी होता है कि हमें उन लोगों या ची ?ों का भी ख्याल आने लगता है जिनसे हम मोह करते हैं। ध्यान-अभ्यास के दौरान ऐसा भी होता है जब हम यह सोचने लगते हैं कि हम दूसरों से ?यादा खूबसूरत, ?यादा बुद्धिमान या ?यादा ताकतवर हैं। ऐसे में हम ध्यान टिकाने की बजाय अपने आपके बारे में सोचने लग जाते हैं। आत्मा, हमारे मन के इन सभी विचारों से साफ होना चाहती है। वह अंतर में प्रभु की ज्योति पर ध्यान टिकाने की कोशिश करती है लेकिन हमारा मन बहुत ही ताकतवर है। जो हर वक्त हमारी आत्मा को मैला करता जा रहा है? ऐसी अवस्था में हमारी आत्मा को मदद की ?रूरत है। इसके लिए हमें वक्त के पूर्ण सत्गुरु की आवश्यकता होती है जो हमारे मन की गंदगी को न सिर्फ साफ करने में हमारी मदद करते हैं बल्कि मन को शांत व स्थिर कैसे किया जाए, उसका भी उपाय बताते हैं। हम अपने आप मन को तब तक शांत नहीं कर सकते, जब तक हमें किसी पूर्ण सत्गुरु की मदद न मिले।

NAME CHANGE

I, Naman Jain S/O Naveen Singhal R/O K E 34/10 Kavi Nagar Near Radha Krishna Mandir Ghaziabad Up 201001 Have changed my name to Naman Singhal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Naveen Jain S/O Sukh Pal Jain R/O K E 34/10 Kavi Nagar Near Radha Krishna Mandir Ghaziabad Up 201001 Have changed my name to Naveen Singhal for all future purposes.

NAME CHANGE

I. Ritu Jain Alias Ritu Rani Jain W/O Naveen Singhal R/O K E 34/10 Kavi Nagar Near Radha Krishna Mandir Ghaziabad Up 201001 Have changed my name to Ritu Singhal for all future purposes

NAME CHANGE

I, Abhinav Jain S/O Naveen Singhal R/O K E 34/10 Kavi Nagar Near Radha Krishna Mandir Ghaziabad Up 201001 Have changed my name to Abhinav Singhal for all future purposes

NAME CHANGE

I, KESAR BEGAM W/O MOHD HANEEF Residing at HOUSE T-389 F/F GALI NO-12 GAUTAM-PURI SEELAMPUR, North East Delhi 110053 have changed my name to KESAR JAHAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, YERRAMSERRY RAMAKRISHNA father of NO – 2620256N, Rank –LNK, Name – YARRAMSETTY KRISHNA KISHORE residing at H. NO-10-280/1, VPO-BHIMADOLE, TEHSIL & P.S-BHIMADOLE, DIST-ELURU, ANDHRA PRADESH-534425, have changed my name from YERRAMSERRY RAMAKRISHNA to YARRAMSHETTI RAMAKRISHNA for all future purposes vide Affidavit Dated 07/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, LAKSHMI Mother of No – 2620256N, Rank –LNK, Name – YARRAMSETTY KRISHNA KISHORE residing at H. NO-10-280/1, VPO-BHIMADOLE, TEHSIL & P.S-BHIMADOLE, DIST-ELURU, ANDHRA PRADESH-534425, have changed my name from LAKSHMI to YARRAMSHETTI LAKSHMI for all future purposes vide Affidavit Dated 07/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, K GANGA REDDY father of JC-443578K, Rank –NB SUB, Name – K GANESH REDDY residing at H. NO-1-5, VPO-PADMAJAVADI, THE-KAMAREDDY, DIST-NIZAMABAD, TELANGANA-503145, have changed my name from K GANGA REDDY to KATIPALLY GANGA REDDY for all future purposes vide Affidavit Dated 07/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RADHA mother of JC-443578K, Rank –NB SUB, Name – K GANESH REDDY residing at H. NO-1-5, VPO-PADMAJAVADI, THE-KAMAREDDY, DIST-NIZAMABAD, TELANGANA-503145, have changed my name from RADHA to KATIPALLY RADHA for all future purposes vide Affidavit Dated 07/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-2618477F RANK-HAV NAME- LINGARAJ HADIMANI father of VRUTIN residing at VILL-KALKUPPI, PO-MEKALMARADI, TEHSIL-BAILHONGAL, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591121, have changed my Son's name from VRUTIN to VRUTIN LINGARAJ HADIMANI for all future purposes vide Affidavit Dated 07/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-2618477F RANK-HAV NAME-LINGARAJ HADIMANI father of TANUSHREE residing at VILL-KALKUPPI, PO-MEKALMARADI, TEHSIL-BAILHONGAL, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591121, have changed my daughter's name from TANUSHREE to TANUSHREE LINGARAJ HADIMANI for all future purposes vide Affidavit Dated 07/11/2026 before Notary Public, Delhi.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) (ii) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **1.नीरज पुत्रः** इन्दर, **2.कुसुम पत्नीः** इन्दर, **निवासः** A-10/2, शिव वाटिका, बेहटा हाज़ीपुर, लोनी, गाजियाबाद, ने **FIR No. 842/2014 U/s 498A/328/34 IPC., थानाः गोकुलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **1.नीरज 2.कुसुम** मिल नही रहे हैं और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **1.नीरज 2.कुसुम** फरार हो गये हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 842/2014 U/s 498A/328/34 IPC., थानाः गोकुलपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **1.नीरज 2.कुसुम** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.01.2027** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
नेहा गर्ग
जेएमएफसी-02, कमरा नं. 09
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/15798/NE/2026
(Court Notice)

पूर्व दिशा की ओर जाने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ-2026

दीपावली एवं छठ पूजा त्यौहारों के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा अन्य क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से दिनांक 08.11.2026, 09.11.2026 एवं 10.11.2026 को पूर्व दिशा की ओर निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है :-

दिनांक 08.11.2026 (रविवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
02254	नई दिल्ली (वंदे भारत एक्सप्रेस)	08:35	पटना जं.	21:30	एग्जीक्यूटिव चेयर कार एवं एसी चेयर कार	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04014	आनन्द विहार (ट.)	15:40	लौकहा बाजार	20:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., शीशो जं., सकरी जं., झंझारपुर एवं वाचस्पति नगर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र जं.	23:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी, गाजीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04072	नई दिल्ली	21:35	सुपौल जं.	06:35	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, औड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., सिमरी बख्तियारपुर एवं सहरसा जं.
04052	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा	23:40	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., बख्तियारपुर जं., किऊल जं., झाझा, जसीडीह जं., मधुपुर जं., चित्तरंजन, आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बंडेल
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जं.	12:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., दिलदार नगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर एवं आरा
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा जं.	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
05580	आनन्द विहार (ट.)	05:15	पूर्णियाँ कोर्ट	13:45	3 टियर इकोनोमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी, जनकपुर रोड, शीशो हॉल्ट, सकरी जं., झंझारपुर जं., घोघरडीहा, निर्मली, न्यू झाझा जं., सुपौल, गढ़ बरुआरी, सहरसा जं., दौरामा मधेपुरा, मुरलीगंज एवं बनमनखी जं.
02418	शकूर बस्ती	21:30	प्रयागराज जं.	09:15	प्रथम वाता. सह 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, दादरी, खुर्जा जं., अलीगढ़ जं., हाथरस जं., टुंडला जं., शिकोहाबाद जं., इटावा जं., फफूंद, कानपुर सेंट्रल, बिंदकी रोड, फतेहपुर, सिराथू, भरवारी एवं प्रयागराज जं.
03310	दिल्ली जं.	11:45	धनबाद जं.	13:00	3 टियर वाता., 3 टियर इकोनोमी, शयनयान एवं सामान्य	टूंडला जं., गोविंदपुरी (कानपुर), प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ एवं गोमोह जं.
03698	नई दिल्ली	13:40	गया जं.	11:15	षयनयान एवं सामान्य	टूंडला जं., गोविंदपुरी (कानपुर), प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
03294	आनन्द विहार (ट.)	15:50	पटना जं.	12:25	3 टियर वाता., 3 टियर इकोनोमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, गोविंदपुरी (कानपुर), सूबेदारगंज (प्रयागराज जं.), पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
02458	आनन्द विहार (ट.)	07:20	कानपुर सेन्ट्रल	13:15	3 टियर वाता. एवं शयनयान	अलीगढ़ जं. एवं इटावा जं.
04098	शकूर बस्ती	09:20	दरभंगा जं.	11:45	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी जं., बुढ़वल जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., जनकपुर रोड एवं कमतौल
02878	आनन्द विहार (ट.)	19:30	राँची	19:10	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. 3 टियर वाता. एवं शयनयान	गाजियाबाद, टूंडला जं., गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, मिर्जापुर, चुनार जं., पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, नबीनगर रोड, जपला, मुहम्मदगंज, गढ़वा रोड जं., डालटनगंज, लातेहार, टोरी, लोहरदगा
05284	आनन्द विहार (ट.)	07:00	मुज़फ्फरपुर जं.	04:50	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जंक्शन, बस्ती, गोरखपुर, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पीपरा, चकिया, मेहसी, मोतीपुर

दिनांक 09.11.2026 (सोमवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

02252	नई दिल्ली (वंदे भारत एक्सप्रेस)	08:35	पटना जं.	21:30	एग्जीक्यूटिव चेयर कार एवं एसी चेयर कार	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04014	आनन्द विहार (ट.)	15:40	लौकहा बाजार	20:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., शीशो जं., सकरी जं., झंझारपुर एवं वाचस्पति नगर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र जं.	23:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी, गाजीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04072	नई दिल्ली	21:35	सुपौल जं.	06:35	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, औड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., सिमरी बख्तियारपुर एवं सहरसा जं.
04062	आनन्द विहार (ट.)	12:00	भागलपुर	13:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., तिलैया, नवादा, वारिसलीगंज, शेखपुरा, किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. एवं सुलतानगंज
04098	शकूर बस्ती	09:20	दरभंगा जं.	11:45	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी जं., बुढ़वल जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., जनकपुर रोड एवं कमतौल
04064	दिल्ली जं.	11:00	गया जं.	07:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जं.	12:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., दिलदार नगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर एवं आरा
04214	आनन्द विहार (ट.)	09:00	अयोध्या कैंट	22:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, अमरोहा, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., लखनऊ जं. एवं बाराबंकी जं.
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा जं.	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02398	आनन्द विहार (ट.)	13:30	गया जं.	11:15	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान	टूंडला जं., गोविंदपुरी (कानपुर), प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
03258	आनन्द विहार (ट.)	05:00	दानापुर	20:45	3 टियर वाता. एवं शयनयान	गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा
02456	नई दिल्ली	07:45	कानपुर सेन्ट्रल	13:15	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़ एवं इटावा जं.
04164	शकूर बस्ती	21:30	नारायनपुर बाजार	12:25	प्रथम वाता. सहे 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, दादरी, खुर्जा जं., अलीगढ़ जं., हाथरस जं., टुंडला जं., शिकोहाबाद जं., इटावा जं., फफूंद, कानपुर सेंट्रल, बिंदकी रोड, फतेहपुर, सिराथू, भरवारी, प्रयागराज जं., करछना, मेजा रोड, मिर्जापुर एवं चुनार
04124	हज़रत निज़ामुद्दीन	15:45	प्रयागराज जं.	09:10	प्रथम वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	कोसी कलां, मथुरा जं., आगरा कैंट, धौलपुर, ग्वालियर जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई (झाँसी), मऊरानीपुर, हरपालपुर, कुलपहाड़, महोबा, बांदा जं., अतर्रा, चित्रकूट, मानिकपुर जं., डभौरा एवं शंकरगढ़
05102	शकूर बस्ती	13:15	गोरखपुर	08:30	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	दिल्ली, गाज़ियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जंक्शन, गोंडा जंक्शन, बलरामपुर, तुलसीपुर, बढ़नी, सिद्धार्थनगर एवं आनंदनगर
03294	आनन्द विहार (ट.)	15:50	पटना (ट.)	12:25	3 टियर वाता. 3 टियर (इकोनोमी), शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, गोविंदपुरी (कानपुर), सूबेदारगंज (प्रयागराज जंक्शन), पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
08408	आनन्द विहार (ट.)	00:30	खोरधा रोड जं.	10:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, टूंडला जं., गोविंदपुरी (कानपुर), सूबेदारगंज (प्रयागराज जं.), पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, गया जं., कोडरमा, गोमोन जं., आद्रा जं., बाँकुड़ा, विष्णुपुर, मिदनापुर, हिजली (खड़गपुर), बालासोर, भद्रक, जाजपुर केन्द्रुझर रोड, कटक एवं भुवनेश्वर

दिनांक 10.11.2026 (सोमवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

02254	नई दिल्ली (वंदे भारत एक्सप्रेस)	08:35	पटना जं.	21:30	एग्जीक्यूटिव चेयर कार एवं एसी चेयर कार	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04028	आनन्द विहार (ट.)	09:15	मुजफ्फरपुर जं.	04:30	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अमरोहा, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, सोनपुर एवं हाजीपुर जं.
04014	आनन्द विहार (ट.)	15:40	लौकहा बाजार	20:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., शीशो जं., सकरी जं., झंझारपुर एवं वाचस्पति नगर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र जं.	23:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी, गाजीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04072	नई दिल्ली	21:35	सुपौल जं.	06:35	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, औड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., सिमरी बख्तियारपुर एवं सहरसा जं.
04052	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा	23:40	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., बख्तियारपुर जं., किऊल जं., झाझा, जसीडीह जं., मधुपुर जं., चित्तरंजन, आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बंडेल
04062	आनन्द विहार (ट.)	12:00	भागलपुर	13:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., तिलैया, नवादा, वारिसलीगंज, शेखपुरा, किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. एवं सुलतानगंज
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जं.	12:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., दिलदार नगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर एवं आरा
04406	शकूर बस्ती	19:10	मानसी जं.	02:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय एवं खगड़िया जं.
04404	शकूर बस्ती	15:15	पटना जं.	14:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04410	शकूर बस्ती	13:00	झंझारपुर जं.	16:00	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., जनकपुर रोड, कमतौल, शीशो जं. एवं सकरी जं.
04058	आनन्द विहार (ट.)	00:20	छपरा जं.	19:20	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, सारनाथ, औड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, रेवती एवं सुरेमनपुर
04064	दिल्ली जं.	11:00	गया जं.	07:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
04078	दिल्ली जं.	14:00	दरभंगा जं.	18:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., एवं शयनयान	नई दिल्ली, गाजियाबाद, टूंडला जं., गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, दानापुर, पटना जं., बख्तियारपुर जंक्शन, मोकामा जंक्शन, बरौनी जंक्शन, दलसिंहसराय, समस्तीपुर जंक्शन।
04210	दिल्ली जं.	18:50	वाराणसी जं.	09:50	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, हापुड़, गजरौला जं., मुरादाबाद, रामपुर, हरदोई, लखनऊ जं., रायबरेली जं. एवं मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़
02458	नई दिल्ली	07:20	कानपुर सेन्ट्रल	13:

संक्षिप्त डायरी

महिला से मारपीट मामले में केस दर्ज

एजेंसी

नोएडा। पति से संबंधों के विवाद में एक महिला के घर पहुंचकर मारपीट, अभद्रता और उसकी दो बच्चियों को अगवा करने की कोशिश का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उसके कपड़े फाड़ दिए और छोटी बेटी को बोरे में डालकर कार की डिग्गी में रखने लगे। बच्चियों को बचाने के लिए महिला कार के आगे लेट गई और शोर मचाकर लोगों को बुलाया। कोर्ट के आदेश पर महिला थाना पुलिस ने आठ नामजद समेत दो अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। सेक्टर-19 निवासी महिला की शादी 2015 में हितेंद्र प्रताप राणा से हुई थी। उनकी दो बेटियां हैं। आरोप है कि शिवानी गुप्ता उनके पति पर प्रभाव रखती है और तलाक देने का दबाव बनाती थी। तीन अगस्त 2026 को शिवानी, उसकी बहन आकांक्षा, भाई सिद्धांत समेत अन्य लोग घर पहुंचे और मारपीट की। महिला का आरोप है कि बच्चियों के साथ भी अभद्रता की गई। शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने के बाद उन्होंने कोर्ट का रुख किया। न्यायालय के आदेश पर मामले में अब केस दर्ज हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रायल के दूसरे दिन 12 घंटे में 32 हजार वाहन गुजरे

एजेंसी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गौर चौक अंडरपास से ट्रायल के दूसरे दिन करीब 32 हजार वाहनों ने 12 घंटे के दौरान फरार्टा भरा। पहले दिन सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक करीब 14 हजार वाहन अंडरपास से गुजरे थे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का दावा है कि ट्रायल का दूसरा दिन भी सफल रहा। नव निर्माण होने के कारण थोड़ी धूल की परेशानी हो रही है, बाकी ट्रैफिक संचालन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आ रहा है। बता दें कि इस अंडपास को वाहनों की आवाजाही के ट्रायल के लिए गुरुवार 5 नवंबर को आम लोगों के लिए खोल दिया। अंडरपास के खुलते ही शाम छह बजे तक 14 हजार वाहन इससे होकर गंतव्य की ओर गुजरे। यही सिलसिला शुक्रवार को भी ट्रायल के दूसरे दिन जारी रहा। शुक्रवार को यह संख्या बढ़कर 32 हजार के करीब पहुंच गया। अंडरपास को 8 नवंबर तक ट्रायल के लिए खोला गया है। सबकुछ ठीक रहा तो 12 नवंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका औपचारिक शुभारंभ कर सकते हैं। इस अंडरपास का निर्माण 15 फरवरी 2025 को शुरू हुआ था और 30 अक्टूबर 2026 को खत्म हुआ है। यह अंडरपास निर्धारित समयावधि (दिसंबर 2026) से पहले ही बनकर तैयार हो गया है। लगभग 99 करोड रुपए खर्च हुए हैं। यह अंडरपास 60 मी रोड के पैरलल बना है। इसकी लंबाई लगभग 720 मीटर है।

थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मी निलंबित

एजेंसी

नोएडा। काम में लापरवाही बरतने पर पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने शुक्रवार को साइबर क्राइम थाने के प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। निलंबित पुलिसकर्मियों में थाना प्रभारी विजय सिंह राणा के अलावा सब इंस्पेक्टर विकास और हेड कांस्टेबल विनय कुमार और कमल शामिल हैं। कार्रवाई के बाद साइबर थाने में नए प्रभारी की तैनाती नहीं की गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक साइबर थाने के प्रभारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को बिना सूचना दिए दबिश देने के लिए पुलिस टीम रवाना कर दी थी। नियमानुसार इस तरह की कार्रवाई से पहले संबंधित अधिकारियों को जानकारी देना जरूरी था। थाना प्रभारी की ओर से इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को नहीं दी गई। बाद में जब वरिष्ठ अधिकारियों को बिना अनुमति टीम भेजे जाने की जानकारी मिली तो मामले को गंभीरता से लिया गया। प्रारंभिक स्तर पर इसे पुलिस कार्यप्रणाली में लापरवाही मानते हुए थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई। पुलिस कमिश्नर के इस कदम से पुलिस महकमे में खलबली मच गई है। इससे पहले बीते सप्ताह की फेज तीन और सेक्टर-49 थाना प्रभारी को पुलिस कमिश्नर ने हटाया था। दीवाली के बाद कई अन्य थाना प्रभारियों के बदलने की अटकलें हैं।

अभद्रता के आरोपी को अग्रिम जमानत नहीं

एजेंसी

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की निराला एस्पायर सोसाइटी में गरबा के दौरान महिलाओं से अभद्रता, गाली-गलौज और मारपीट के आरोपी दुर्गेश सिंह उर्फ रुद्र प्रताप सिंह की अग्रिम जमानत अदालत ने खारिज कर दी। मामला थाना बिसरख में दर्ज है। वादी विश्वास कुमार सिंह के अनुसार सोसाइटी में गरबा कार्यक्रम परिवार के साथ शामिल हुए थे। तभी बाहर से चार गाड़ियों में करीब 10 लोग आए। उन्होंने तीन गाड़ियां जबरन अंदर लाकर नो-पार्किंग एरिया में खड़ी कर दी। इसके बाद वह कार्यक्रम में घुस गए और महिलाओं से अभद्रता करने लगे। मना करने पर धमकी देने लगे। इनमे से अधिकांश लोग नशे में थे और गाड़ी हटाने को कहने पर जान से मारने की धमकी देने लगे। सोसाइटी से बाहर निकलने को कहा गया तो वह गाली देते हुए गाड़ियों में बैठ गए। आरोप है कि इनमें से एक थार से कुछ आरोपी बेकाबू रफ्तार में भागे और रोकने की कोशिश कर रहे गार्ड व निवासियों को कुचलने का प्रयास किया था। गेट बंद होने पर एक आरोपी ने बैरिकेड तोड़ दिया और सब भाग निकले थे। पुलिस एक आरोपी को अपने साथ ले गई, जो खुद को रुद्र प्रताप सिंह बता रहा था। तीन गाड़ियां सोसाइटी परिसर में ही खड़ी मिलीं। अदालत ने कहा कि अग्रिम जमानत का आधार पर्याप्त नहीं है। जमानत अर्जी खारिज कर दी।

भूखंड पर कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच चले जमकर लाठी डंडे

एजेंसी

नोएडा। दादरी कोतवाली क्षेत्र के कोट गांव में एक भूखंड पर कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कोट गांव के रहने वाले संदीप ने बताया कि गांव में उनका एक भूखंड है, जिसकी चारदीवारी हो रखी है। गुरुवार को चरण सिंह पक्ष के लोग भूखंड पर पहुंचे और दीवार को तोड़ दिया। विरोध करने पर संदीप के परिवार के साथ मारपीट की। पुलिस ने इस मामले में संदीप की शिकायत पर आरोपी चरण सिंह व अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं दूसरे पक्ष के रंजीत के बेटे सतीश ने मुकदमा दर्ज करवाया है। सतीश ने पुलिस को बताया कि उनके परिवार के साथ दीवार तोड़ने का विरोध करने पर मारपीट की गई। सतीश की शिकायत पर पुलिस ने सत्येंद्र व सचिन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि दोनों पक्षों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

नरक चतुर्दशी आज

एजेंसी

नोएडा। दीपोत्सव के पांच दिवसीय पर्व पर आज नरक चतुर्दशी मनाई जाएगी, जिसे छोटी दिवाली और रूप चौदस भी कहते हैं। इस दिन अभ्यंग स्नान, यम दीपदान और मां काली की पूजा का विशेष महत्व है। चतुर्दशी तिथि सुबह 10:48 बजे से रविवार सुबह 11:28 बजे तक रहेगी। शाम को दीपदान और रात में पूजा की परंपरा है, जबकि रविवार सुबह अभ्यंग स्नान किया जाएगा। अल्फा-1 स्थित श्री शिव मंदिर के आचार्य शेर सिंह ने बताया कि मां काली की पूजा के लिए प्रदोष काल शाम 5:31 से रात 8:09 बजे तक है। निशीथ काल रात 11:39 से रविवार रात 12:31 बजे तक रहेगा। इस दौरान मां काली की पूजा की जा सकती है और घर के मुख्य द्वार पर यमराज के नाम से दीप जलाने की भी परंपरा है।

दीवाली पर खील बताशे की परंपरा कायम

एजेंसी

नोएडा। दिवाली पर आधुनिक मिठाइयों और सूखे मेवों के बढ़ते चलन के बावजूद पूजन में खील-बताशों की परंपरा कायम है।

पीआईआईटी में ग्रेंड जेस्टा का रंगारंग आयोजन, छात्र-छात्राओं ने बांधा समां





ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क-3 स्थित दिल्ली एनसीआर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान प्रिंस इंस्टीट्यूट ऑफ इनोवेटिव टेक्नोलॉजी (पीआईआईटी) में वार्षिक उत्सव ग्रेंड जेस्टा- 2026 का रंगारंग आयोजन किया गया। फ्रेशर पार्टी में छात्र-छात्राओं ने समां बांध दिया। प्रतिभा, व्यक्तित्व और प्रस्तुति के आधार पर विभिन्न खिताब प्रदान किए गए। मनोरंजक गतिविधियों और प्रतियोगिताओं के बाद डी.एड की नेहा यादव मिस पीआईआईटी और बी.एडा के मनीष कुमार मिस्टर पीआईआईटी चुने गए। ग्रैंड जेस्टा में छात्र-छात्राओं ने कला और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए जमकर धूम मचाई। गीत, संगीत, नाटक, संवाद, नृत्य, रैंप वाक, मनोरंजक प्रतियोगिता एवं कई अन्य सांस्कृतिक विधाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक व आधुनिक परिधानों में आए छात्र-छात्राओं के उच्च ऊर्जा स्तर व अद्भुत टैलेंट शो ने पूरे पीआईआईटी प्रांगण को जीवंत और यादगार बना दिया। सांस्कृतिक समारोह के मुख्य अतिथि कुमाऊँ और गढ़वाल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) बीएस राजपूत रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के चेयरमैन प्रोफेसर (डॉ.) भारत सिंह ने की। जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार डॉ. जितेन्द्र बच्चन और डिबाई बुलंदशहर की पूर्व विधायक डॉ. अनिता लोधी राजपूत की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ, शॉल और प्रतीक चिन्ह देकर उन्हें संस्थान के चेयरमैन डॉ भरत सिंह, श्रीमती मिथिलेश मैम, श्रीमती जागेश सिंह और निदेशक आरके शाक्य ने सम्मानित किया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर राजपूत विद्यार्थियों की रचनात्मकता, टीम भावना व कला कौशल को देखकर बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने ह्यराष्ट्र प्रथम के मंत्र पर बल देते हुए छात्र-छात्राओं से कहा कि अगर आपके विचारों में राष्ट्र पहले आता है, तो नेतृत्व मजबूत होता है और हर निर्णय सार्थक हो जाता है। डॉ. भारत सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने और सफलता के लिए निरंतर मेहनत व अनुशासन बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम में पोलिटेक्निक की खुशी को मिस फ्रेशर और बी.फार्मा प्रथम वर्ष के सूर्यकांत को मिस्टर फ्रेशर के खिताब से नवाजा गया। जबकि पोलिटेक्निक के छात्र अवनीश वर्मा को मिस्टर ईव और बीबीए द्वितीय वर्ष की छात्रा ऋतिका मिश्रा को मिस ईव चुना गया। सभी विजेताओं के नामों की घोषणा प्रतियोगिता की मुख्य जज लक्ष्मी प्रिया ने की। मेधावी छात्र-छात्राओं को पीआईआईटी के चेयरमैन डॉ. भरत सिंह, श्रीमती मिथिलेश सिंह, श्रीमती जागेश सिंह, निदेशक आर.के. शाक्य और सहायक निदेशक डॉ. जितेन्द्र बच्चन ने पुरस्कृत किया। साथ ही इन सभी ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इससे पहले सांस्कृतिक उत्सव में दिल्ली से आए अंतरराष्ट्रीय गायक प्रतीक गौतम, मुंबई से पहुंचे मनोज और गाजियाबाद से पधारे अनिल ने एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति से जहां समां बांध दिया, वहीं एयर गुरुकुल की प्रमुख लक्ष्मी प्रिया ने अपनी पारंपरिक कविता से दर्शकों व श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में पत्रकारों, कलाकारों एवं आयोजन को बेहतर बनाने वाले फैकल्टी व अन्य स्टाफ को भी सम्मानित किया गया। मंच का संचालन प्रोफेसर बबलू रावत ने किया और निदेशक आर.के. शाक्य ने अतिथियों के प्रति आभार जताते हुए समारोह का समापन किया।

नोएडा के सेक्टर-62 की हवा गुणवत्ता खतरनाक

एजेंसी

नोएडा। दीवाली के नजदीक आते ही शहर के विभिन्न इलाकों की आबोहवा में जगह घुलना शुरू हो गया है। शुक्रवार को नोएडा के सेक्टर-62 की हवा 417 यानी खतरनाक श्रेणी में दर्ज की गई। वहीं, ग्रेनो में नॉलेज पार्क-5 का इलाका 389 एक्यूआई के साथ सबसे अधिक प्रदूषित रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की वेबसाइट के मुताबिक शाम चार बजे तक नोएडा का ऑवरऑल एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 303 व ग्रेनो का 316 दर्ज किया गया जो विगत दिवस के मुकाबले 20 से 78 अंक अधिक रहा। इसके साथ ही शहर के अलग अलग इलाकों में भी प्रदूषण की स्थिति खराब रही। नोएडा में सबसे अधिक जहरीली सेक्टर 62 और ग्रेनो में केपी-5 की हवा रही। यहां पर प्रदूषित तत्व पीएम-2.5 व पीएम-10 का स्तर 500 से अधिक रहा। विशेषज्ञों के मुताबिक यहां प्रदूषण का मुख्य कारक यातायात रहा। बताया गया कि सेक्टर-62 मेरठ व दिल्ली एक्सप्रेसवे से सटा हुआ है। इस एक्सप्रेसवे से प्रतिदिन 50 हजार से अधिक वाहन गुजरते हैं, अब दीवाली के चलते वाहनों की संख्या प्रतिदिन एक लाख से अधिक हो गई है। ऐसे में सड़क पर उड़ने वाली धूल व वाहनों से निकलने वाले धुए ने वातावरण को प्रदूषित कर दिया है। इसी तरह से नॉलेज पार्क-5 में भी प्रदूषण का मुख्य कारण यहीं माना गया है। वहीं, दीवाली के बाद क्षेत्र में हवा गुणवत्ता और खतरनाक होगी, जिससे आम लोगों का सांस लेना तक दूभर हो जाएगा। ग्रीन पटाखों के नियमों के बावजूद शहर में जगह जगह प्रदूषण करने वाले पटाखों की बिक्री हो रही है। ऐसे में चिकित्सकों ने बुजुर्गों व बच्चों समेत सांस की बीमारी से जूझ रहे लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। कोई भी इलाका सांस लेने लायक नहीं इन दिनों आसमान में हर वक्त सफेद चादर चढ़ी रहती है। यह स्मॉग है। शहर के किसी भी इलाके की हवा अब साफ नहीं रही है। इसका कारण पंजाब व हरियाणा में पराली जलने की घटना समेत दिल्ली एनसीआर का यातायात बताया जाता है। इस समय नोएडा में करीब सात स्थानों पर प्रदूषण निगरानी बोर्ड लगे हैं। सभी इलाकों में प्रदूषण का औसत स्तर 297 है। वहीं, ग्रेनो के पांच इलाकों का औसत स्तर 314 है। ऐसे में सभी इलाकों में हवा गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है।

छापेमारी में 6425 किलो मिलावटी खाद्य सामग्री सीज की -खाद्य सुरक्षा विभाग ने 9 अक्तूबर से अबतक 5 नवंबर तक 129 नमूने जांच के लिए भेजे गए

एजेंसी

नोएडा। बाजार में चंद मुनाफे के लिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ हो रहा है। इनकी बानगी खाद्य सुरक्षा विभाग के आंकड़े बता रहे हैं। नवरात्र से पांच नवंबर तक चले अभियान के तहत विभागीय टीम ने 6425 मिलावटी खाद्य पदार्थ सीज किए हैं, जबकि 1025 किलो मिठाइयां नष्ट कराई है। इसी के साथ 129 नमूने जांच के लिए भेजे और 35 खाद्य प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी करते हुए 4 प्रतिष्ठान का खाद्य लाइसेंस निलंबित किया है। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि शारदीय नवरात्रि एवं दीपावली पर्व के दृष्टिगत मिलावटखोरी पर नकेल कसने एवं सुरक्षित व शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए 9 अक्तूबर से 5 नवंबर तक जिले में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान खाद्य प्रतिष्ठान, खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण और विक्रय स्थल तथा खाद्य पदार्थों के परिवहन पर विशेष निगरानी करते हुए कार्रवाई की गई। विभागीय टीम ने इस अवधि में कुल 129 खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए संग्रहित कर प्रयोगशाला भेजे हैं। साथ ही मिठाइयों में मच्छर मक्खी होने और आसपास गंदगी मिलने 35 निर्माणशालाओं को सुधार नोटिस जारी किए गए, जबकि चार प्रतिष्ठान के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। यह अभियान अभी भी जारी है जो कि दीवाली के बाद तक चलेगा। खास बात यह है कि कार्रवाई की जद में सिर्फ निर्माणशालाएं ही नहीं आई, बल्कि ऑनलाइन प्लेटफार्म जेप्टो, ब्लिंकिट के स्टोर भी रहे। यहां पर भी लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ होता पाया गया था। 72 लाख की खाद्य सामग्री सीज जांच में प्रथम दृष्टया मिलावटी होने तथा मिथ्याछाप एवं खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के दृष्टिगत लगभग 70 लाख 83 हजार 900 रुपये की कुल 6425 किलोग्राम खाद्य सामग्री सीज की गई। इसके साथ ही मिलावट की आशंका, अस्वच्छ एवं अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में निर्माण, भंडारण, बिक्री एवं परिवहन किए जाने के कारण मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाई गई लगभग 2 लाख 96 हजार 500 रुपये की कुल 1025 किलोग्राम मिठाइयां व अन्य खाद्य सामग्री को नष्ट भी कराया गया हैं। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता के लिए निगरानी एवं प्रवर्तन की कार्रवाई की जा रही है। खाद्य कारोबारियों को कहा गया है कि वे खाद्य सामग्री की खरीद सिर्फ लाइसेंसधारी व पंजीकृत आपूर्तिकताओं से ही करें, खरीद के बिल सुरक्षित रखें तथा खाद्य सामग्री की निर्माण तिथि, बैच नंबर एवं अन्य आवश्यक विवरणों की जांच करने के उपरांत ही उसका भंडारण एवं विक्रय करें।



एलआईसी पॉलिसी पर फर्जीवाड़ा कर 7.62 लाख का लोन लिया

एजेंसी

नोएडा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की पॉलिसी के नाम पर दस्तावेजों में हेराफेरी कर 7.62 लाख रुपये का लोन लेने का मामला सामने आया है। आरोप है कि जालसाज ने पॉलिसी धारक की पहचान का इस्तेमाल कर डुप्लीकेट बॉन्ड हासिल किया और उसके आधार पर लोन की रकम अपने बैंक खाते में मंगा ली। धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ, जब असली पॉलिसी धारक ने मैच्योरिटी की रकम के लिए आवेदन किया। कोर्ट के आदेश पर फेज वन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।एलआईसी के प्रशासनिक अधिकारी अनिल चौहान ने अदालत में दी शिकायत में बताया कि 26 सितंबर 2025 को दिल्ली स्थित शाखा से एक ई-मेल प्राप्त हुआ था। इसमें पॉलिसी धारक गुरप्रीत सिंह लाम्बा ने मैच्योरिटी की रकम जारी करने का अनुरोध किया था। आवेदन के साथ वर्ष 2009 में जारी मूल पॉलिसी बॉन्ड भी संलग्न था। दस्तावेजों की जांच के दौरान पता चला कि इसी पॉलिसी का डुप्लीकेट बॉन्ड 25 मार्च 2022 को जारी कराया गया था। इसी दिन पॉलिसी पर 7 लाख 62 हजार 300 रुपये के लोन का आवेदन भी किया गया था। एलआईसी की ओर से दस्तावेजों के आधार पर लोन की पूरी रकम यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के एक खाते में भेज दी गई थी। मैच्योरिटी भुगतान की प्रक्रिया के दौरान जब पॉलिसी पर पहले से लोन होने की बात सामने आई तो गुरप्रीत सिंह लाम्बा ने इससे साफ इनकार कर दिया। उनका कहना था कि उन्होंने न तो लोन के लिए आवेदन किया था और न ही किसी को इसके लिए दस्तावेज दिए थे। इसके बाद एलआईसी अधिकारियों ने लोन की रकम जिस बैंक खाते में भेजी गई थी, उससे संबंधित दस्तावेजों की जांच कराई। इसमें खाताधारक की फोटो, पता और हस्ताक्षर पॉलिसी धारक के मूल रिकॉर्ड से अलग मिले। इससे किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा फर्जी पहचान और दस्तावेजों के जरिए लोन लेने का संदेह गहरा गया। एलआईसी अधिकारी ने बैंक से भी खाते से जुड़ी जानकारी मांगी, लेकिन कोई विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया। इसके बाद पीड़ित पक्ष ने अदालत का रुख किया। अब पुलिस बैंक खाते और डुप्लीकेट बॉन्ड जारी कराने की प्रक्रिया की जांच कर रही है। पुलिस जल्द ही आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कह रही है।

जिले में 19 स्थानों पर तैनात रहेंगी दमकल की गाड़ियां

एजेंसी

नोएडा। दीपावली के दौरान बाजारों, आवासीय क्षेत्रों और आतिशबाजी स्थलों पर आग लगने की आशंका को देखते हुए अग्निशमन विभाग ने तैयारी की है। जिले में 19 प्रमुख स्थानों पर दमकल की गाड़ियां तैनात की गई हैं। इनकी मदद से आग लगने की सूचना मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव और राहत कार्य शुरू किया जा सकेगा। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि शहर में पुलिस चौकी भंगेल, पुलिस चौकी 12-22, सेक्टर-18 और सेक्टर-49 में फायर टेंडर तैनात किए गए हैं। वहीं ग्रेटर नोएडा में जगत फार्म और दादरी में भी दमकल की गाड़ियों को तैयार रखा गया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में गौड़ सिटी पुलिस चौकी के पास भी फायर टेंडर की तैनाती की गई है। इसके अलावा बहलोलपुर, रबूपुरा, दनकौर और जेवर में भी दमकल की गाड़ियां मौजूद रहेंगी। इन सभी स्थानों को इस तरह चुना गया है, ताकि आसपास के इलाकों में आग लगने की स्थिति में जल्द मदद पहुंचाई जा सके। भीड़भाड़ वाले बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों में आग की घटनाओं पर तत्काल काबू पाने के लिए अतिरिक्त इंतजाम किए गए हैं। अट्टा मार्केट और सेक्टर-62 स्थित एक मॉल में फायर बाइक तैनात रहेगी। नवादा और सेक्टर-66 में दो-दो अग्निशमन कर्मियों को अग्निशमन यंत्रों के साथ लगाया गया है। सफाबांद मार्केट में भी फायर बाइक मौजूद रहेगी। इसी तरह ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क और एच्छर मार्केट में दो-दो दमकलकर्मी अग्निशमन उपकरणों के साथ मुस्तैद रहेंगे। हल्दौनी मोड़ पर भी दो अग्निशमन कर्मियों की तैनाती की गई है। फायर बाइक की मदद से संकरी गलियों और भीड़भाड़ वाले बाजारों में आसानी से पहुंचा जा सकेगा। कई बार बाजारों में वाहनों की अधिक आवाजाही और जाम के कारण बड़ी दमकल गाड़ियों को घटनास्थल तक पहुंचने में परेशानी होती है। ऐसे में फायर बाइक और अग्निशमन उपकरणों से लैस कर्मचारी शुरूआती स्तर पर ही आग पर काबू पाने का प्रयास करेंगे। आतिशबाजी स्थलों पर भी विशेष निगरानी जिले में निर्धारित सभी आतिशबाजी बिक्री स्थलों पर भी एक-एक फायर टेंडर यूनिट तैनात की गई है। इसका उद्देश्य पटाखों की बिक्री के दौरान किसी तरह की आग लगने की घटना को रोकना और आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई करना है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि विभाग की सभी टीमें अलर्ट हैं। सुरक्षा के लिहाज से जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। उधर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। बाजारों, प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिसकर्मियों की सक्रियता बढ़ाई जाएगी। रात के समय गश्त तेज करने के साथ ही वरिष्ठ अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था की लगातार निगरानी करेंगे। पुलिस और अग्निशमन विभाग का प्रयास है कि दीपावली का त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो और किसी भी आपात स्थिति में लोगों को तत्काल मदद मिल सके।

तिघरा में चौपाल कार्यक्रम में कांग्रेस ने वोट बचाओ देश बचाओ अभियान को दी धार

एजेंसी

गुरुग्राम। वोट बचाओ देश बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस की ओर से शुक्रवार को चौपाल अभियान कार्यक्रम गांव तिघरा में किया गया। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर व पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया ने ग्रामीणों को भाजपा की निम्न स्तर की राजनीति और देश में वोट प्रक्रिया पर सवाल खड़े करते हुए चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया। साथ ही भाजपा सरकार द्वारा लोकतंत्र को खतरा बताकर खुद ही सडक पर उतरने की निंदा की और उसे नाटक करार दिया। तिघरा के मौजिज व्यक्ति एवं समाजसेवी अंतराम तंवर की अध्यक्षता में बैठक (चौपाल) यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।



इस चौपाल कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। नेताओं ने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनसे सीधा संवाद किया और वोटर लिस्ट में गड़बड़ी, वोट चोरी और लोकतंत्र को कमजोर करने के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने चौपाल में कहा कि आज देश में वोट की ताकत को कमजोर करने की सबसे बड़ी साजिश चल रही है। वोट ही आम आदमी की सबसे बड़ी ताकत है। जब उसी वोट पर डाका डाला जाएगा तो लोकतंत्र कैसे बचेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले 11 साल में देश को सिर्फ जुमलों, झूठ और प्रचार के सहारे चलाया है। नौकरी नहीं, महंगाई पर लगाम नहीं, किसानों को एमएसपी नहीं, युवाओं को रोजगार नहीं, लेकिन वोट चोरी के नए-नए तरीके जरूर खोज लिए गए हैं। डावर ने कहा कि हरियाणा में भी हमने देखा कि कैसे वोटर लिस्ट से नाम काटे गए, कैसे फर्जी वोटर जोड़े गए और कैसे चुनाव के समय प्रशासन का दुरुपयोग किया गया। गांव-गांव में लोग बता रहे हैं कि उनके परिवार के मृतकों के नाम पर भी वोट डल गए, लेकिन जिंदा लोगों के नाम लिस्ट से गायब हो गए। यह कोई संयोग नहीं है, यह सोची-समझी साजिश है। वोटर लिस्ट से विपक्ष के नेताओं के नाम भी काटे गए हैं। पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया ने चौपाल में कहा कि देश में आज एक अजीब तमाशा चल रहा है। जिस पार्टी की सरकार हो और वह लोकतंत्र बचाने के लिए सडकों पर उतरने का नाटक करे तो यह समझ जाना चाहिए कि उसी पार्टी की सरकार ने लोकतंत्र को ना केवल कमजोर किया है, बल्कि खतरे में डाला है।

बिड़लासॉफ्ट को मिले नए सीईओ व एमडी

नई दिल्ली ।

बिड़ला समूह की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी बिड़लासॉफ्ट ने अपने शीर्ष नेतृत्व में अहम बदलाव की घोषणा की है। कंपनी ने शुक्रवार को अनुभवी माधवन हरिहरन को अपना नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया। हरिहरन 8 दिसंबर से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वह अंगन गुहा का स्थान लेंगे, जो अब विप्रो में अमेरिका-2 रणनीतिक बाजार इकाई का नेतृत्व करने जा रहे हैं। कंपनी के बयान के मुताबिक, माधवन हरिहरन ने पहले बिड़लासॉफ्ट में समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) के रूप में कार्य किया है। इस दौरान उन्होंने रणनीतिक प्राथमिकताएं तय करने और कंपनी के प्रदर्शन में सुधार लाने में अहम भूमिका निभाई थी। बिड़लासॉफ्ट की चेयरपर्सन अमिता बिड़ला ने कहा कि समूह में विभिन्न नेतृत्वकारी भूमिकाओं और कारोबारी बदलाव लाने की उनकी क्षमता उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है।

अगले हफ्ते विदेशी निवेश, कच्चे तेल और महंगाई पर रहेगी निवेशकों की नजर

विदेशी निवेशकों की बंपर खरीदारी और ब्रेंट क्रूड में भारी गिरावट से बाजार में ऐतिहासिक तेजी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में संवत 2082 के आखिरी कारोबारी हफ्ते में जोरदार तेजी देखने को मिली, जहां निफ्टी करीब 8.6 फीसदी चढ़कर 25,030.35 के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में करीब 8.8 फीसदी और बैंक निफ्टी में करीब 8 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। विदेशी निवेशकों की जबरदस्त खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने प्रमुख सूचकांकों को लगातार सातवें सत्र में मजबूती प्रदान की। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की धमाकेदार वापसी हुई, जिन्होंने कुल 45,960 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। यह दस हफ्तों की लगातार बिकवाली के बाद आया एक बड़ा बदलाव है, जो निवेशकों के बदलते रुख का संकेत देता है। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस दौरान 24,197 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। बाजार की इस तेजी को कच्चे तेल की कीमतों में आई बड़ी गिरावट से भी सहारा मिला। ब्रेंट क्रूड 12 फीसदी से ज्यादा गिरकर 97-98 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जिसका मुख्य कारण अमेरिका में सकारात्मक संकेतों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीदें रहीं। कच्चे तेल की यह गिरावट भारत के लिए राहत की बात है, जिससे महंगाई और कंपनियों की लागत पर दबाव कम हो सकता है। तकनीकी रूप से बाजार मजबूत स्थिति में है, निफ्टी अपने सभी महत्वपूर्ण एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज से ऊपर कारोबार कर रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले हफ्ते की तेज बढ़त के बाद बाजार में कुछ समय के लिए उतार-चढ़ाव या मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है।

लाभांश की बहार- अगले हफ्ते 67 कंपनियों के शेयर देंगे लाभांश

9 से 13 नवंबर के बीच निवेशकों को कमाई का मौका

नई दिल्ली ।

अगले हफ्ते शेयर बाजार में निवेशकों के लिए कमाई का एक शानदार अवसर बन रहा है। 9 से 13 नवंबर के बीच कुल 67 कंपनियां अपने शेयरों को पूर्व-लाभांश करने जा रही हैं। इनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर, डाबर इंडिया, ओएनजीसी और ऑरोबिंदो फार्मा जैसी कई दिग्गज कंपनियां शामिल हैं, जो निवेशकों को आकर्षक लाभांश का तोहफा देंगी। इस लाभांश बहार में बायर क्रॉपसाइंस सबसे ज्यादा 90 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देने वाली है। सप्ताह की शुरुआत 9 नवंबर को डाबर इंडिया (3.50 रुपए) सहित कुछ कंपनियों के शेयरों के पूर्व-लाभांश होने के साथ होगी। इसके बाद, 11 नवंबर को ऑरोबिंदो फार्मा (7रुपए) और डॉ. लाल पैथलैब्स (5 रुपए) समेत कुल 19 कंपनियां सूची में शामिल होंगी। 12 नवंबर को हिंदुस्तान यूनिलीवर, बायर क्रॉपसाइंस, गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया और तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम के शेयर भी पूर्व-लाभांश हो जाएंगे। वहीं 13 नवंबर को ग्रेट ईस्टर्न शिपिंगसमेत सबसे अधिक कंपनियां लाभांश बांटेंगी। जानकारों के अनुसार, लाभांश का लाभ उठाने के लिए निवेशकों को पूर्व-लाभांश तिथि से कम से कम एक कारोबारी दिन पहले शेयर खरीदना चाहिए, क्योंकि पूर्व-लाभांश तिथि पर खरीदारी करने वाले निवेशक लाभांश के हकदार नहीं होते हैं। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि केवल लाभांश के लिए निवेश करने के बजाय, कंपनी की आर्थिक स्थिति, शेयर का मूल्यांकन और भविष्य की विकास संभावनाओं का भी आकलन करना महत्वपूर्ण है।

नवंबर की धमाकेदार शुरुआत! शेयर बाजार ने दिखाया दम,निवेशक मालामाल

सेंसेक्स 81,000 और निफ्टी 25,000 के पार, सप्ताहभर में रिकॉर्ड तोड़ उछाल

मुंबई ।

नवंबर 2026 का पहला सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता के बावजूद, घरेलू बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने अभूतपूर्व तेजी दर्ज करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित किए। कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट, अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के परिणाम और विदेशी निवेशकों की मजबूत खरीदारी के दम पर पूरे सप्ताह बाजार में शानदार रौनक देखने को मिली, जिससे निवेशकों का उत्साह चरम पर रहा। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को धमाकेदार रही, जब अमेरिकी-ईरान वार्ता में सफलता की उम्मीदों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मजबूत तिमाही नतीजों ने बाजार को शुरुआती तेजी दी।

सेंसेक्स 1,233 अंक से अधिक चढ़कर 75,692.78 पर और निफ्टी 387.70 अंक की बढ़त के साथ 23,440.80 पर बंद हुआ।

मंगलवार और बुधवार को भी यह तेजी बरकरार रही। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के सकारात्मक परिणामों खासकर डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा ब्लू स्वीप के संकेत तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारी निवेश ने बाजार के माहौल को पूरी तरह बदल दिया। कच्चे तेल की कीमतों में



लगातार नरमी ने भी बाजार को सहारा दिया, जिससे बुधवार को सेंसेक्स 77,219.65 और निफ्टी 23,911.70 पर बंद हुए। गुरुवार को बाजार में रिकॉर्ड-तोड़ उछाल देखने को मिली, जब सेंसेक्स 2,000 से अधिक अंक चढ़कर 79,310.01 पर और निफ्टी 24,536.60 पर बंद हुआ। अमेरिकी चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की हार से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के अनुमानों ने भी बाजार को अतिरिक्त बल दिया। धनतेरस के शुभ अवसर पर शुक्रवार को भी तेजी का सिलसिला जारी रहा और भारतीय शेयर बाजार ने एक नया इतिहास रच दिया।

अब बायोमेट्रिक, वोटर आईडी होगा पहचान का नया आधार

पशुपालन और डेयरी मंत्री ने दिए संकेत

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार अपनी विभिन्न सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों की पहचान और भुगतान के लिए आधार कार्ड की जगह बायोमेट्रिक पहचान और वोटर आईडी (ईं पिक) नंबर का इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है। केंद्रीय पंचायती राज, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) ने इस संबंध में संकेत दिए हैं। हालांकि, सरकार ने अभी तक इस पर कोई अंतिम फैसला या आधिकारिक नियम जारी नहीं किया है। पंचायती राज मंत्रालय की कार्यशाला में मंत्री सिंह ने कहा कि अब भुगतान का आधार केवल आधार कार्ड नहीं रहेगा। उन्होंने आधार बनाने की सुलभ प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए लाभार्थियों की पहचान के लिए अन्य विकल्पों पर विचार की आवश्यकता जताई। उनका कहना था कि आधार कार्ड आसानी से बन जाते हैं, जिससे वास्तविक पहचान सुनिश्चित करने में चुनौती आ सकती है। वर्तमान में पीएम किसान, पीएम आवास योजना और वृद्धावस्था पेंशन जैसी कई सरकारी योजनाओं में पहचान व भुगतान के लिए आधार का उपयोग होता है। मंत्री के बयान के बाद यह सवाल उठ रहे हैं कि नई व्यवस्था किन योजनाओं में और कब लागू होगी। हालांकि, सरकार ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है। इसलिए, जब तक कोई आधिकारिक घोषणा न हो, लाभार्थियों को अपने आधार संबंधी दस्तावेजों में कोई बदलाव करने की जरूरत नहीं है और मौजूदा नियमों के अनुसार ही उन्हें योजनाओं का लाभ मिलता रहेगा।

कार्नेलियन स्मॉलकैप फंड ने जुटाए 632 करोड़

छोटे शहरों के निवेशकों ने दिखाई मजबूत दिलचस्पी

नई दिल्ली ।

कार्नेलियन म्यूचुअल फंड की पहली स्कीम, कार्नेलियन स्मॉलकैप फंड ने अपने न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) के जरिए निवेशकों से 632 करोड़ रुपये का उल्लेखनीय संग्रह किया है। 30 अक्टूबर 2026 को बंद हुए इस एनएफओ को देशभर के निवेशकों से मजबूत प्रतिक्रिया मिली, जिसमें टियर-2 और टियर-3 शहरों से आई 45 फीसदी भागीदारी ने खासा ध्यान आकर्षित किया है, जो लंबी अवधि के निवेश के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। फंड हाउस के अनुसार, इस एनएफओ को कुल 30,562 आवेदन मिले, जिनमें से प्रत्येक का औसत आकार करीब 2.07 लाख रुपये रहा। लगभग 21 फीसदी आवेदन सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के लिए मिले, जो निवेशकों के लंबी अवधि के निवेश रुझान को रेखांकित करता है। इस एनएफओ में देश के सभी राज्यों के निवेशकों ने हिस्सा लिया और इसे 275 शहरों के 1,430 वितरकों का समर्थन मिला।

निवेशकों को यूनिट का आवंटन 5 नवंबर 2026 को किया गया है, जबकि स्कीम में 9 नवंबर 2026 से दोबारा खरीद-बिक्री शुरू हो जाएगी। निवेशकों से मिले अच्छे रिस्पॉन्स पर, फंड हाउस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का आकार बढ़ाने के बजाय निवेश प्रक्रिया की गुणवत्ता बनाए रखने को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि खासकर स्मॉलकैप सेगमेंट में टिकाऊ विकास की क्षमता वाली कंपनियों की पहचान के लिए गहन मूल्यांकन और सही वैल्यूएशन



अहम हैं। इस रणनीति के तहत, स्कीम ने स्मॉलकैप सेगमेंट में निवेश संबंधी लचीलापन बनाए रखने के लिए 5,000 करोड़ रुपये की अधिकतम एयूएम सीमा तय की है। इस सीमा तक पहुंचने के बाद नए एकमुश्त निवेश और दूसरी स्कीमों से स्विच के जरिए आने वाले निवेश बंद हो जाएंगे, जबकि एसआईपी के जरिए निवेश जारी रहेगा। फंड हाउस के संस्थापक और चेयरमैन के अनुसार, भारत में आर्थिक बदलाव के दौर में उभरते कारोबार, नए क्षेत्रों और खास कारोबारी मॉडल वाली कंपनियों में निवेश के बड़े अवसर हैं, जिनमें से कई भविष्य में बाजार की अग्रणी कंपनियां बन सकती हैं। यह ओपन-एंडेड स्कीम अपनी कुल एयूएम का 65 से 100 फीसदी हिस्सा स्मॉलकैप कंपनियों के शेयरों और उनसे जुड़े निवेश विकल्पों में लगाएगी।

एनएसई, ऑगमोंट के ईजीआर खंड में पहले दिन 33 करोड़ से अधिक का कारोबार

निवेशकों को डीमैट के जरिए भौतिक सोना रखने व लेने का विकल्प

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने एकीकृत स्वर्ण मंच ऑगमोंट के साथ मिलकर शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ण रसीद (ईजीआर) में लाइव कारोबार शुरू किया। इस नए वित्तीय उत्पाद को निवेशकों ने शानदार प्रतिक्रिया दी, पहले ही दिन इसमें 33.11 करोड़ रुपए के सफल सौदे हुए। यह भारत में भौतिक सोने को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को कुल 2,27,444 अनुबंधों का कारोबार हुआ, जिनका कुल मूल्य 33.11 करोड़ रुपए रहा। कारोबार के दौरान कीमतें 1,450.50 रुपए से 1,465 रुपए प्रति 100 मिलीग्राम (0.1 ग्राम) के दायरे में व्यवस्थित तरीके से रहीं। प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ण रसीद 100 मिलीग्राम भौतिक सोने के बराबर होती है, जिसे सेबी विनियमित भंडारगृहों में सुरक्षित रखा जाता है। निवेशक अपने डीमैट खातों के



माध्यम से इन रसीदों की खरीद-बिक्री कर सकते हैं। साथ ही, निर्धारित नियमों के तहत उनके पास इन रसीदों के बदले भौतिक सोना प्राप्त करने का विकल्प भी है।

यह खंड टी प्लस1 निपटान चक्र का पालन करता है, जिससे सौदों का निपटान अगले कारोबारी दिन होता है।

बीएसएनएल और वीआईएल के बीच नेटवर्क साझा समझौता

12-13 नए सर्किलों में लागू होगी यह व्यवस्था

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के साथ 12-13 नए दूरसंचार सर्किलों में इंटर-सर्किल रोमिंग (आईसीआर) समझौता करने की योजना बनाई है। एक सरकारी सूत्र ने यह जानकारी दी, जिससे दोनों कंपनियों के ग्राहकों को उन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क का बेहतर सिग्नल मिल पाएगा, जहां उनकी मौजूदा सेवा प्रदाता कंपनी का नेटवर्क कमजोर है। इस समझौते से दोनों कंपनियों को लाभ होगा। सूत्र के अनुसार पहले से ही दो-तीन सर्किलों में यह व्यवस्था लागू है और अब इसे विस्तार दिया जा रहा है। बीएसएनएल अपने 4जी नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके तहत उसे 26,000 नए मोबाइल टावर लगाने की मंजूरी मिली है। वहीं वोडाफोन आइडिया, जिसमें सरकार सबसे बड़ी शेयरधारक है, अपने 45,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय को पूरा करने के लिए कर्ज जुटाने का प्रयास कर रही है। यह समझौता दोनों कंपनियों के नेटवर्क की पहुंच को बढ़ाने में मददगार साबित होगा।

एनबीएफसी के सोने व उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं का कर्ज 50 फीसदी बढ़ा

सोने के आभूषणों पर कर्ज 66 फीसदी से अधिक बढ़कर 3.74 लाख करोड़ पहुंचा

मुंबई ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा सोने के आभूषणों और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए दिए गए कर्ज में सितंबर 2026 में 50 प्रतिशत से अधिक की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है, जो इन क्षेत्रों में मजबूत ऋण वृद्धि का संकेत देती है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2026 में सोने के आभूषणों के बदले दिया गया बकाया कर्ज 66.1 प्रतिशत बढ़कर 3.74 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि एक साल पहले यह 2.25 लाख करोड़ रुपए था। इसी अवधि में, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए एनबीएफसी का कर्ज 54.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 77,896 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष सितंबर में 50,411 करोड़ रुपए था। कुल मिलाकर, सितंबर 2026 में एनबीएफसी का कुल कर्ज 15.4 प्रतिशत बढ़कर 61.69 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 53.46 लाख करोड़ रुपए था। विभिन्न क्षेत्रों में ऋण वृद्धि का मिलाजुला रुझान देखने को मिला। कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए कर्ज में 17.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई, जो पिछले साल 5.2 प्रतिशत थी। हालांकि, उद्योग क्षेत्र की कर्ज वृद्धि दर 10.2 प्रतिशत से घटकर 7.4 प्रतिशत रह गई और सेवा क्षेत्र की वृद्धि भी 23 प्रतिशत से घटकर 17.3 प्रतिशत पर आ गई, जबकि बुनियादी ढांचा क्षेत्र की वृद्धि सुस्त बनी रही।

पश्चिम बंगाल की नई निवेश नीति में उद्योगों को जमीन सीधे खरीदने की छूट

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल सरकार ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए अपनी नई निवेश प्रोत्साहन नीति पेश की है। इसका मुख्य लक्ष्य उद्योगों को जमीन मालिकों से सीधे भूमि खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह कदम राज्य में औद्योगिक भूमि की कमी और पिछले भूमि अधिग्रहण विवादों (जैसे सिंगूर-नंदीग्राम) को देखते हुए उठाया गया है। नई नीति में, 500 एकड़ जमीन सीधे खरीदने वाले उद्योगों को रणनीतिक और मेगा परियोजना का दर्जा आसानी से मिलेगा, जबकि सरकारी आवंटन पर यह सीमा 1000 एकड़ है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सरकार किसानों से जबरन जमीन का अधिग्रहण नहीं करेगी, लेकिन उद्योगपतियों को जमीन की व्यवस्था में अकेला भी नहीं छोड़ेगी। सरकार औद्योगिक भूमि की कमी दूर करने के लिए भूमि पूलिंग (जमीन मालिक स्वेच्छा से जमीन देंगे और विकसित भूखंड वापस मिलेंगे) और अप्रयुक्त औद्योगिक भूखंडों को वापस लेने जैसे वैकल्पिक उपायों पर भी विचार कर रही है। इसके तहत, कंपनियों को आवंटित जमीन पर तीन साल के भीतर उत्पादन शुरू करना अनिवार्य होगा, विफल होने पर आवंटन रद्द हो सकता है। सीधी खरीद के लिए वित्तीय सहायता हेतु हुडको और नाबार्ड जैसे संस्थानों से भी संपर्क किया जाएगा।

दिवाली पर बंपर कारोबार, व्यापारियों को 5 लाख करोड़ का मुनाफा होने की उम्मीद

दिल्ली में 80 हजार करोड़ के व्यापार का अनुमान, ऑटो सेक्टर में 55 फीसदी उछाल

नई दिल्ली ।

इस साल दिवाली का त्योहार देशभर के व्यापारियों के लिए शानदार कारोबार के अवसर लेकर आया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) से संबद्ध चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने अनुमान लगाया है कि इस त्योहारी सीजन में पूरे देश में लगभग 5 लाख करोड़ रुपये का जबरदस्त व्यापार होने की उम्मीद है। यह आंकड़ा व्यापारियों के लिए एक बड़ी राहत और अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है। सीटीआई के एक अे धिकारी ने विभिन्न व्यापारिक संगठनों, होटल, बैंक्वेट, रेस्टोरेंट, मॉल, सिनेमा, कार डीलर्स और टूर एंड ट्रैवल एसोसिएशन्स से बातचीत के आधार पर यह अनुमान जताया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी इस दिवाली सीजन में करीब 80 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है। आंकड़ों के मुताबिक, ऑटोमोबाइल सेक्टर में खुदरा बिक्री में 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें थ्री-व्हीलर में 110 प्रतिशत और निजी वाहनों में 70 प्रतिशत की बंपर बढ़ोतरी हुई है। इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, कपड़े, रेडीमेड गारमेंट्स, मिठाई, ड्राई फ्रूट्स, फर्नीचर और घरेलू सामान जैसे क्षेत्रों में भी जोरदार कारोबार की उम्मीद है। इस बार भारतीय उत्पादों, जैसे मिट्टी के दीये, पूजा सामग्री और हस्तशिल्प को विशेष प्राथमिकता मिल रही है, जिससे स्थानीय कारीगरों और छोटे उद्योगों को बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा। अनुमान है कि दिवाली के दौरान लगभग 5 करोड़ उपहारों का आदान-प्रदान भी होगा। दिल्ली में हाल ही में प्रदर्शनों के कारण व्यापारियों को हुए 14 हजार करोड़ रुपये के नुकसान की भरपाई भी इस बंपर खरीदारी से होने की उम्मीद है। चांदनी चौक, सदर बाजार, करोल बाग और लाजपत नगर जैसे प्रमुख बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है, जिससे त्योहारी उत्साह चरम पर है।

भारती एयरटेल ने जियो को पछाड़ा, बनी देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी

शेयरों में तेजी से एयरटेल का मार्केट कैप बढ़ा, जियो फिसला

मुंबई ।



भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। टेलीकॉम दिग्गज भारती एयरटेल ने जियो प्लेटफॉर्म्स को पीछे छोड़ते हुए देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी का मुकाम हासिल कर लिया है। यह बदलाव एयरटेल के शेयरों में उछाल और जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गिरावट के कारण हुआ। कारोबार के अंत में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बढ़कर लगभग 13.08 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि जियो प्लेटफॉर्म्स 12.94 लाख करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया। शुक्रवार को भारती एयरटेल के शेयर 1.66 फीसदी की बढ़त के साथ 2,096.25 रुपए पर बंद हुए, वहीं जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर 0.90 फीसदी गिरकर 1,405.75 रुपए पर आ गए। यह बदलाव 28 अक्टूबर के बाद हुआ है, जब जियो प्लेटफॉर्म्स ने यह दूसरा स्थान हासिल किया था। रिलायंस इंडस्ट्रीज 17.83 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ अभी भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। शीर्ष पांच में एचडीएफसी बैंक (चौथे) और आईसीआईसीआई बैंक (पांचवें) भी शामिल हैं। भारती एयरटेल की इस उपलब्धि के पीछे उसके मजबूत वित्तीय प्रदर्शन को अहम माना जा रहा है। कंपनी का तिमाही मुनाफा सालाना आधार पर 24 फीसदी बढ़ा है और प्रति ग्राहक औसत राजस्व में भी सुधार दर्ज किया गया है, जिसने उसके शेयरों को मजबूती दी है। जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गिरावट ने उसकी रैंकिंग को प्रभावित किया।

भारत में जल्द लॉन्च होगी होंडा की पहली इलेक्ट्रिक कार अल्फा

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में होंडा कंपनी अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार उतारने की तैयारी कर रही है। इस बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक एसयूवी का वैश्विक पदार्पण 2 दिसंबर को भारत में किया जाएगा। इस कार का नाम होंडा अल्फा होगा। कंपनी की घोषणा के अनुसार, होंडा इस कार का निर्माण राजस्थान के टपूकड़ा स्थित अपने संयंत्र में करेगी, जिससे यह संयंत्र इस मॉडल के लिए एक वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में भी विकसित हो सकता है। होंडा अल्फा को कंपनी के 0 अल्फा कॉन्सेप्ट के आधार पर तैयार किया जा रहा है, जिसे अक्टूबर 2025 में प्रदर्शित किया गया था।

विशेषज्ञों के अनुसार, नई एसयूवी में कॉन्सेप्ट के विशिष्ट डिजाइन को काफी हद तक बरकरार रखा जाएगा, जिसमें एक लगभग सीधा खड़ा पिछला डिजाइन, मोटा सी-पिलर और एक बड़ा पिछला शीशा शामिल होगा। आगे के हिस्से में रोशनी वाला होंडा लोगो और चार्जिंग पोर्ट दिए जाने की संभावना है।

तकनीकी विवरणों का खुलासा अभी नहीं किया गया है, लेकिन जानकारों के अनुसार, इसे लगभग 65 किलोवाट-घंटे से 75 किलोवाट-घंटे की क्षमता वाले दो एलएफपी बैटरी विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। शुरुआत में इसमें एक इलेक्ट्रिक मोटर और आगे के पहियों को शक्ति देने वाली व्यवस्था मिलने की उम्मीद है। केबिन के अंदर एक बड़ी टचस्क्रीन और चालक के लिए एक डिजिटल डिस्प्ले दी जा सकती है। इसमें तीन स्पोक वाला फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील और वातानुकूलन व हवादार सीटों जैसी सुविधाओं को नियंत्रित करने के लिए भौतिक बटन भी मिलेंगे।

प्रदूषण के अंधकार में दीपावली की रोशनी कैसे मनाएं?



सौरभ वार्ष्णेय

इस दीपावली संकल्प लें कि घर-आंगन में दीप जलेंगे, लेकिन किसी की सांसों में धुआं नहीं भरेंगे। क्योंकि असली दीपावली वही है, जिसमें रोशनी भी हो, खुशहाली भी हो और हर किसी के हिस्से में स्वच्छ हवा भी आए।

आस्था, परंपरा और उत्सव के नाम पर क्या हम आने वाली पीढ़ियों की सांसों से समझौता कर सकते हैं? दिल्ली देश की राजधानी ही नहीं, बल्कि राजनीतिक, प्रशासनिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का एक बड़ा केंद्र भी है। यहां देश के कोने-कोने से लोग अपने सपनों को साकार करने आते हैं। दिल्ली-एनसीआर ऐसा क्षेत्र है, जहां हर कोई बेहतर भविष्य, रोजगार और जीवन की संभावनाएं तलाशता है। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस शहर को लोग अपने सपनों का ठिकाना बनाना चाहते हैं, उसी शहर की हवा आज उनकी जिंदगी के लिए खतरा बनती जा रही है। प्रदूषण की मार ऐसी है कि खुले आसमान के नीचे सांस लेना भी किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर प्रदूषण के इस घुटन भरे माहौल में हम दीपावली का पर्व कैसे मनाएं?

दीपावली भारतीय संस्कृति और परंपरा का ऐसा पर्व है, जिसका धार्मिक, आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व सदियों पुराना है। यह अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। मान्यता है कि चौदह वर्ष का वनवास पूरा करने के बाद भगवान श्रीराम जब माता सीता और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे, तब उनके स्वागत में अयोध्यावासियों सहित पूरे अखंड भारत ने घर-घर दीप जलाकर खुशियां मनाई थीं। तभी से दीपावली का पर्व प्रकाश और उल्लास के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना भी की जाती है।लेकिन समय के साथ दीपावली मनाने के तौर-तरीकों में काफी बदलाव आया है। मिट्टी के दीपों, घरों की सजावट, पारिवारिक मेल-मिलाप और पारंपरिक मिठाइयों का स्थान धीरे-धीरे दिखावे और आतिशबाजी की प्रतिस्पर्धा ने ले लिया है। आसमान को रंग-बिरंगी रोशनी से भर देने की होड़ में हम यह भूल जाते हैं कि कुछ घंटों का हमारा मनोरंजन किसी दूसरे के लिए सांसों का संकट बन सकता है। हजारों की संख्या में छोड़े जाने वाले पटाखे वातावरण में जहरीले कण, धुआं और हानिकारक गैसें घोल देते हैं। इसका प्रभाव केवल दीपावली की रात तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पहले से प्रदूषित हवा की स्थिति को और गंभीर बना देता है।

दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस लिहाज से विशेष चिंता का



विषय है। यहां पहले ही वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, कूड़ा जलाने और आसपास के क्षेत्रों में पराली जलाने जैसे अनेक कारणों से वायु प्रदूषण का दबाव बना रहता है। ऐसे में आतिशबाजी इस संकट को और बढ़ाने का काम करती है। इसका सबसे अधिक खामियाजा बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को भुगतना पड़ता है। कई मासूम बच्चे ऐसी हवा में सांस लेने को मजबूर होते हैं, जो उनके स्वस्थ बचपन और बेहतर भविष्य के लिए खतरा बन सकती है। प्रदूषण केवल आंखों में जलन, खांसी या सांस फूलने तक सीमित नहीं है, बल्कि लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने से हृदय और फेफड़ों से जुड़ी गंभीर बीमारियों का जोखिम भी बढ़ता है।

विडंबना यह है कि हम एक ओर मां लक्ष्मी से घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना करते हैं, वहीं दूसरी ओर अपनी ही गतिविधियों से जीवन की सबसे अनमोल संपत्ति यानी स्वच्छ हवा को दूषित कर देते हैं। जिस दीपावली का उद्देश्य जीवन में प्रकाश और सकारात्मकता लाना है, क्या उसे धुएं और जहरीली हवा के बीच मनाना उचित है? क्या कुछ मिनटों की आतिशबाजी उन लोगों की तकलीफ से अधिक महत्वपूर्ण हो सकती है, जिन्हें प्रदूषण के कारण अस्पतालों का रुख करना पड़ता है?

यहां यह समझना भी जरूरी है कि दीपावली पर पटाखे न चलाने की अपील किसी धार्मिक परंपरा या आस्था के विरोध में नहीं है। भारतीय संस्कृति तो प्रकृति को पूजने और उसके संरक्षण का संदेश देती रही है। हमारे पर्व और त्योहार भी प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। ऐसे में पर्यावरण की रक्षा करना हमारी धार्मिक और सामाजिक जिम्मेदारी का ही हिस्सा होना चाहिए। भगवान श्रीराम के आदर्शों में मर्यादा, करुणा, त्याग और लोककल्याण का विशेष स्थान है। उनके आगमन की खुशी में मनाए जाने वाले पर्व पर यदि हम किसी दूसरे के जीवन को संकट में डालें, तो हमें अपनी उत्सव परंपरा के वास्तविक उद्देश्य पर विचार करना चाहिए।

सरकार और न्यायालय समय-समय पर प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाते रहे हैं। पटाखों की बिक्री, उनके इस्तेमाल और ध्वनि प्रदूषण को लेकर दिशा निर्देश भी जारी किए जाते हैं। लेकिन केवल सरकारी आदेशों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। जब तक नागरिक स्वयं अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई अधूरी रहेगी। यह भी जरूरी है कि नियमों का पालन केवल कागजों तक सीमित न रहे। प्रशासन को अवैध पटाखों की बिक्री और प्रतिबंधित आतिशबाजी पर प्रभावी निगरानी रखनी चाहिए। साथ ही पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों के प्रति जागरूकता बढ़ानी होगी।

दीपावली की खुशी मनाने के लिए आतिशबाजी अनिवार्य नहीं है। हम मिट्टी के दीपक जलाकर, घरों को सजाकर, जरूरतमंद परिवारों की मदद करके, बच्चों को मिठाइयां बांटकर और परिवार के साथ समय बिताकर भी इस पर्व को यादगार बना सकते हैं। स्थानीय कुम्हारों से मिट्टी के दीप खरीदना न केवल हमारी परंपरा को जीवित रखेगा, बल्कि उनके रोजगार को भी सहारा देगा। सामूहिक रूप से दीपोत्सव आयोजित करना और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेना इस पर्व को और अधिक सार्थक बना सकता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों के बारे में सोचना होगा। क्या हम अपने बच्चों को ऐसा वातावरण देना चाहते हैं, जहां दीपावली के अगले दिन उन्हें स्वच्छ हवा के बजाय प्रदूषण की चादर मिले? क्या हम चाहते हैं कि त्योहारों की खुशी के बाद अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़े? यदि नहीं, तो बदलाव की शुरुआत हमें स्वयं से करनी होगी।

दीपावली अंधकार को मिटाकर प्रकाश फैलाने का पर्व है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम केवल अपने घरों को ही नहीं, बल्कि अपने विचारों को भी रोशन करें। आतिशबाजी के शोर और धुएं से ऊपर उठकर जीवन, स्वास्थ्य और प्रकृति को प्राथमिकता दें। आखिर त्योहार तभी सार्थक है, जब उसकी खुशियां सभी के हिस्से में आएं।

इस दीपावली संकल्प लें कि घर-आंगन में दीप जलेंगे, लेकिन किसी की सांसों में धुआं नहीं भरेंगे। क्योंकि असली दीपावली वही है, जिसमें रोशनी भी हो, खुशहाली भी हो और हर किसी के हिस्से में स्वच्छ हवा भी आए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

संपादकीय

संस्कृति रोकेगी प्रदूषण

दिवाली से पहले ही दिल्ली का प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंचना गंभीर चिंता का विषय है। कल्पना करना कठिन नहीं है कि दिवाली पर पटाखे छोड़े जाने के बाद क्या स्थिति होगी? कई स्थानों पर एक्यूआई का चार सौ पार कर जाना हमारे स्वास्थ्य की दृष्टि से भयावह संकट ही है। इन हालात पर सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करने के बावजूद कहा है कि पुराने उपाय नाकाफी हैं। हम बचाव की बात तब कर रहे हैं जब एक्यूआई चार सौ पार कर गया है। कोर्ट ने बार-बार कहा कि इस प्रदूषण को कम करने के लिये सांस्कृतिक बदलाव बड़ी भूमिका निभा सकता है। हम जश्न मनाएं लेकिन पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी के साथ। इसके लिये लोगों को जागरूक करने की जरूरत होगी। अदालत में चिंता जतायी गई कि दिवाली के पास वाहनों के बंपर-टू-बंपर चलने, जाम लगने व बढ़ती आवाजाही से प्रदूषण की समस्या सामने आती हैं। उसके मूल में हमारे दिखावे की संस्कृति भी है। ये जो गिफ्ट देने की संस्कृति है, उसे हमने स्टेटस सिंबल बना दिया है। जिससे सड़कों में अप्रत्याशित रूप से वाहनों की आवाजाही होती है। इस प्रवृत्ति को रोकने और सांस्कृतिक बदलाव से ही समस्या का समाधान संभव है। हालांकि, प्रदूषण नियंत्रण के मद्देनजर अदालती आदेश है कि दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरे एनसीआर, जिसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश व राजस्थान के कई जिले शामिल हैं, में सात से आठ नवंबर को सुबह छह से सात और रात को आठ से दस बजे तक ही ग्रीन पटाखे छोड़ने की अनुमति होगी। साथ ही अस्पतालों- स्कूलों के तीन सौ मीटर दायरे में रोक लगाई गई है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हम इतने ईमानदार हैं कि इस अवधि में केवल ग्रीन पटाखे ही चलाएंगे? क्या दुकानदार ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचेंगे? अदालत में बताया गया कि दिल्ली में प्रदूषण की ऐसी हालत है कि हवा में सांस लेना तीस सिगरेट पीने के बराबर है।

दिल्ली में घातक प्रदूषण और दिवाली के मद्देनजर स्वत- संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश वाली बैंच ने जहां गहरे तंज किए हैं, वहीं मार्गदर्शक सलाह भी दी है। बाकायदा सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची व जस्टिस वी.मोहना की पीठ ने कहा कि उम्मीद है कि आप सभी दिल्ली-एनसीआर के मौसम का आनंद ले रहे होंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता अमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने कोर्ट को बताया कि प्रदूषण का स्तर इतना गंभीर है कि हमारी आवाज बैठ रही है। अदालत ने बल दिया कि दिवाली मनाने के साथ-साथ प्रदूषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है। कोर्ट ने स्वीकारा कि सिर्फ पाबंदियां लगाने से समस्या हल नहीं होगी बल्कि इससे नियमों के उल्लंघन के मामले और बढ़ सकते हैं। दिल्ली के लोग बहुत टेलेंटेड हैं, वे नये रास्ते निकाल लेते हैं। सीजेआई ने कहा कि हमें त्योहार की पुरानी परंपराओं और रीति-रिवाजों पर फिर से गौर करने की जरूरत है। त्योहार मनाते समय हमें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का अहसास भी होना चाहिए। वहीं न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की कि यह मुद्दा त्योहारों के व्यवसायीकरण से भी जुड़ा है। दिवाली के संदर्भ में मुख्य न्यायाधीश ने एक संवेदनशील टिप्पणी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को लेकर भी है। उन्होंने चेताया कि इस वर्ग को प्रदूषण फैलाने के लिये जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। यह वर्ग प्रदूषण का सबसे ज्यादा शिकार होता है। इनके लिये दिवाली का त्योहार जीविका की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होता है। खासकर उन लोगों के लिये जिनकी आजीविका इस मौसमी काम व त्योहार पर निर्भर है। बल्कि सड़कों पर बढ़ती वाहनों की आवाजाही से इनका काम-धंधा बुरी तरह प्रभावित होता है। सही मायने में प्रदूषण वे लोग फैलाते हैं, जो इसके घातक प्रभाव के असर का खर्च उठा सकते हैं। एक तरह से अदालत ने दिल्ली को नसीहत दी कि वह अपने प्रदूषण की जिम्मेदारी स्वीकार करे। दिल्ली सरकार भी साल भर चलने वाले संकट के लिये मौसमी प्रदूषण, पराली व पटाखों को वजह बताकर जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। आखिर दिल्ली में आपातकाल जैसी स्थिति क्यों पैदा हुई? खुले में काम करने वालों और संवेदनशील बच्चों को सुरक्षा कौन देगा?

सूक्ति

द्वेष बुद्धि को हम द्वेष से नहीं मिटा सकते, प्रेम की शक्ति ही उसे मिटा सकती है।
- विनोबा भावे

फूल चुन कर एकत्र करने के लिए मत ठहरो। आगे बढ़े चलो, तुम्हारे पथ में फूल निरंतर खिलते रहेंगे।
- रवींद्रनाथ ठाकुर

भारत को पुनः वैभवशाली बनाने हेतु संघ द्वारा प्रयासों में तेजी लाई जा रही है



प्रहलाद सबनानी



आज संघ के विचार को समाज के बीच ले जाने की भी महती अवस्यकता है। इसके लिए स्वयसेवकों को समाज के बीच में जाकर कार्य करने पड़ेंगे। समाज में वैचारिक विमर्श का निर्माण करने की आवस्यकता है। भारत को यदि परम वैभवशाली देश बनाना है तो समाज का मन अनुकूल रखना होगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 101 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। संघ ने अपनी स्थापना की शताब्दी हाल ही में पूर्ण की है एवं संघ अब अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। शताब्दी वर्ष के दौरान संघ एवं समाज द्वारा मिलकर कई बड़े कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों को समाज में अच्छा प्रतिसाद भी मिला। इन विभिन्न कार्यक्रमों में स्वयंसेवकों एवं समाजजनों की बढ़ चढ़ कर भागीदारी रही। संघ की 100 वर्षों की यह एक अभिनव यात्रा है एवं समाज को साथ लेकर चलने की यात्रा है। साथ ही, समाज की सेवा के अथक प्रयासों की भी यह यात्रा है। इन 100 वर्षों में संघ ने क्या पाया, इसका सिहावलोकन एवं मूल्यांकन करना आवश्यक है। 100 वर्ष अपने आप में एक पर्याप्त कालावधि है, जब किसी संगठन के कार्यों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

पिछले 100 वर्षों के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए एक बड़ी उपलब्धि यह रही है कि राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की अभिनव पद्धति के रूप में संघ की शाखा को देश एवं समाज के बीच में मान्यता मिली है। इसे संघ की बहुत बड़ी सफलता के रूप में देखा जा सकता है। शाखा की कार्यपद्धति के माध्यम से ही भारत के लाखों युवाओं में राष्ट्रत्व का भाव जगाया जा सका है एवं स्वयसेवकों का निर्माण कर उनके जीवन में परिवर्तन लाया जा सका है। आज नगरों एवं महानगरों के साथ ही सुदूर ग्रामीण इलाकों में भी संघ की शाखाएं लगाई जा रही हैं एवं इनमें समाज के समस्त घटकों की भागीदारी दिखाई दे रही है। मन में देश भक्ति का भाव लेकर भारत का युवा, स्वयंसेवक बनता है एवं प्रतिदिन शाखा में आकर शाखा की कार्यपद्धति का अनुपालन करते हुए कब उसमें राष्ट्रत्व की भावना जागृत हो जाती है उसे पता ही नहीं चलता है। आज हिंदू स्वयंसेवक संघ के माध्यम से कई अन्य देशों में भी शाखाएं लगाई जा रही है। विश्व में समस्त स्थानों पर लगाई जाने वाली शाखाओं की कार्यपद्धति समरूप है। भारत में आज अत्यंत समर्पित स्वयसेवकों की श्रृंखला खड़ी हो गई है एवं आज कई परिवारों की 5वीं एवं 6वीं पीढ़ी स्वयंसेवक के रूप में कार्य करते हुए दिखाई दे रही हैं। इस प्रकार, केवल स्वयंसेवक ही नहीं बल्कि उनके परिवार के सदस्य भी देश के लिए समर्पण की भावना के साथ संघ से जुड़े हुए हैं।

संघ की कार्यपद्धति में दो श्रेणियों के माध्यम से कार्य सम्पन्न होते हैं। एक, संगठन श्रेणी, जिसके माध्यम से शाखा लगाई जाती है एवं स्वयंसेवक गढ़े जाते हैं। दूसरी, जागरण श्रेणी, जिसके माध्यम से स्वयसेवकों द्वारा समाज के बीच जाकर समाज परिवर्तन के प्रयास किए जाते हैं। समाज को जागृत करने के उद्देश्य से कुछ जागरण पत्रिकाओं का प्रकाशन भी किया जाता है, जिनकी पहुंच आज 3 लाख से अधिक गावों तक है। इसी प्रकार संघ के सम्पर्क विभाग के द्वारा समाज का नेतृत्व करने वाले संभ्रांत नागरिकों से सम्पर्क किया जाता है एवं इन्हें राष्ट्रीय विचारों से अवगत कराया जाता है जिसके चलते ही आज बड़ी मात्रा में समाज की सज्जन शक्ति संघ के साथ जुड़ गई है। संघ द्वारा 6 गतिविधियां भी प्रारम्भ की गई है - सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, समग्र ग्रामविकास, गोसेवा, कुटुंब प्रबोधन एवं धर्मजागरण। इन गतिविधियों के माध्यम से भी समाज को संघ के साथ जोड़ने के प्रयास किए जाते हैं। इस बीच, पंच परिवर्तन (स्व के भाव का जागरण, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन एवं नागरिक कर्तव्य) के प्रयोग भी संघ द्वारा चलाए गए ताकि समाज के आचरण में परिवर्तन लाया जा सके। विभिन्न प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच भी संघ पिछले 100 वर्षों के दौरान निरंतर आगे बढ़ता रहा क्योंकि संघ द्वारा शाखा पद्धति के रूप में एक अभिनव पद्धति का निर्माण एवं प्रयोग किया था। दूसरे, संघ व्यक्ति निरपेक्षता की नीति पर चलता आया है, अर्थात, स्वयसेवकों ने अपने आप को संगठन से सदैव नीचे रखा है। आज संघ की एक व्यापक संगठनात्मक रचना खड़ी हो गई है।

संघ का लक्ष्य अपने संगठन को बड़ा बनाने का नहीं है बल्कि अपने संगठन को समाजव्यापी बनाने का लक्ष्य लेकर संघ आगे बढ़ रहा है। हिंदू समाज बड़ा बने एवं भारत एक बार पुनः परम वैभव की स्थिति पर आ जाए, यही संघ का मुख्य ध्येय है। भारतीय समाज पूर्ण रूप से एक रस हो जाए, इससे भी संघ की स्थापना के उद्देश्य की पूर्ति हो जाती है। संघ ने 100 वर्षों की एक लम्बी यात्रा सफलतापूर्वक तय कर ली है परंतु अभी भी बहुत कुछ कार्य शेष है। इस दृष्टि से आगे आने वाले समय में संघ के स्वयसेवकों के लिए करणीय कार्य क्या हो सकते हैं, इसका वर्णन हाल ही में संघ के माननीय सह सरकार्यवाह श्री अतुल लिमये जी द्वारा प्रदत्त एक उदबोधन में मिलता है। इन करणीय कार्यों को तेजी से सम्पन्न करने की आज आवश्यकता है क्योंकि इस दृष्टि से संघ की प्रतिस्पर्धा आज किसी अन्य संगठन के साथ नहीं बल्कि समय के साथ है।

राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की प्रक्रिया चलाने वाली शाखाओं का विस्तार तेजी से करने की आज आवश्यकता है। आज पूरे देश में लगभग 72.42 प्रतिशत बस्तियों एवं 69 प्रतिशत मंडलों में संघ की शाखाएं एवं साप्ताहिक मिलन चलाए जा रहे है। इसका आशय यह है कि देश में लगभग 30 प्रतिशत बस्तियां एवं 31 प्रतिशत मंडल अभी भी संघ कार्य विहीन हैं। अतः प्रथम लक्ष्य है कि तेज गति से उक्त शेष बस्तियों एवं मंडलों में शखाएं खड़ी हो जाए। राम मंदिर निधि संकलन अभियान के समय लगभग 14 करोड़ परिवारों से सम्पर्क किया गया था, एक परिवार में यदि 5 सदस्य माने जाय तो लगभग 70 करोड़ नागरिकों के साथ उस समय सम्पर्क हुआ था। अतः देश की कुल जनसंख्या के 50 प्रतिशत नागरिकों के साथ केवल 45 दिनों में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सम्पर्क किया गया था। हालांकि इस अभियान में स्वयसेवकों के साथ समाज के अन्य संगठन एवं नागरिक भी जुड़े थे। अतः शेष बस्तियों एवं मंडलों में संघ की शाखा की स्थापना के कार्य को समाजजन के सहयोग से गति दी जा सकती है।

भारत में आज संघ के स्वयंसेवकों के गुणों के चलते उनकी एक अलग पहिचान है। सादगी, मितव्यितता, प्रामाणिकता, अनुशासन, समर्पण का भाव आदि तत्व स्वयसेवकों के गुणों में शामिल हैं। समाज जीवन में संघ की पहिचान संघ के स्वयंसेवक के माध्यम से ही बनती है। मीडिया सहित प्रचार के विभिन्न माध्यमों से संघ के विरोध में बहुत कुछ चलता भी रहता है परंतु समाज में इसका प्रभाव दिखाई नहीं देता है, क्योंकि स्वयंसेवक के गुण कुछ अलग ही कहानी वर्णित करते हैं। शाखा के गुणवत्ता पूर्ण कार्यक्रम स्वयंसेवक में राष्ट्रत्व का जो भाव गढ़ते हैं वह स्वयंसेवक में स्पष्ट रूप से दिखाई भी देता है। इस भाव को आज आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। शाखा विस्तार के साथ साथ स्वयसेवकत्व के उक्त गुणों को भी बनाए रखना आवश्यक है।

आज संघ के विचार को समाज के बीच ले जाने की भी महती अवस्यकता है। इसके लिए स्वयसेवकों को समाज के बीच में जाकर कार्य करने पड़ेंगे। समाज में वैचारिक विमर्श का निर्माण करने की आवस्यकता है। भारत को यदि परम वैभवशाली देश बनाना है तो समाज का मन अनुकूल रखना होगा। देश की अपनी व्यवस्थाओं के प्रति आस्था रखने वाला समाज तैयार करना होगा। नागरिक कर्तव्य के बोध को बढ़ावा देने वाला समाज होना चाहिए। आज भारत में कुछ शक्तियां समाज में छोटे छोटे विभेद को बड़ा करने का प्रयास करती हुई नजर आ रही है। समाज के बीच अनास्था का निर्माण करने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्य को समाज के बीच फैलाने के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया, आदि माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। अतः समाज के बीच राष्ट्रीय विचारधारा से ओतप्रोत विचार प्रसारित करने हेतु अकादमिक जगत के नागरिकों को अपने साथ जोड़ना होगा एवं विमर्श तैयार करना होगा ताकि समाज को राष्ट्रानुकूल बनाया जा सके।

आज समाज का प्रत्यक्ष आचरण बदलने की भी आवश्यकता है। समाज के बीच आपस में विषमता एवं कटुता के कुछ उदाहरण आज भी दिखाई देते हैं। इससे समाज में समरसता प्रभावित होती हुई दिखाई देती है। आचरण बदलने के लिए अपनी एक व्यवस्था खड़ी करने की आवश्यकता है, जिससे समाज को समरस बनाया जा सके। विभिन्न समाजों के बीच कटुता फैलाने के लिए कुछ बाहरी शक्तियां भी सक्रिय बनी हुई हैं। पंच परिवर्तन की प्रक्रिया को बल देकर समाज जीवन का आचरण बदलने के प्रयास किए जा सकते हैं। समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करना होगा। पंच परिवर्तन की प्रक्रिया को स्वयं के आचरण में लाकर ही नागरिकों का स्वभाव भी बदला जा सकता है। इस संदर्भ में कुछ रचनाएं खड़ी करने एवं कार्यपद्धती विकसित करने की आवश्यकता भी होगी। यह सही है कि आज समाज जीवन में कुछ समस्याएँ भी दिखाई देती हैं। जैसे, भ्रष्टाचार, युवाओं में नशे का बढ़ता प्रभाव, कुटुंब विच्छेद,, जमीन के जल स्तर में कमी, रासायनिक खाद का बढ़ता उपयोग, महंगी हो रही शिक्षा, आदि। इन समस्याओं का समाधान कैसे करना है, इस विषय पर भी भी आज विचार करने की आवश्यकता है। इसी प्रकार समाज में आज कुछ चुनौतियां भी मुंह बाये खड़ी है, जैसे मतांतरण, बड़ी मात्रा में जनसंख्या असंतुलन, सीमावर्ति क्षेत्रों में जनसंख्या का परिवर्तन, आदि। हम हिंदू नहीं है इस भाव को भी समाज के बीच फैलाने के प्रयास हो रहे है। विच्छेद निर्माण करने वाले आंदोलन हो रहे हैं एवं समाज के बीच अलगाव को बढ़ावा देने के प्रयास कुछ विदेशी ताकतों द्वारा किए जा रहे हैं। इन चुनौतियों का उत्तर भी देने की आज आवश्यकता है। शासन तो अपना काम कर ही रहा है परंतु समाज को भी इस संदर्भ में आज जगाने की आवश्यकता है। इस महती कार्य में सम्पूर्ण समाज की सहभागिता आवश्यक है। समाज जीवन में वैचारिक विमर्श को लेकर सम्पूर्ण समाज को जोड़ना होगा। इस पुनीत कार्य में समाज की सहभागिता कैसे बढ़ाना इसके लिए गम्भीरता से काम करने की आज आवश्यकता है। देश के लिए कुछ अच्छा करने का भाव समाज के बीच जागृत हुआ है एवं एवं समाज में कुछ नागरिक देश के लिए अच्छा काम करना चाहते हैं। परंतु, इस प्रकार का भाव रखने वाले नागरिकों के बीच समन्वय किस प्रकार स्थापित हो, इसके बारे में आज विचार करने की आवश्यकता है। बहुत से नागरिक देश के हित में बहुत कुछ करना चाहते हैं, उन्हें अलग अलग कामों की रचनाओं के साथ किस प्रकार जोड़ा जाए, इस विषय पर भी विचार करने की आज आवश्यकता है। देश में विभिन्न धार्मिक संगठन, सामाजिक संगठन, सांस्कृतिक संगठन आदि भी भारत को परम वैभव तक ले जाने के उद्देश्य से कार्य कर रहे हैं, इन समस्त संगठनों के बीच समन्वय का कार्य किस प्रकार स्थापित किया जा सकता है, इस संदर्भ में भी कार्य करने की आज आवश्यकता है।

आज सम्पूर्ण समाज को साथ लेने की मनःस्थिति समस्त स्वयसेवकों एवं समाज के जागरूक नागरिकों को बनाने की आवश्यकता है। सम्पूर्ण समाज को साथ लेने की कार्यपद्धती भी विकसित करने की आवश्यकता है। समाज जीवन में परिवर्तन के लिए समस्त समविचारी संगठनों को साथ में आना होगा। हिंदू धर्म एवं हिन्दू समाज की रक्षा करने का दायित्व इन समस्त संगठनों का है। इन संगठनों के बीच तालमेल विकसित करने की आज महती आवश्यकता है।

संक्षिप्त समाचार

बैंकिंग संकट में फंसे पराग्वे के राष्ट्रपति का इस्तीफा, 30 लाख लोगों का पैसा अटका

पराग्वे, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया. देश में बैंकिंग संकट के बाद करीब 30 लाख लोगों की जमा रकम फंस गई थी. इससे नाराज हजारों लोग सड़कों पर उतर आए और राष्ट्रपति के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे. फंसे हुए पैसों में बुजुर्गों और पेंशन पाने वाले लोगों की रकम भी शामिल है. पराग्वे के सेंट्रल बैंक ने दो दिन पहले यूएनो बैंक को अपने कब्जे में ले लिया था. बैंक के पास पैसे की भारी कमी हो गई थी. केंद्रीय बैंक ने कहा कि लोगों की जमा रकम बचाने और देश की बैंकिंग व्यवस्था को सुरक्षित रखने के लिए यह कदम उठाया गया. गुरुवार को हजारों प्रदर्शनकारी संसद के बाहर जमा हुए. वे 'हमारा पैसा वापस करो' के नारे लगा रहे थे. इससे पहले हुए प्रदर्शनों के दौरान पुलिस और लोगों के बीच झड़प हुई थी. पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछार की. 21 साल के छात्र आंद्रेस माल्डोनाडो ने कहा कि उनके परिवार के पास अब पैसे नहीं बचे हैं. उन्होंने राष्ट्रपति को अपराधी बताते हुए कहा कि उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए।

अमेरिका में खसरे से छह मौत, अबतक 1476 मामले

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का पेन्सिलवेनिया राज्य इस समय देश में खसरे के सबसे गंभीर प्रकोप का सामना कर रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बुधवार को राज्य में इस साल खसरे से जुड़ी छठी मौत की पुष्टि की। खसरे की शिकार बनी 21 वर्षीय महिला का टीकाकरण नहीं हुआ था और प्रसव के बाद जटिलताओं के कारण उसकी मौत हो गई। वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमिश समुदाय से ताल्लुक रखने वाली महिला ने घर पर बच्चे को जन्म दिया था। प्रसव के दौरान स्थिति बिगड़ने पर उसे एयरलिफ्ट करके पिट्सबर्ग के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 30 सितंबर को उसकी मृत्यु हो गई। पेन्सिलवेनिया में अप्रैल से अब तक 77 गर्भवती महिलाएं खसरे से संक्रमित पाई गई हैं। गर्भावस्था में खसरा मां और बच्चे दोनों के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है।

पूर्व प्रधानमंत्री हसीना की हुंकार- बांग्लादेश लौटने से कोई नहीं रोक सकता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि वह दिसंबर में अपने वतन लौटेंगी और ऐसा करने से उन्हें कोई रोक नहीं सकता। 2024 के छात्र आंदोलन के बाद वह भारत आई थीं। 2025 में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के मामले में उन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, करीब 1,400 लोग मारे गए। हसीना ने आरोप और फैसला खारिज किया है। बांग्लादेश ने प्रत्यर्पण मांगा, लेकिन भारत ने उन्हें नहीं सौंपा। लौटने पर उनकी गिरफ्तारी हो सकती है।

व्हाइट हाउस में दिवाली मनाएंगे ट्रंप: ओवल ऑफिस में जलाएंगे दीप; किस राष्ट्रपति ने शुरू की थी परंपरा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार को व्हाइट हाउस में दिवाली समारोह में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम ओवल ऑफिस में होगा। इसके साथ ही एक पुरानी परंपरा जारी रहेगी। इस परंपरा की शुरुआत राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने की थी। व्हाइट हाउस में कब शुरू हुई दीप जलाने की परंपरा? पहले दिवाली के कार्यक्रम ज्यादातर आइजनहावर एग्जीक्यूटिव ऑफिस बिल्डिंग में होते थे। इन कार्यक्रमों में भारतीय मूल के अमेरिकी समुदाय के लोग और भारतीय राजनयिक शामिल होते थे। साल 2009 में राष्ट्रपति बराक ओबामा ने व्हाइट हाउस में पहली बार दीप जलाया था।

पश्चिमी तुर्किये में नरसंहार: बंदूकधारी ने अंधाधुंध गोलीबारी में 8 लोगों की हत्या की, हमलावर गिरफ्तार

अंकारा, एजेंसी। पश्चिमी तुर्किये में एक बंदूकधारी ने तीन अलग-अलग स्थानों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस मास शूटिंग के दौरान आठ लोगों की हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। इस हमले में एक अन्य व्यक्ति घायल भी हुआ। अधिकारियों और समाचार रिपोर्टों के अनुसार, हमलावर को बाद में पकड़ लिया गया। अफ्योनकाराहीसर प्रांत में गुरुवार को हुए इस हमले का मकसद तुरंत पता नहीं चल सका है। राज्य समाचार एजेंसी अनादोलु ने बताया कि तीन पीड़ित अयाजिनी गांव में पाए गए, जबकि तीन अन्य पास के कियिर गांव में मारे गए। युकारितंदिर गांव में घायल हुई दो महिलाओं की बाद में अस्पताल में मृत्यु हो गई।

ट्रंप का साथ नहीं छोड़ेंगे रुबियो: विदेश मंत्री बोले- पूरा करूंगा चार साल का कार्यकाल

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को झटके लगने के बाद विदेश मंत्री मार्को रुबियो के प्रशासन छोड़ने की अटकलें लगाई जा रही थीं। अब रुबियो ने इन खबरों को खारिज करते हुए साफ कर दिया है कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पूरे चार साल उनके साथ काम करेंगे। द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में रुबियो ने उन खबरों को गलत बताया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि वह 2028 के राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी के लिए ट्रंप प्रशासन से बाहर हो सकते हैं। रुबियो ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की पूरी अवधि तक उनके लिए काम करना हमेशा से मेरी योजना रही है। उन्होंने आगे कहा, सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि ये बातें कहां से आती हैं।

कई जिम्मेदारियां संभालने पर भी बोले रुबियो : प्रशासन में एक साथ कई अहम जिम्मेदारियां संभालने को लेकर रुबियो ने कहा कि उन्हें अपना काम पसंद है। उन्होंने इस बात पर भी मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी कि उनके पद छोड़ने की खबरें लगातार सामने आती रहती हैं। रुबियो ने कहा, मुझे अपना काम पसंद है। और जब लोग कहते हैं कि वह अपनी नौकरी छोड़ने वाले हैं, तो मुझे हमेशा हंसी आती है। मैं उनसे कहता हूं, 'कौन-सी वाली? दरअसल, रुबियो विदेश मंत्री के साथ-साथ राष्ट्रीय



सुरक्षा सलाहकार की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं।

व्हाइट हाउस ने भी अटकलों को बताया अफवाह : मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को लगे झटकों के बाद पार्टी के भविष्य के नेतृत्व और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के संभावित उम्मीदवारों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इसी बीच रुबियो के प्रशासन छोड़ने की खबरें सामने आई थीं। व्हाइट हाउस और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने इन खबरों को खारिज किया है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता बेनी रे हार्मनी ने इन खबरों को गुमनाम सूत्रों के जरिये फैलाई गई मनगढ़ंत अफवाह बताया। उन्होंने कहा कि रुबियो अब भी ट्रंप और एम ए जी ए आंदोलन के प्रति प्रतिबद्ध हैं। वहीं, विदेश मंत्रालय के सहायक सचिव डायलन जॉनसन ने भी इन खबरों को पूरी तरह बेबुनियाद और फर्जी बताया।

2028 की रेस में रुबियो के नाम की भी चर्चा : इन अटकलों के बावजूद राजनीतिक विश्लेषक रुबियो को 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के संभावित उम्मीदवार के तौर पर देख रहे हैं। खासकर मध्यावधि चुनाव के बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की राजनीतिक स्थिति को लेकर चर्चा के बीच रुबियो का नाम भी सामने आ रहा है। न्यूयॉर्क पोस्ट के हवाले से प्रशासन के कुछ अधिकारियों ने कहा कि रुबियो की शुरुआत से ही योजना ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पूरे चार साल तक पद पर बने रहने की थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए मजाक में कहा कि रुबियो ने तो यहां तक कहा था कि वह छुट्टी भी नहीं लेंगे। रुबियो इस समय व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी विल्स और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

क्यूबा को लेकर भी रुबियो की खास दिलचस्पी : रुबियो के पद पर बने रहने की एक अहम वजह क्यूबा को लेकर उनकी राजनीतिक प्राथमिकता भी है। क्यूबा से आए प्रवासियों के बेटे रुबियो के राजनीतिक करियर में वहां की कम्युनिस्ट सरकार का विरोध प्रमुख मुद्दा रहा है। वह क्यूबा की सरकार के खिलाफ अपनी विदेश नीति से जुड़े लक्ष्यों को पूरा किए बिना पद छोड़ने के इच्छुक नहीं हैं। रिपब्लिकन पार्टी के समर्थक और कारोबारी डैन एबरहार्ट ने चुनावी नतीजों के बाद पार्टी के संभावित उम्मीदवारों की स्थिति में बदलाव की बात कही। उन्होंने कहा, 'मध्यावधि चुनाव ने वेंस की [2028 की संभावनाओं] को बड़ा झटका दिया है और रुबियो का कद तेजी से बढ़ रहा है।' उन्होंने यह भी कहा कि क्यूबा की सरकार के खिलाफ अपना मिशन पूरा किए बिना रुबियो के लिए मियामी लौटना मुश्किल हो सकता है। इससे पहले रुबियो कह चुके हैं कि अगर उपराष्ट्रपति जेडी वेंस 2028 में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करना चाहते हैं तो वह पीछे हट जाएंगे। हालांकि, हालिया चुनावी नतीजों के बाद उनके खुद चुनाव लड़ने की अटकलें तेज हो गई हैं।

2028 के चुनाव पर बोले- अब इस बारे में बात नहीं करूंगा : द न्यूयॉर्क टाइम्स के इंटरव्यू में जब रुबियो से उनके भविष्य की राजनीतिक योजनाओं और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने इस पर चर्चा करने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं अब 2028 के बारे में बिल्कुल बात नहीं करूंगा। मैं ऐसा नहीं करूंगा। मध्यावधि चुनाव के बाद रुबियो अगले शुक्रवार को वाशिंगटन डीसी में फेडरलिस्ट सोसाइटी के नेशनल लॉयर्स कन्वेंशन में अपना पहला बड़ा भाषण देंगे।

चीन बांग्लादेश को 22 हजार करोड़ के फाइटर जेट देगा

ढाका, एजेंसी। चीन अगले साल बांग्लादेश को करीब 22 हजार करोड़ रुपए के जे-सीरीज फाइटर जेट देगा। इन विमानों को उड़ाने की ट्रेनिंग पाकिस्तान की एयरफोर्स देगी। इसके लिए पाकिस्तानी ट्रेनर भारत की सीमा से करीब 40 किलोमीटर दूर बांग्लादेश के जेस्सोर एयरबेस पर पायलट्स को प्रशिक्षण दे सकते हैं। पाकिस्तान की एयरफोर्स 2022 से चीन में बने जे-सीरीज फाइटर जेट उड़ा रही है। चीन के बाद पाकिस्तान के पास इन विमानों का सबसे बड़ा बेड़ा है। इसी वजह से उसके पास इन विमानों को उड़ाने का सबसे ज्यादा अनुभव भी है।

ढाका में जॉइंट एक्सचेंज प्रोग्राम चलाएगा पाकिस्तान : चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की वायुसेना के अफसरों की दिसंबर में ढाका में बैठक भी होगी। ढाका में होने वाले जॉइंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पाकिस्तानी एयरफोर्स बांग्लादेशी पायलट्स को ट्रेनिंग देगी। इसके अलावा रडार से दुश्मन के विमानों की पहचान और उन पर नजर रखने वाले कंट्रोलर्स को भी ट्रेनिंग दी जाएगी। ग्राउंड क्रू के लिए भी अलग कोर्स चलाए जाएंगे। पाकिस्तान के एयर वाइस मार्शल औरंगजेब अहमद के नेतृत्व में पांच सदस्यों की एक टीम ढाका पहुंच चुकी है। इस टीम ने वहां के एयरबेस और दूसरी जरूरी सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही तकनीकी ट्रेनिंग और सिम्युलेटर के लेन-देन की योजना भी तैयार की। बांग्लादेश के रडार से चीन को मदद मिल सकती है चीन की वायुसेना के साथ उसकी तकनीकी टीमें और डेटा लिंक सिस्टम भी काम करते हैं। ऐसे में आशंका है कि भविष्य में एलएसी पर भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ने पर बांग्लादेश के रडार से मिलने वाली जानकारी चीन के सैन्य नेटवर्क तक पहुंच सकती है। चीन की सेना टैक्टिकल डेटा लिंक तकनीक का इस्तेमाल करती है। इसके जरिए फाइटर जेट और जमीन पर मौजूद सैन्य कमान एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। वे रडार से मिली तस्वीरें और दुश्मन के ठिकानों की जानकारी आपस में साझा कर सकते हैं। रक्षा विश्लेषकों के मुताबिक, चीन ने एक्सएस-3 नाम का हाई-बैंडविड्थ ब्रॉडबैंड लिंक भी तैयार किया है। इसका इस्तेमाल लड़ाकू विमानों, बमवर्षक विमानों और ड्रोन को एक नेटवर्क से जोड़ने के लिए किया जाता है। विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेश भी चीन की इस तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर खतरा बढ़ सकता है भारत के लिए इस सैन्य सहयोग से जुड़ी एक बड़ी चिंता सिलीगुड़ी कॉरिडोर है। यह करीब 20 से 22 किलोमीटर चौड़ी पट्टी है, जो पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ती है। इस इलाके पर पहले से चीन का दबाव है। बांग्लादेश के लालमोनिरहाट या कुर्मीटोला जैसे एयरबेस पर लंबी दूरी तक हमला करने वाले फाइटर जेट तैनात होने से यह पूरा इलाका उनकी पहुंच में आ सकता है।

मस्क ने ट्रंप की पार्टी के समर्थन वाले पोस्ट हटाए: प्रचार में किया था ?4400 करोड़ का खर्चा; क्यों उठे सवाल?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को मिली बड़ी हार के बाद दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क एक बार फिर चर्चा में हैं। चुनाव से पहले रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में खुलकर प्रचार करने वाले मस्क को लेकर दावा किया जा रहा है कि उन्होंने अपनी चर्चित सोशल मीडिया पोस्ट 'वोट रेड टुडे!' को डिलीट कर दिया है। खास बात यह है कि मस्क के एआई चैटबॉट ग्रोक ने भी पूछे जाने पर पोस्ट हटाए जाने की बात कही।

चुनावी हार के बाद मस्क की पोस्ट पर क्यों उठे सवाल : चुनाव परिणाम सामने आने के बाद बुधवार सुबह एलन मस्क सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर काफी सक्रिय दिखाई दिए। उन्होंने चुनावी नतीजों और उनके विश्लेषण से जुड़ी कई पोस्ट को रीपोस्ट किया। रात करीब 1 बजे ईस्टर्न टाइम पर उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में लिखा, 'लगता है मेरे चुनाव में दखल देने वाले स्पेस लेजर इस बार काम नहीं आए।' इससे पहले उन्होंने अंतरिक्ष में डेटा सेंटर बनाने को लेकर भी टिप्पणी की थी। बाद में एक यूजर की उस पोस्ट पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी, जिसमें दावा किया गया था कि मतदाताओं ने रिपब्लिकन की नीतियों का समर्थन करने के बावजूद डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों को वोट दिया। मस्क ने जवाब में कैलिफोर्निया के वोटर आईडी प्रस्ताव की हार का जिक्र किया। उनका इशारा उस प्रस्ताव की ओर था, जिसके तहत मतदान के लिए सरकारी फोटो पहचान पत्र या मेल-इन बैलेट के लिए पहचान संबंधी जानकारी देना अनिवार्य किया जाना था। उन्होंने रि पब्लिकन उम्मीदवारों और कंजर्वेटिव संगठनों के समर्थन में कम से कम 458 मिलियन डॉलर खर्च किए। मस्क अमेरिकी आधुनिक राजनीतिक इतिहास के सबसे बड़े व्यक्तिगत राजनीतिक दानदाताओं में शामिल हो गए। उनके खर्च का बड़ा हिस्सा अमेरिका पीएसी नाम के सुपर पीएसी को मिला। इस संगठन ने मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने, जमीनी स्तर पर प्रचार अभियान चलाने और डिजिटल विज्ञापनों के जरिए रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में माहौल बनाने का काम किया।

रूसी ईंधन पर बैन को लेकर ट्रंप ने उठाए सवाल, कहा- कानून को देखूंगा, बदलाव का ऐलान नहीं

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी पेट्रोलियम के आयात पर प्रतिबंध लगाने वाले अमेरिकी कानून पर सवाल उठाए और कहा कि वह इसे देखेंगे, लेकिन रूसी डीजल लेनदेन को लेकर अपने प्रशासन की मंजूरी पर विवाद के बीच उन्होंने नीति में किसी बदलाव का ऐलान नहीं किया। एक रिपोर्टर ने उन्हें बताया कि कांग्रेस ने यह कानून पारित किया था और तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2022 में इस पर हस्ताक्षर किए थे। इस पर ट्रंप ने कहा, 'शायद यही इसे काफी खराब कानून बनाता है। मैं इसे जरूर देखूंगा।' ओवल ऑफिस में मौजूदगी के दौरान, रिपोर्टर ने अटलांटिक के पार रूसी डीजल ले जा रहे एक टैंकर के बारे में पूछा, जो कथित तौर पर अमेरिका जा रहा था और उसके कार्गो को उतारने पर कानूनी प्रतिबंध के बारे में सवाल



किया। ट्रंप ने पहले पूछा कि क्या यह प्रतिबंध जोन्स एक्ट के तहत आता है। रिपोर्टर ने स्पष्ट किया कि सवाल 2022 में बनाए गए कानून से जुड़ा है। उनके जवाब में कोई समय-सीमा, प्रस्तावित संशोधन या यह स्पष्टीकरण नहीं था कि प्रशासन अपनी डीजल मंजूरी को कानूनी आयात प्रतिबंध के साथ कैसे जोड़ेगा। उन्होंने यह ऐलान नहीं किया कि प्रतिबंध हटा दिया गया है। यह अंतर इसलिए अहम है क्योंकि ट्रेजरी ने करीब एक महीने पहले ही एक अलग मंजूरी जारी कर दी थी। 9 अक्टूबर को विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने जनरल लाइसेंस 135 जारी किया। यह रूस से जुड़े दो तरह के प्रतिबंध नियमों के तहत अन्यथा प्रतिबंधित लेनदेन को अधिकृत करता है, जब वे रूसी मूल के डीजल की बिक्री, डिलीवरी, उतराई या आयात से संबंधित हों। इसमें अमेरिका में आयात को स्पष्ट रूप से शामिल किया गया है। यह मंजूरी 7 अप्रैल 2027 तक लागू रहेगी। यह रूस के केंद्रीय बैंक, राष्ट्रीय संपत्ति कोष या वित्त मंत्रालय द्वारा अमेरिकी वित्तीय संस्थानों में रखे गए खातों से डेबिट को बाहर रखता है। यह लाइसेंस डीजल से जुड़ा है और सभी रूसी पेट्रोलियम उत्पादों में व्यापार को सामान्य रूप से फिर से खोलने की घोषणा नहीं करता है। हालांकि, 8 अप्रैल 2022 को हस्ताक्षरित रूसी तेल के आयात को समाप्त करने वाला कानून, अमेरिकी टैरिफ अनुसूची के अध्याय 27 के तहत वर्गीकृत रूसी उत्पादों के आयात पर अलग से प्रतिबंध लगाता है। कानून इस प्रतिबंध को समाप्त करने की प्रक्रिया बताता है। इसके लिए यूक्रेन द्वारा स्वीकृत रूसी वापसी और शत्रुता समाप्त करने के समझौते, नाटो सदस्यों के लिए तत्काल रूसी सैन्य खतरे की अनुपस्थिति और यूक्रेनियों के अपनी सरकार चुनने के अधिकार की मान्यता के बारे में राष्ट्रपति के प्रमाणन की आवश्यकता होती है। इसके लिए कांग्रेस की समितियों से पहले परामर्श की भी आवश्यकता होती है और प्रमाणन के बाद 90 दिनों की अवधि दी जाती है, जिसके बाद समाप्ति प्रभावी होती है, जब तक कि कांग्रेस अस्वीकृति का प्रस्ताव पारित न कर दे।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बस और ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पाकपट्टन के पास एक यात्री बस और ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पाकिस्तान के अखबार 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, 'रेस्क्यू 1122' ने बताया कि ट्रक और यात्री बस की टक्कर में 11 लोगों की जान चली गई। इसमें यह भी बताया गया कि आठ लोगों को मामूली चोटें आईं, जबकि 25 अन्य लोगों को पाकपट्टन के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला प्रशासन की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह हादसा दीपालपुर रोड पर हुआ। उस समय एक यात्री बस मुल्तान से कसूर की ओर जा रही थी, जबकि एक ट्रक विपरीत दिशा से आ रहा था। बस और ट्रक की टक्कर के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। पुलिस को



इसकी सूचना दी गई। वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए क्रेन और अन्य भारी मशीनों का इस्तेमाल किया गया। लगभग तीन घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहा। स्थानीय मीडिया ने रेस्क्यू टीम के हवाले से बताया कि अक्टूबर में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 44,797 सड़क हादसे हुए, जिनमें 464 लोगों की मौत हो गई और 23,543 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से लगभग तीन-चौथाई सड़क हादसों में मोटरसाइकिलें शामिल थीं। ये आंकड़े पंजाब में 'रेस्क्यू 1122' के जिलों के आपातकालीन कामकाज की मासिक समीक्षा के दौरान सामने आए। पाकिस्तान के एक अन्य अखबार 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, विभाग ने बताया कि अक्टूबर के दौरान बचाव टीमों ने 231,056 आपातकालीन मामलों में कार्रवाई की और 233,210 लोगों की जान बचाई। इन घटनाओं में सड़क हादसे, आग लगने के मामले, मेडिकल इमरजेंसी, डूबने की घटनाएं और अन्य बचाव कार्य शामिल थे।

विभाग के अनुसार, अक्टूबर में पंजाब में आग लगने की 1,726 घटनाएं और डूबने की 94 घटनाएं दर्ज की गईं। पंजाब में सड़क हादसों की सबसे अधिक संख्या लाहौर में दर्ज की गई, जहां 7,874 घटनाओं में मोटरसाइकिलें शामिल थीं। मुल्तान में 3,312 मोटरसाइकिलों से जुड़े 2,838 हादसे हुए, जबकि फैसलाबाद में 2,896 मोटरसाइकिलों से जुड़े 2,615 हादसे दर्ज किए गए। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, गुजरांवाला में 2,250 मोटरसाइकिलों से जुड़े 2,092 हादसे दर्ज किए गए। इसके बाद शेखूपुरा का नंबर आता है।

एक प्रदर्शनी से कहीं बड़ा है सीआईआईई : जानिए क्या है चीन का अंतरराष्ट्रीय एक्सपो



बीजिंग, एजेंसी। दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं, अंतरराष्ट्रीय कंपनियों और व्यापारिक संगठनों की नजरें एक बार फिर चीन के शांगहाई शहर पर टिकी हैं। 5 से 10 नवंबर तक यहां नौवें चीन अंतर्राष्ट्रीय आयात एक्सपो (चाइना इंटरनेशनल इंपोर्ट एक्सपो-सीआईआईई) का आयोजन होने जा रहा है।

यह दुनिया का पहला राष्ट्रीय स्तर का ऐसा एक्सपो है, जो विशेष रूप से आयात पर केंद्रित है। वर्ष 2018 में शुरू हुए इस आयोजन का उद्देश्य चीन के विशाल घरेलू बाजार को दुनिया के लिए खोलना, विदेशी उत्पादों के आयात को प्रोत्साहित करना और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। हर साल आयोजित होने वाला सीआईआईई अब वैश्विक कंपनियों के लिए चीन के बाजार में अपनी संभावनाएं तलाशने का एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। इस वर्ष के एक्सपो में 162 देशों, क्षेत्रों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी होगी। 4,142 विदेशी कंपनियां इसमें हिस्सा लेंगी, जबकि प्रदर्शनी का कुल क्षेत्रफल 4.40 लाख वर्ग मीटर से अधिक होगा। 480 से ज्यादा नए उत्पादों, तकनीकों और सेवाओं की पहली प्रस्तुति भी इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहेगी। एक्सपो के बिजनेस एग्जिबिशन को छह प्रमुख क्षेत्रों में बांटा गया है। इनमें तकनीकी उपकरण और बुद्धिमान उद्योग, उपभोक्ता उत्पाद, खाद्य एवं कृषि उत्पाद, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरण एवं स्वास्थ्य उत्पाद और सेवा व्यापार शामिल हैं।

सीआईआईई के दो प्रमुख हिस्से हैं- कंट्री एग्जिबिशन और एंटरप्राइज एंड बिजनेस एग्जिबिशन। जहां कंट्री एग्जिबिशन में विभिन्न देश अपनी आर्थिक उपलब्धियों, निवेश के अवसरों और सांस्कृतिक विशेषताओं को प्रस्तुत करते हैं, वहीं बिजनेस एग्जिबिशन में कंपनियां अपने उत्पादों और तकनीकों के ज़रिए नए कारोबारी साझेदार तलाशती हैं।

आज जब वैश्विक अर्थव्यवस्था भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक प्रतिबंधों, टैरिफ़ और आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों से गुजर रही है, तब सीआईआईई जैसे मंचों का महत्व बढ़ जाता है। यह अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को चीन के बाजार तक पहुंचने, संभावित खरीदारों से जुड़ने और नए व्यापारिक अवसर तलाशने का मौका देता है।

भारतीय-अमेरिकी वकील हरमीत ढिल्लों ने अमेरिकी न्याय विभाग से दिया इस्तीफा, बोलीं- चुनाव से पहले ही लिया था फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय-अमेरिकी वकील हरमीत ढिल्लों ने अमेरिकी न्याय विभाग में नागरिक अधिकार प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने मध्यावधि चुनाव से कई हफ्ते पहले ही छोड़ने का फैसला कर लिया था और व्हाइट हाउस के अनुरोध पर अपनी विदाई को टाल दिया था। अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने गुरुवार को पुष्टि की कि उन्होंने उनके इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है। चंडीगढ़ में जन्मी वकील के जाने पर प्रशासन की ओर से तारीफ हुई, जबकि डेमोक्रेट्स और पूर्व न्याय विभाग कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक समूह ने आलोचना की। हरमीत ढिल्लों ने फॉक्स न्यूज डिजिटल से कहा कि इस्तीफा देने का उनका फैसला मंगलवार के चुनाव से पहले ही लिया गया था। उन्होंने इस सुझाव को खारिज कर दिया कि उन्हें जाने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा, 'मुझे इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा गया। मैंने तीन हफ्ते पहले इस्तीफा दे दिया था, और सूसी ने मुझसे कहा कि कृपया मध्यावधि चुनाव तक इंतजार करें।' वह व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी वाइल्स की बात कर रही थीं। फॉक्स ने बताया कि ढिल्लों ने 5 नवंबर को औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा सौंपा, जो उनके द्वारा प्राप्त पत्र के अनुसार है। उन्होंने फॉक्स न्यूज को बताया कि वह निजी कानूनी प्रैक्टिस में लौटना



चाहती हैं और उन्हें लगता है कि उन्होंने वह काम पूरा कर लिया है, जिसके लिए वह वाशिंगटन आई थीं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने बयान में ढिल्लों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद दिया और नागरिक अधिकार प्रभाग की देखरेख के अपने रिकॉर्ड का बचाव किया। उन्होंने लिखा, 'नागरिक अधिकारों के लिए सहायक अटॉर्नी जनरल के रूप में अपने देश की सेवा करना जीवन भर का सम्मान रहा। हमने अवैध डीईआई के पतन की शुरुआत की, हमने महिलाओं और लड़कियों के खेलों की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी, और भी बहुत कुछ किया।' डीईआई का मतलब विविधता, समानता और समावेशन है। उन्होंने आगे लिखा, 'मैं राष्ट्रपति ट्रंप को यह अवसर देने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं आगे आने वाले समय का इंतजार कर रही हूं।' ब्लैंच ने इस्तीफा स्वीकार करने की घोषणा करते हुए एक अलग पोस्ट में उनके नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने लिखा, 'उन्होंने हर अमेरिकी की नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा की है और बिना किसी डर या पक्षपात के कानून को लागू किया है। विभाग उनकी समर्पित जनसेवा के लिए आभारी है, और हम उनके भविष्य के प्रयासों में हर सफलता की कामना करते हैं।

वहीं, आलोचकों ने उनके कार्यकाल का बिल्कुल अलग आकलन किया। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के अध्यक्ष केन मार्टिन ने ढिल्लों पर अमेरिकियों की रक्षा करने के बजाय ट्रंप के व्यक्तिगत और राजनीतिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए अपने पद का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उनके बयान में इस विदाई को रिपब्लिकन चुनावी हार के राजनीतिक नतीजे के रूप में दिखाया गया। न्याय विभाग के पूर्व कर्मचारियों के समूह जस्टिस कनेक्शन की प्रमुख स्टेसी यंग ने द हिल के अनुसार, ढिल्लों पर प्रभाग के पारंपरिक मिशन को छोड़ने का आरोप लगाया। यंग ने पुलिस सुधार जांच और समझौतों को समाप्त करने और विश्वविद्यालयों और चुनाव अधिकारियों के प्रति प्रभाग के रवैये की आलोचना की। ढिल्लों और ब्लैंच ने उनके काम को कानूनी सुरक्षा लागू करने के रूप में बताया, जबकि आलोचकों ने तर्क दिया कि प्रभाग कमजोर समुदायों की रक्षा से दूर चला गया है।

जानकारी

बादाम बनाए हड्डियां मजबूत और करे सिर दर्द दूर



याददाश्त कमजोर है, तो बादाम इसका अचूक इलाज है। बादाम की 10 गिरी रात को पानी में भिगो कर सुबह छिलका उतार कर बारीक करके 20 ग्राम मक्खन, 10 ग्राम मिसरी मिलाकर एक महीने तक खाएं। दिमाग की कमजोरी दूर हो जाएगी और आपकी याददाश्त अच्छी हो जाएगी। सिर दर्द होता है, तो बादाम का तेल आपको राहत दिला सकता है। इसके लिए नाक में एक बूंद बादाम का तेल डालें, जिसे बादाम रोगन भी कहते हैं। दूसरा उपाय यह भी है कि आप एक कप पानी में पांच बूंद बादाम का तेल मिलाकर पी जाएं।

> बादाम के कुछ दाने आपको कई बीमारियों से दूर रखने में तो खास भूमिका निभाते ही हैं, इसके साथ ही कई समस्याओं में दवा की तरह भी काम आते हैं।

बच्चे को अकसर कुछ-कुछ होता रहता है, तो उसे हृष्ट-पुष्ट व निरोगी बनाने के लिए रोजाना एक से दो बादाम पत्थर पर घिसकर चटाएं। इससे हृदय रोगियों के लिए तो बादाम काफी फायदेमंद साबित होता है। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड अधिक होता है। यह बुरे कोलेस्ट्रॉल को कम करता है व अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। इस वजह से हृदय की नलियों में कम रुकावट होती है और इसके प्रयोग से दिल का दौरा होने की आशंका कम हो जाती है। इसके लिए बादाम की 5-6 गिरी रात में पानी में रख दें और सुबह छिलका उतारकर उन्हें ठीक से चबा-चबा कर खाएं।

बादाम के तेल में विटामिन डी प्रचुर मात्रा में होता है, जो बच्चों की हड्डियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए इस तेल से अपने बच्चे की मालिश करें। अच्छा हो अगर एक चम्मच नारियल तेल में पांच बूंद बादाम का तेल मिलाकर इससे नियमित रूप से बच्चे की मालिश करें। जरूरत महसूस करें तो आयुर्वेद विशेषज्ञ से सलाह ले लें।



'हार्ट अटैक' से पहले के 6 संकेत



हार्ट अटैक या दिल की बीमारियों से पहले आपकी त्वचा पर कुछ संकेत दिखाई देते हैं। इन संकेतों को पहचानकर अगर आप सही समय पर इलाज शुरू कर दें, तो हार्ट अटैक से बच सकते हैं। जानें हार्ट अटैक के पूर्व संकेत या पहले दिखने वाले लक्षण।

क्या आपको पता है कि दुनिया भर में सबसे ज्यादा मौतों का कारण हार्ट अटैक है? आंकड़ों को देखें तो साल 2016 में हार्ट अटैक के कारण 17 करोड़ 65 लाख लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद के सालों में हार्ट अटैक के मामले और भी कई गुना बढ़ गए हैं। क्या आपने सोचा है कि इतनी संख्या में लोग दिल की बीमारियों से क्यों मरते हैं? इसके 2 कारण हैं-

पहला यह कि लोगों आजकल लोगों का खानपान इतना खराब हो गया है कि ज्यादातर लोग कम उम्र में (25-30 साल) हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल बढ़ने और मोटापे जैसे रोगों के शिकार हो जाते हैं। ये सभी रोग हार्ट अटैक के खतरे को काफी बढ़ा देते हैं।

दूसरा कारण यह है कि लोगों को हार्ट अटैक के पूर्व संकेतों के बारे में पता नहीं है, इसलिए वे सही समय पर सावधानी नहीं बरत पाते हैं। आमतौर पर लोग यही मानते हैं कि हार्ट अटैक का संकेत सीने में तेज दर्द होता है। मगर आपको जानकर हैरानी होगी कि हार्ट अटैक आने से कुछ दिनों पहले ही शरीर में कुछ संकेत दिखाई देते हैं, जिन पर हम ध्यान नहीं देते हैं। ये संकेत दिल की सेहत की गड़बड़ी के हो सकते हैं और इसका इशारा यह भी हो सकता है कि जल्द ही आपका दिल काम करना बंद कर सकता है यानी आपको हार्ट अटैक आ सकता है। इन लक्षणों को आपको जान लेना चाहिए, ताकि आप हार्ट अटैक, हार्ट फेल्योर जैसे गंभीर और जानलेवा रोगों से बच सकें।

अचानक शरीर में छोटे-छोटे दाने उभरना

शरीर में अचानक छोटे-छोटे दाने चिकने लाल दाने उभरना इस बात का संकेत हो सकते हैं कि आपका दिल बीमार है। ये दाने शरीर में कोलेस्ट्रॉल के खतरनाक स्तर तक पहुंच जाने पर दिखाई देते हैं। इसलिए ये इस बात का भी संकेत हो सकते हैं कि व्यक्ति को हार्ट अटैक हो सकता है।

आंखों के बगल में पीली-सफेद पपड़ी या वैक्स जैसी त्वचा

दोनों आंखों के बगल में कई बार व्यक्ति को सफेद-पीले रंग की पपड़ी जैसी त्वचा दिखने लगती है। ये इस बात का संकेत है कि आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ रहा है। कुछ लोगों में ये त्वचा जमे हुए मोम जैसी नजर आती है। आंखों के अलावा ऐसी पपड़ी आपकी हथेलियों और पैरों के पीछे भी दिखाई दे सकते हैं। अगर आप इस संकेत के बाद भी कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल नहीं करते हैं, तो आपको हार्ट अटैक का खतरा हो सकता है।

त्वचा पर नीले या बैंगनी निशान दिखना

अगर आपको शरीर के किसी हिस्से में त्वचा नीली या बैंगनी रंग की दिखे, तो सावधान हो जाएं, क्योंकि ये आपके अस्वस्थ दिल का संकेत है। ये लक्षण ज्यादातर पैरों और तलवों में नजर आते हैं। त्वचा पर नीले या बैंगनी निशान का मतलब है कि आपके शरीर में कहीं खून जम गया है या आपके उस अंग को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही है। धमनियों में खून जमा हो जाने के कारण धमनियां ब्लॉक हो जाती हैं, जो हार्ट अटैक का कारण बन सकता है।

उंगली के पोरों में सूजन और नाखून नीचे की तरफ उगना

अगर आपके उंगली के अगले हिस्से में सूजन आ जाए और नाखून नीचे की तरफ झुकने लगें, तो ये भी हार्ट अटैक का पूर्व संकेत हो सकता है। दरअसल नाखूनों में उंगली में ये लक्षण तब दिखाई देते हैं, जब व्यक्ति को हार्ट इंफेक्शन हो या दिल की कोई दूसरी बीमारी हो। कई बार फेफड़ों की समस्या में भी ऐसे लक्षण दिख सकते हैं। मगर ये सभी बीमारियां हार्ट अटैक का कारण बन सकती हैं।

नाखूनों के नीचे नीले या बैंगनी निशान

अगर आपको अचानक अपने नाखूनों के नीचे नीले या बैंगनी रंग के निशान दिखाई देने लगें, तो सावधान हो जाएं। नाखूनों में नजर आने वाले ऐसे निशान दिल की बीमारी का संकेत हो सकते हैं। हालांकि ऐसे निशान चोट के कारण भी दिख सकते हैं, मगर यदि आपको किसी ऐसी चोट के बारे में याद नहीं है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

हाथ-पैर की उंगलियों में छोटे उभार जिसमें दर्द हो

अगर आपको अपने हाथ-पैर की उंगलियों में पिछले कुछ दिनों से किसी छोटी सी गोली जैसी सूजन नजर आ रही है और इनमें दर्द हो रहा है, तो ये भी दिल की बीमारी का संकेत हो सकता है। आमतौर पर ऐसे उभार तभी आते हैं जब आपको हार्ट इंफेक्शन हो, जिसे इंफेक्टिव एंडोकार्डाइटिस भी कहते हैं। ये उभार कुछ घंटों या कुछ दिनों में अपने आप ठीक हो जाते हैं। मगर इनके दिखने पर आपको सावधान हो जाना चाहिए और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

सुझाव

मशरूम का उपयोग करे याद्दाश्त ठीक



पौष्टिक तत्वों और अनोखे स्वाद की वजह से मशरूम का भोजन में खूब इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी बैक्टीरियल और एंटी वायरल तत्वों से भरपूर औषधीय गुण भी पाए जाते हैं। मशरूम को सुपरफूड माना गया है, क्योंकि इससे न केवल पोषक तत्व मिलते हैं, बल्कि यह कई बीमारियों से हमारा बचाव भी करता है। एंटीऑक्सिडेंट, एंटी बैक्टीरियल और एंटी वायरल तत्वों से भरपूर मशरूम के फायदों के बारे में जानना जरूरी है।

इम्यूनिटी बढ़ाए

मशरूम में मौजूद सेलेनियम, पेनिसिलिन जैसे एंटीबायोटिक तत्व शरीर में माइक्रोबियल विकास और फंगल संक्रमण को बाधित करने में सहायक हैं और प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मददगार हैं।

कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोके

मशरूम में मौजूद फोलेट्स कैंसर सेल्स बनने से रोकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल से बचाते हैं, जो कैंसर का कारण बनते हैं। फोलेट्स डीएनए को बनाने और रिपेयर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मशरूम में पाया जाने वाला सेलेनियम तत्व लिवर को सुचारू रूप से काम करने में मदद करता है। यह शरीर को डीटॉक्सीफाई करने में मदद करता है, जिससे कई बीमारियों से बचाव होता है।

दिल को रखे दुरुस्त

मशरूम में मौजूद फाइबर, पोटैशियम, विटामिन सी और सेलेनियम जैसे एंटीऑक्सिडेंट तत्व हमारे दिल की सेहत को प्रोत्साहित करते हैं। एंटीऑक्सिडेंट्स दिल को फ्री रेडिकल से बचाते हैं। शरीर में बुरे कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) और अच्छे कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) के बीच संतुलन कायम रखने में भी मदद करते हैं।

ब्लड प्रेशर को करे नियमित

पोटैशियम और सोडियम से भरपूर मशरूम का नियमित सेवन ब्लड प्रेशर को नियमित करने में मदद करता है। यह शरीर में सामान्य तरल पदार्थों के बीच संतुलन कायम रखता है।

ऑस्टियोपोरोसिस में दे आराम

धूप में रखा फ्रेश मशरूम विटामिन डी का अच्छा स्रोत होता है। मशरूम में मौजूद विटामिन डी, कैल्शियम और फॉस्फोरस हड्डियों के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और जोड़ों के दर्द, हड्डियों में घनत्व कम होने या हड्डियों के टूटने की आशंका को कम करते हैं।

टाइप 2 डायबिटीज में फायदेमंद

फाइबर से भरपूर, लेकिन कम शर्करा वाले मशरूम का सेवन डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद है। लिवर, अग्नाशय और अंत:स्रावी ग्रंथियों के समुचित क्रियान्वयन में यह मदद करता है।

याददाश्त करे दुरुस्त

इसमें मौजूद कोलीन तत्व मस्तिष्क में रक्त और ऑक्सीजन के प्रवाह को बनाए रखता है। इससे याददाश्त और लर्निंग पावर में सुधार होता है। कोलीन मेमरी के सेल मेम्ब्रेन की संरचना को मेंटेन रखता है।

इन बातों का ध्यान में रखकर एक स्वस्थ व्यक्ति नियमित रूप से 100 ग्राम मशरूम का सेवन आसानी से कर सकता है। मशरूम खरीदते समय ध्यान रखना चाहिए कि वे ताजे और सूखे हों। चिपचिपे या मुरझाए मशरूम बासी होते हैं। घर लाने के बाद इन्हें फ्रिज में एयरटाइट बॉक्स में रखें। जब इन्हें बनाना हो, तभी धोएं और काटें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

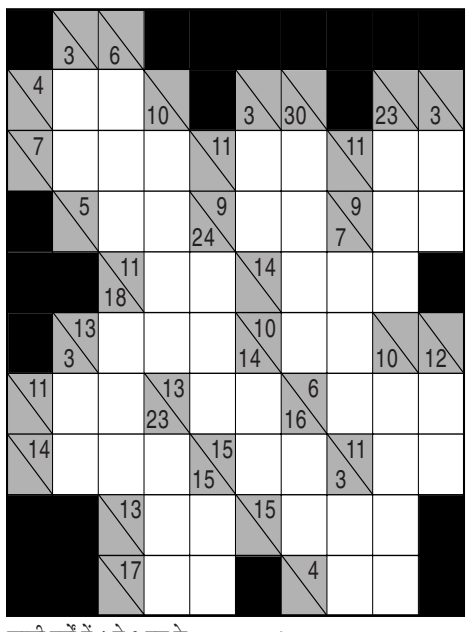
कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

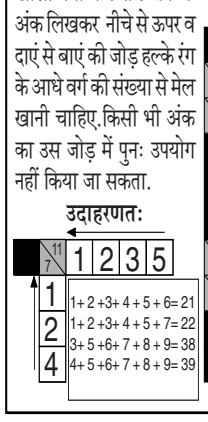
शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2632

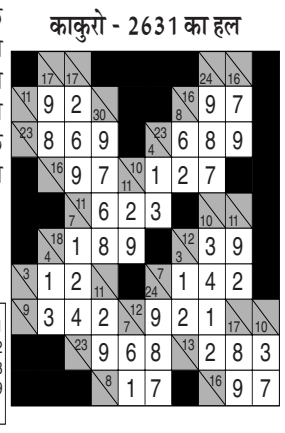


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 2631 का हल



हंसी के फव्वारें

एक महिला दूसरी महिला से बोली-'मेरे पति की याददाश्त बहुत कमजोर है.'

'वह कैसे ?'

'एक बार मैं चाट खाने गई तो देखा कि पतिदेव वहां पहले से ही जमे हुए हैं. मैंने जब उनका ध्यान अपनी ओर दिलाया तो बोले-'बहन जी! आपको पहले भी कहीं देखा है. पर कहां, यह ठीक से याद नहीं पड़ रहा.'

'बस ?' दूसरी महिला हंसती हुई बोली-'मेरे पति की याददाश्त तुम्हारे पति से भी ज्यादा कमजोर है.'

'तुम भी सुनाओ !'

'एक बार मैं उनके साथ फिल्म देखने गई. फिल्म देखने के बाद वे मुझे एक ओर खड़ा करके स्कूटर लेने चले गये. जब उन्हें गये काफी देर हो गई तो मैं अकेली ही घर पहुंच गई. मेरे दरवाजा खटखटाने पर दरवाजा उन्होंने खोला तो जानती हो बहन उन्होंने क्या पूछा ?'

'क्या पूछा ?'

'यही कि इतनी रात गये मैं कहां से आ रही हूँ.'

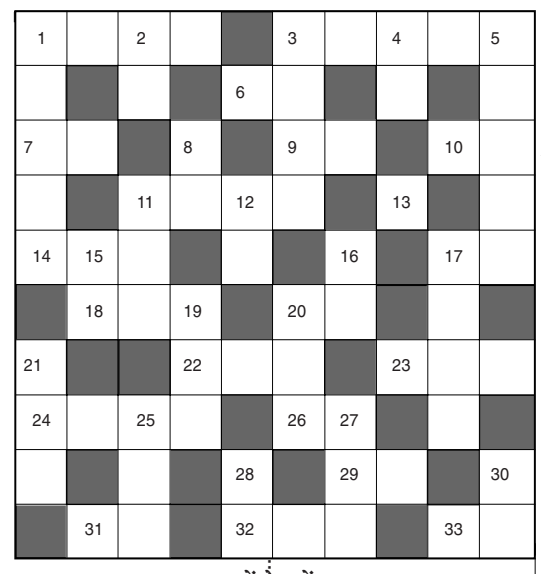
□ □ □

एक दोस्त ने दूसरे से कहा-'यार! यह सुरेश भी साला अजीब इन्सान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.'

'क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?' मित्र ने पूछा.

'नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूँ, वह एक ही जवाब देता है-'मेरे पास पैसे नहीं हैं'.'

फिल्म वर्ग पहेली - 2632



बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन-मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमुता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुम्बा तुम्बा तक तक तुम्बा' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन ?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2631

बं	दि	नी		पु		गैं	ब	ल	र
ध		ल	ल	का	र		हा		वी
न	सी	म		र		प	र	वा	ना
	मा		श		सु	र		सु	
आ		आ	शि	क		दे	वी		ह
ह	मे	श		ह	व	स		स	त्या
	ला		आ	र	जू		खे	ल	
बे		ला	वा		द	स		मा	या
खु			रा	जू		फ	र्ज		रा
दी	वा	ने		ली	ड	र		टी	ना

सूडोकु -2632

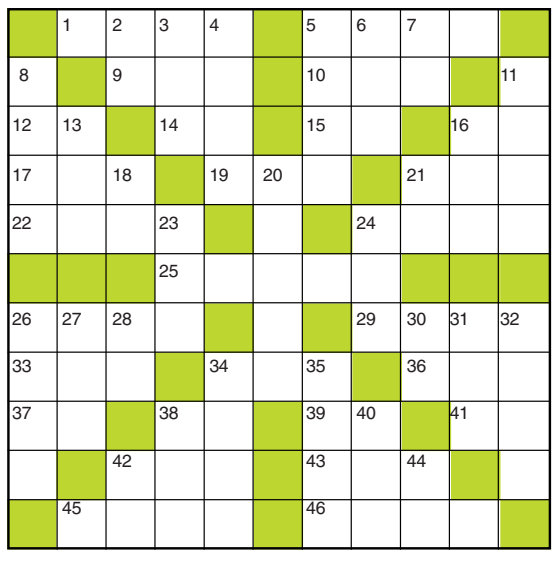
		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2631 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 2632



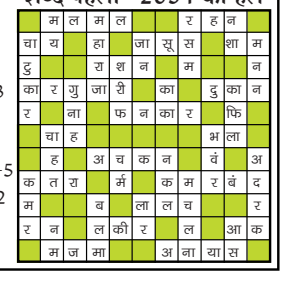
बाएँ से दाएँ

1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली -2631 का हल



कोटड़ी श्याम मंदिर में प्रज्वलित हुआ 11 फीट चौड़ा अखंड दीप

● 2100 ईंटों से किया गया तैयार

भीलवाड़ा, एजेंसी। मेवाड़ के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कोटड़ी श्याम मंदिर में धनतेरस के मौके पर विशाल अखंड दीप प्रज्वलित किया गया। करीब सवा 11 फीट चौड़े विशाल दीपक को 2100 ईंटों, मिट्टी और गोबर से पारंपरिक तरीके से तैयार किया गया है। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद दीपक जलाया गया। इस अनूठे दीप को देखने के लिए मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मंदिर से जुड़े लोगों के अनुसार, विशाल दीपक का निर्माण पारंपरिक पद्धति से किया जाता है। इसमें करीब 2100 ईंटों के साथ मिट्टी और गोबर का इस्तेमाल किया गया। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद विशेष पूजा की गई और वैदिक मंत्रों के बीच अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। दीपक के जलते ही मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बन गया। कोटड़ी श्याम मंदिर में धनतेरस पर विशाल अखंड दीप जलाने की परंपरा वर्ष 2018 से शुरू हुई थी। इसके बाद से हर साल धनतेरस के मौके पर विशेष रूप से विशाल दीपक का निर्माण किया जाता है और दीपक को विधिवत प्रज्वलित किया जाता है। श्रद्धालु इस परंपरा को धार्मिक आस्था, समृद्धि और मंगलकामना का प्रतीक मानते हैं। धनतेरस के अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना भी आयोजित की गई। विशाल दीपक के दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। मंदिर परिसर में दिनभर धार्मिक गतिविधियां चलती रहीं और दीपोत्सव का उल्लास छाया रहा।

मनेर एनकाउंटर पर तेजस्वी का हमला, अपनी जान की जिम्मेदार जनता खुद होगी

● हर जगह बोर्ड लगवा दें सीएम सम्राट

पटना, एजेंसी। बिहार के पटना जिले के मनेर में पुलिस के साथ कथित मुठभेड़ में 3 लोगों की मौत के बाद प्रदेश की राजनीति का पारा चढ़ा हुआ है। विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने घटना को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और बिहार पुलिस पर तीखा हमला बोला है। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाकर बीजेपी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, स्थानीय ग्रामीण भी मुठभेड़ को फर्जी बताकर निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। तेजस्वी ने पोस्ट कर सम्राट सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा, अपनी जान की जिम्मेदार जनता खुद होगी, मुख्यमंत्री लगवा दें हर जगह बोर्ड। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में पुलिस आम लोगों के घरों में घुसकर गोली चला रही है, जबकि दूसरी ओर अपराधी पुलिस पर हमले कर रहे हैं। राजद नेता ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधकर कहा कि उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रदेश में भयावह स्थिति पैदा हो गई है। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि जब सरकार, पुलिस और अपराधियों की भूमिका को लेकर सवाल उठते हैं, तब ध्यान भटकाने के लिए किसी विशेष जाति के लोगों का एनकाउंटर होता है। इस मामले में राजद नेता रोहिणी आचार्य ने भी बिहार सरकार और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। रोहिणी आचार्य राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की पुत्री हैं और पिछले लोकसभा चुनाव में सारण सीट से चुनाव लड़ चुकी हैं। इससे पहले सांसद मीसा भारती और राजद विधायक भाई वीरेंद्र सहित पार्टी के कई अन्य नेताओं ने भी मनेर मुठभेड़ को लेकर पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए थे।

सपा पार्षद समेत परिवार पर मामला दर्ज, महिला को जान से मारने की धमकी देने का आरोप

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में सपा पार्षद भैयालाल यादव और उनके परिवार के पांच लोगों पर एक महिला ने मामला दर्ज कराया है। महिला का आरोप है कि पहले दर्ज केस में पैरवी करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। महिला ने पार्षद की पत्नी, दोनों बेटों और साले को भी आरोपी बनाया है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का सऊदी अरब दौरा: अल-रहमा मस्जिद का भ्रमण

हज 2027 की तैयारियों पर मंथन

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू वर्तमान में सऊदी अरब के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने जेद्दा स्थित प्रसिद्ध अल-रहमा मस्जिद का दौरा किया, इस फ्लोटिंग मस्जिद के नाम से भी जाना जाता है। यह दौरा उनके छठे हज सम्मेलन और प्रदर्शनी 2027 में हिस्सा लेने और सऊदी अरब के साथ द्विपक्षीय हज समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए हुआ है, जिसका मुख्य उद्देश्य भारतीय हज यात्रियों के लिए आगामी यात्रा को सुगम बनाना है। अपनी यात्रा की झलक साझा कर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने बताया कि लाल सागर के तट पर स्थित यह मस्जिद आध्यात्मिक महत्व और वास्तुकला की सुंदरता का एक अद्भुत संगम है, जो सऊदी अरब की समृद्ध इस्लामी विरासत को दिखाता है।



केंद्रीय मंत्री रिजिजू शुक्रवार को ही छठे हज सम्मेलन और प्रदर्शनी 2027 में शामिल होने जेद्दा पहुंचे थे। जेद्दा में भारतीय महावाणिज्य दूत फहद सूरी ने हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने सम्मेलन में भागीदारी और द्विपक्षीय हज समझौते पर हस्ताक्षर की बात कही। उन्होंने कहा कि उनकी बातचीत का मुख्य उद्देश्य सभी भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए एक सुगम, सुरक्षित और आरामदायक हज यात्रा सुनिश्चित करना है। गौरतलब है कि पिछले महीने, हज 2027 की तैयारियों को लेकर भारतीय राजदूत विपुल और सऊदी अरब के हज और उमराह उप-मंत्री अब्दुलफत्ताह बिन सुलेमान अल-मशात के बीच बैठक हुई थी। इसकी जानकारी जेद्दा में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने दी थी, जिसमें बताया गया था कि राजदूत ने महावाणिज्य दूत सूरी और कॉन्सुल (हज) सदफ चौधरी के साथ मिलकर उप-मंत्री से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने हज 2027 की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की और आगामी हज के लिए भारतीय हज मिशन तथा सऊदी मंत्रालय के बीच निरंतर और करीबी समन्वय पर चर्चा की।

महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि तैयारियों के एक हिस्से के रूप में, राजदूत ने महावाणिज्य दूत और कॉन्सुल (हज) के साथ मिलकर जेद्दा हवाई अड्डे के हज टर्मिनल और हरमैन हाई-स्पीड रेलवे स्टेशन का भी दौरा किया। हज कमेटी ऑफ इंडिया के रास्ते यात्रा करने वाले एक लाख से अधिक भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए ये केंद्र आगमन और आगे की यात्रा के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। दौरे के दौरान, राजदूत ने दोनों जगहों पर सुविधाओं, बुनियादी ढांचे और परिचालन व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आगामी हज की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों से बातचीत की।

ज्ञानेश कुमार पर तुषार गांधी का तंज... चुनाव आयोग का बेहद उदार संदेश

नई दिल्ली , एजेंसी। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के परपौते और सामाजिक कार्यकर्ता तुषार गांधी ने चुनाव आयोग की नई गाइडलाइंस पर तीखी प्रतिक्रिया देकर मुख्य चुनाव आयुक्त पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से नाम काटने की कथित गलतियों को सुधारने से पहले ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया होनी चाहिए और उन्हें अपनी गलतियों के लिए माफी मांगनी चाहिए। तुषार गांधी ने चुनाव आयोग के उस फैसले पर तंज कसा, जिसमें मतदाता सूची के ड्राफ्ट से बाहर किए गए लोगों को फिर अपना नाम जुड़वाने का मौका दिया गया है। उन्होंने इस फैसले को चुनाव आयोग का बेहद उदार संदेश बताया। साथ ही कहा कि यदि आयोग वास्तव में अपनी गलतियों को सुधारना चाहता है और उसकी मंशा साफ है, तब सबसे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग चलाया जाना चाहिए। तुषार गांधी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने जानबूझकर मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम हटाए। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार को पहले अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगनी चाहिए और उसके बाद मतदाता सूची में सुधार की प्रक्रिया आगे बढ़नी चाहिए। इसके बाद ही आयोग और उसके फैसलों को माफ करने की बात की जा सकती है। दरअसल, चुनाव आयोग ने एसआईआर के तीसरे चरण के तहत सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची से बाहर हुए लोगों को अपना नाम फिर शामिल कराने का मौका दिया है। नई गाइडलाइंस के अनुसार जिन मतदाताओं के नाम अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या डुप्लीकेट प्रविष्टि के आधार पर हटाए गए हैं, वे अपनी पात्रता साबित करने के लिए निर्धारित फॉर्म जमा कर सकते हैं।

जंतर-मंतर एट कोच्चि प्रदर्शन में बोले अभिजीत दिपके

● ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लड़ाई नहीं रुकेगी

कोच्चि, एजेंसी। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके शनिवार को पार्टी के 'जंतर-मंतर एट कोच्चि' प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कोच्चि पहुंचे। कोच्चि एयरपोर्ट पहुंचने के बाद उन्होंने कहा कि यह लोगों का प्रदर्शन है और वह आयोजकों और अभिनेता प्रकाश राज के बुलावे पर यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उनकी लड़ाई तब तक जारी रहेगी, जब तक भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था नहीं बन जाती। अभिजीत दिपके ने दावा किया कि 13 करोड़ से ज्यादा वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जब 13 करोड़ से ज्यादा वोटरों के नाम हटा दिए जाएं, जो कुल रजिस्टर्ड वोटरों का करीब 13-14 फीसदी है, तो ऐसे में चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष कैसे माना जा सकता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पूरे देश में वोटरों के नाम हटाए जा रहे हैं और ऐसा कोई राज्य नहीं है, जहां वोटरों के नाम नहीं हटाए जा रहे हों। दरअसल, सीजेपी ने शनिवार को अपने 'जंतर-मंतर एट कोच्चि' अभियान के तहत मरीन ड्राइव पर विरोध रैली निकाली। आयोजकों के मुताबिक, इसमें करीब 500 कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। रैली में मतदाता सूची के एसआईआर को वापस लेने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की गई। अभिनेता प्रकाश राज के नेतृत्व में निकली इस रैली में डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया की राज्य अध्यक्ष चिंथा जेरोम भी शामिल हुईं। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर सीईसी के खिलाफ नारे लगाए। रैली राजेंद्र मैदान में जाकर खत्म होगी, जहां अभिजीत दिपके प्रदर्शनकारियों को संबोधित करेंगे। रैली को देखते हुए पुलिस ने रास्ते में जवानों को तैनात किया है। पुलिस का मकसद ट्रैफिक को नियंत्रित करना और सडक़ पर जाम जैसी स्थिति को रोकना है।



थलपति सरकार का बड़ा फैसला, 2000 करोड़ की वेट्री लैपटॉप योजना को मंजूरी

चेन्नई , एजेंसी । तमिलनाडु की थलपति विजय सरकार ने राज्य के कॉलेज छात्रों को डिजिटल शिक्षा और तकनीकी कौशल से जोड़ने के लिए बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री विजय ने 2,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली 'वेट्री लैपटॉप योजना' को लागू करने की मंजूरी दे दी है। इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से लैस करना, उनकी शैक्षणिक क्षमता बढ़ाना और रोजगार के बेहतर मौकों के लिए तैयार करना है।

यह योजना वर्ष 2026-27 के बजट में घोषित की गई थी। मुख्यमंत्री विजय ने अब इसके क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक मंजूरी, विस्तृत दिशा-निर्देश और आवश्यक वित्तीय आवंटन जारी करने के आदेश दिए हैं। थलापति सरकार का मानना है कि डिजिटल युग में लैपटॉप उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपकरण बन चुके हैं। इनके माध्यम से छात्र ऑनलाइन पढ़ाई, तकनीकी प्रशिक्षण, कौशल विकास और रोजगार से जुड़ी जानकारी हासिल कर सकते है। योजना के तहत सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों में शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के दौरान प्रथम और द्वितीय वर्ष में पढ़ने वाले स्नातक और डिप्लोमा के विद्यार्थियों को लैपटॉप दिए जाएंगे। इसमें कला एवं विज्ञान, इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), चिकित्सा, पशु चिकित्सा, मत्स्य पालन, कृषि और कानून जैसे विषयों के छात्र शामिल होंगे। इसके अलावा सरकारी और सहायता प्राप्त कॉलेजों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के तृतीय और चतुर्थ वर्ष के वे विद्यार्थी भी योजना का लाभ उठा सकेंगे, जिन्हें 2025-26 के दौरान पिछली लैपटॉप वितरण योजना में शामिल नहीं किया गया था। विजय सरकार ने इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों की तकनीकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें इंटेल कोर आई5 प्रोसेसर या उसके समकक्ष उच्च क्षमता वाले लैपटॉप उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। योजना की निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उच्चस्तरीय संचालन समिति बनाई जाएगी। वहीं, तमिलनाडु इलेक्ट्रॉनिक्स निगम (ईएलसीओटी) को लैपटॉप की खरीद और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की



जिम्मेदारी सौंपी गई है। विजय सरकार के मुताबिक, इस योजना से आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यम वर्गीय परिवारों के विद्यार्थियों को विशेष लाभ मिलेगा। इससे डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिलने के साथ युवाओं की तकनीकी दक्षता और रोजगार पाने की संभावनाएं भी मजबूत होंगी।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू ने राहुल-प्रियंका से की मुलाकात , संगठन और मुद्दों पर चर्चा

शिमला,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान दोनों शीर्ष नेताओं को प्रदेश की 75 लाख जनता की ओर से दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री सुक्खु ने मुलाकात की तस्वीरें साझा कर इसकी जानकारी दी। राहुल और प्रियंका गांधी ने भी हिमाचल प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। माना जा रहा है कि अहम बैठक में हिमाचल प्रदेश में पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत करने की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त, प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ है। बैठक में संभावित कैबिनेट विस्तार का मुद्दा भी उठा है, जिससे प्रदेश सरकार में नए चेहरों को जगह मिल सके। दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री सुक्खू के दोपहर बाद शिमला लौटने की संभावना है।

जलवायु परिवर्तन से भारत की खाद्य सुरक्षा पर संकट, छह राज्यों में सूखा

हर साल 13 अरब डॉलर का खाद्य नुकसान

नई दिल्ली , एजेंसी। दुनिया में जलवायु परिवर्तन का बढ़ता प्रभाव अब भारत की कृषि व्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन रहा है। बढ़ते तापमान, अनियमित मानसून, सूखा और बाढ़ जैसी चरम मौसमी घटनाओं से फसल उत्पादन को सीधे तौर पर प्रभावित कर रही है। नई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को हर साल करीब 13 अरब अमेरिकी डॉलर का खाद्य नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसकी बड़ी वजह कमजोर भंडारण, परिवहन और कोल्ड चेन व्यवस्था है। रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के छह राज्यों में सूखे की घोषणा हो चुकी है।

रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन का असर अब केवल खेतों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी खाद्य आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इससे किसानों की आमदनी घटने के साथ बाजार में खाद्य पदार्थों की उपलब्धता और कीमतों पर भी असर पड़ रहा है।

रिपोर्ट में दिल्ली की आजादपुर मंडी का उदाहरण देकर बताया गया है कि वर्ष 2024 में अत्यधिक गर्मी के कारण एक फल विक्रेता को एक ही दिन में एक लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। सामान्य परिस्थितियों में दो दिन तक सुरक्षित रहने वाले आम गर्मी के कारण एक दिन में ही खराब हुए थे। जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ के अनुसार, देश में करीब एक-तिहाई फल और सब्जियां उपभोक्ताओं तक पहुंचने से पहले ही खराब हो जाती हैं। गर्मी का असर दूध उत्पादन और मिट्टी की गुणवत्ता पर पड़ रहा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, अत्यधिक तापमान के कारण हर साल करीब 2,661 करोड़ का दूध उत्पादन प्रभावित होता है, जो करीब 18 लाख टन के बराबर है। देश की करीब 40 प्रतिशत पशुधन आबादी चरम मौसम के प्रति संवेदनशील है। कमजोर कोल्ड चेन के चलते फल-सब्जियों का करीब 40 प्रतिशत और अनाज का 5 से 6 प्रतिशत हिस्सा बर्बाद हो जाता है। देश में केवल चार प्रतिशत ताजा कृषि उपज को ही कोल्ड स्टोरेज की सुविधा मिल पाती है।

रिपोर्ट के अनुसार, 20 मिलियन हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि बाढ़, सूखे और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित हुई है। वहीं, कृषि में रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल भी तेजी से बढ़ा है। वर्ष 1990 में प्रति हेक्टेयर उर्वरक खपत 73.5 किलोग्राम थी, जो 2023 में बढ़कर 199 किलोग्राम हो गई।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस संकट से निपटने के लिए केवल मौसम पूर्वानुमान पर्याप्त नहीं है। किसानों को बेहतर सिंचाई, आधुनिक भंडारण, मौसम आधारित बीमा और समय पर सहायता उपलब्ध कराना जरूरी है। फसल विविधीकरण, जैविक खेती, सूखा प्रतिरोधी बीज और मिट्टी व जल संरक्षण को भी बढ़ावा देना होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपदा के बाद नुकसान की भरपाई करने के बजाय पहले से जोखिम कम करने वाली नीतियों और कृषि ढांचे में निवेश करना समय की मांग है।

रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले माफी मांगकर अयोध्या आएं : योगी आदित्यनाथ

सीएम योगी ने अखिलेश यादव पर साधा निशाना, कहा- राम के अस्तित्व को स्वीकार करना हमारी वैचारिक विजय

लखनऊ, एजेंसी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने अयोध्या की उपेक्षा की, भगवान राम के अस्तित्व को नकारा और रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं, वे अयोध्या जरूर आएं, लेकिन माफी मांगकर आएं। उन्होंने कहा कि संतों का अपमान करने और उन पर लाठीचार्ज कराने वालों को भी अपने कृत्यों के लिए माफी मांगनी चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि जिन्होंने भगवान राम के अस्तित्व को नकारने के लिए न्यायालय में वकीलों की फौज खड़ी की थी, आज कम से कम उन्हें राम के अस्तित्व को स्वीकार करने की सद्बुद्धि आई है। यह हमारी वैचारिक विजय है। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने सभी को अपनाया था, लेकिन कोई मारीच बनकर आएगा तो वह राम के बाणों से बच नहीं पाएगा।

योगी ने अयोध्या के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले यहां मुश्किल से तीन घंटे बिजली मिलती थी, जबकि आज अयोध्या स्मार्ट सिटी के साथ सोलर सिटी के रूप में भी



पहचान बना चुकी है। धर्मपथ, भक्तिपथ, श्रीराम पथ और जन्मभूमि पथ देश-दुनिया के लोगों को आकर्षित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि परिसर में महर्षि वाल्मीकि, महर्षि विश्वामित्र और माता शबरी के मंदिर सहित गिरिराज जटायु भी विराजमान हैं। उन्होंने अयोध्या में बने महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या का तेजी से विकास हो रहा है।

मुख्यमंत्री के अनुसार, डबल इंजन सरकार अयोध्या में करीब 40 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं पूरी कर चुकी है या उन पर काम जारी है।

उत्तराखंड की राजनीति में भूचाल : रावत पर जैनी ने लगाए दुष्कर्म के आरोप, बच्चे के डीएनए टेस्ट की मांग

देहरादून , एजेंसी । विधानसभा चुनाव से पहले उत्तराखंड की राजनीति में 23 साल पुराने जैनी मामले ने फिर हलचल मचा दी है। महिला इंदिरा डेंजी, जिन्हें जैनी के नाम से जाना जाता है, ने पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत पर गंभीर आरोप लगाकर मामले की दोबारा सीबीआई जांच कराने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने बच्चे का डीएनए टेस्ट करने की मांग उठा दी है। देहरादून में आयोजित प्रेसवार्ता में महिला ने बताया कि वह वर्ष 2002 में नौकरी की तलाश में देहरादून आई थीं। उस समय उनकी उम्र करीब 16 वर्ष थी। एक कार्यकर्ता के माध्यम से वे तत्कालीन मंत्री हरक सिंह रावत के यमुना कॉलोनी स्थित आवास पहुंची थीं। महिला का आरोप है कि उन्हें टिहरी भेजने के बजाय आवास पर ही रोक लिया गया, जहां उनके साथ दुष्कर्म किया गया। जैनी ने दावा किया कि तब हरक सिंह रावत सत्ता में थे, इसलिए उनकी शिकायत पर सुनवाई नहीं हुई।

पेट्रोल में 20 प्रतिशत से ज्यादा एथेनॉल पर सियासी घमासान

निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी को याद दिलाया उनकी सरकार का कानून

नई दिल्ली, एजेंसी । पेट्रोल में एथेनॉल की निर्धारित मात्रा से अधिक मिलावट के दावों को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक विवाद तेज हुआ है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक में पेट्रोल के नमूनों की जांच का हवाला देकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। वहीं, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पलटवार कर कांग्रेस को ही कठघरे में खड़ा किया है। सांसद दुबे ने वर्ष 2011 में तत्कालीन कांग्रेस की मनमोहन सरकार के दौरान बनाए गए कानून का हवाला देकर कर्नाटक सरकार से जिम्मेदारी तय करने और कार्रवाई की मांग की है। दरअसल, राहुल गांधी ने दावा किया कि कर्नाटक सरकार ने सात जिलों से पेट्रोल के 14 नमूने एकत्र कर मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में उनकी जांच करवा दी। जांच में 11 नमूनों में एथेनॉल की मात्रा 20 प्रतिशत से अधिक मिली। राहुल गांधी के मुताबिक, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसीएल) के एक नमूने में 31.2 प्रतिशत और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (एचपीसीएल) के एक नमूने में 30.5 प्रतिशत एथेनॉल मिला।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि निर्धारित सीमा से अधिक एथेनॉल मिलने से वाहनों के माइलेज और इंजन की कार्यक्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया कि देश में पेट्रोल के अंदर वास्तव में कितनी मात्रा में एथेनॉल मिलाया जा रहा है। साथ ही उन्होंने पूछा कि निर्धारित सीमा से अधिक एथेनॉल मिलने पर संबंधित तेल कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई कब की जाएगी।

इसके बाद राहुल गांधी के आरोपों पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पलटवार कर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में पेट्रोल की गुणवत्ता और कथित मिलावट को लेकर जवाबदेही राज्य सरकार की बनती है। सांसद दुबे ने राहुल गांधी को सलाह दी कि वह लगातार केंद्र सरकार पर सवाल उठाने के बजाय कर्नाटक के मुख्यमंत्री से जवाब मांगें और कार्रवाई सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त समाचार

अल्काराज की शानदार जीत सेमीफाइनल में जगह बनाई



पेरिस, एजेंसी। कार्लोस अल्काराज ने टेलर फ्रिट्ज को 6-7 (10), 7-5, 6-3 से हराकर पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अल्काराज की जीत ने फ्रिट्ज की एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को खत्म कर दिया और इसके बजाय यह पक्का कर दिया कि उनके देश के राफेल जोडार साल के आखिर में होने वाले टूर्नामेंट के लिए आखिरी जगह पक्की कर लें। अल्काराज से मुकाबले से पहले एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में 11वें स्थान पर रहे फ्रिट्ज को नौवें स्थान पर रहने वाले जोडार को पछाड़कर एटीपी फाइनल्स में अपनी जगह पक्की करने के लिए स्पेन के खिलाड़ी को हराना था, जो इटली के ट्यूरिन में इनाल्पी एरिना में होगा। जोडार पहले ही राउंड ऑफ 32 में पेरिस से बाहर हो गए थे। अब जोडार, जो इस सीजन में अपना पहला फुल-टाइम टूर-लेवल डेब्यू कर रहे हैं, क्वालिफिकेशन पाने वाले आखिरी खिलाड़ी हैं। इससे पहले, फ्रांसेस टियाफो साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले सातवें खिलाड़ी बने थे, जब टॉमी पॉल पेरिस क्वार्टर में बेन शेल्टन से हारकर अपना मौका गंवा बैठे थे। इस बीच, अल्काराज ने फ्रिट्ज के खिलाफ मैच में जबरदस्त वापसी करते हुए सीजन के अपने तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए। वह मैच में 36-7 (10) और 3-5 से पीछे थे और अपनी सर्व पर एक मैच पॉइंट का सामना कर रहे थे, इससे पहले कि उन्होंने एक शानदार पॉइंट जीतकर स्कोर 4-5 कर दिया।

देसिंघु ने जीता 200 मीटर फ्रीस्टाइल में कांस्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की 16 वर्षीय तैराक धिनिधि देसिंघु ने यूथ ओलंपिक में लड़कियों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपना दूसरा पदक हासिल किया। इससे पहले वह 100 मीटर फ्रीस्टाइल में भी कांस्य जीत चुकी हैं। इसके साथ ही वह यूथ ओलंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। भारत की युवा तैराक धिनिधि देसिंघु ने यूथ ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक और कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। उन्होंने शुक्रवार को लड़कियों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इसके साथ ही 16 वर्षीय धिनिधि ने इस प्रतियोगिता में अपना दूसरा पदक हासिल किया। इससे पहले धिनिधि ने लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था। इस तरह उन्होंने यूथ ओलंपिक में दो व्यक्तिगत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस वैश्विक युवा खेल आयोजन में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में एक से अधिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। धिनिधि ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल के फाइनल में 2 मिनट 2.28 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की एम चांग ने 1 मिनट 59.59 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि क्रोएशिया की एना बोबानोविच ने 2 मिनट 1.17 सेकंड का समय लेकर रजत पदक अपने नाम किया। खास बात यह है कि 200 मीटर फ्रीस्टाइल धिनिधि की मुख्य स्पर्धा है। ऐसे में उन्होंने अपनी पसंदीदा स्पर्धा में भी पदक जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की। दो कांस्य पदकों के साथ धिनिधि ने भारतीय तैराकी के लिए एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

शमी को टेस्ट क्रिकेट से विदा लेते देखना दुखद

मोहम्मद शमी के संन्यास पर बोले भारत के गेंदबाजी कोच

तेज गेंदबाज ने कहा था- सफेद जर्सी से विदा ले रहा हूं, उससे जुड़ी यादों से नहीं

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्नी मार्कल ने कहा कि जब वह भारतीय टीम से गेंदबाजी कोच के तौर पर जुड़े तो शुरूआती दिनों में टीम की सोच और भारतीय भाषा को समझने में मोहम्मद शमी की मौजूदगी से उन्हें काफी मदद मिली। शमी ने शुक्रवार (6 नवंबर) को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

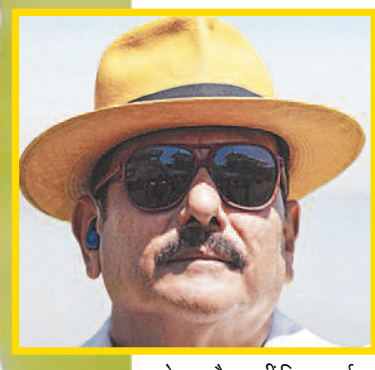
मोर्कल 2024 में भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच बने थे। उन्हें टेस्ट प्रारूप में शमी के साथ काम नहीं किया, लेकिन 2025 की शुरूआत में चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान उन्हें यह मौका मिला। मोर्कल ने मैच से पूर्व इंटरव्यू में मेजबान प्रसारक सोनी स्पोर्टस से कहा , 'मैं खुशकिस्मत हूं कि जब मैने भारतीय टीम के साथ शुरूआत की तब शमी टीम का हिस्सा थे। काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और भारतीय भाषा को समझने में उन्होंने मेरी काफी मदद की। उन्हें टेस्ट क्रिकेट से विदा लेते देखना दुखद है।'

शमी ने सभी फॉर्मेट्स को मिलाकर कुल 462 इंटरनेशनल विकेट लिए हैं, जिनमें टेस्ट में 229 और वनडे में 206 विकेट शामिल हैं। हालांकि, शमी कुछ और समय तक बंगाल के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट और आईपीएल खेलना जारी रखेंगे। मोर्केल इस बात से खुश हैं कि शमी अभी भी पूरी शिद्दत के साथ घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं। मोर्केल ने कहा, 'मेरा मतलब है कि वह अभी भी घरेलू क्रिकेट में काफी ओवर गेंदबाजी कर रहे हैं और यह देखना वाकई बहुत अच्छा लगता है। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर अपने 13 साल के सफर पर विराम लगा दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। मोहम्मद शमी ने 64 टेस्ट मैचों में 229 विकेट लिए।



मोहम्मद शमी को मौका नहीं मिलने से निराश हूं: रवि शास्त्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने टीम इंडिया के टेस्ट सेटअप से मोहम्मद शमी को नजरअंदाज करने के फैसले पर सवाल उठाया है। शास्त्री ने कहा कि शमी ने घरेलू क्रिकेट में बंगाल के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर अपनी फॉर्म और फिटनेस साबित की है। शास्त्री ने शमी को मौके न मिलने पर निराशा जताई, और अपनी फिटनेस को लेकर सवालों के बावजूद फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में उनके काम के बोझ की ओर इशारा किया। शमी, जो सबसे लंबे फॉर्मेट में भारत के सबसे सक्षम तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं, बंगाल के लिए नियमित तौर पर खेलते रहे हैं, और उन्होंने गेंदबाजी की बड़ी जिम्मेदारियां निभाई। शास्त्री को लगा कि इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए तेज गेंदबाज की तैयारी का अंदाजा लगाने में उन प्रदर्शनों को ज्यादा अहमियत दी जानी चाहिए थी। भारत के पूर्व हेड कोच ने कहा कि मैचों के दौरान लंबे स्पैल तक टिके रहने की एक गेंदबाज की क्षमता ही उसकी फिटनेस का असली पैमाना होनी चाहिए। शास्त्री ने दूसरे वनडे से पहले सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर बात करते हुए कहा, 'अगर आप मैच में 10 या 12 ओवर नहीं कर सकते तो जिम में फिट रहने का क्या मतलब है? यहां, आपके पास एक मेहनती खिलाड़ी है जो आपके लिए गेंदबाजी कर रहा है। इसलिए, मैं थोड़ा निराश हूं कि उन्हें दोबारा मौका नहीं मिला। पूर्व कप्तान ने कहा, 'शमी का घरेलू काम का बोझ इस बात का काफी सबूत है कि वह कॉम्पिटिटिव क्रिकेट की फिजिकल जरूरतों को संभाल सकता है। टीमों को मुश्किल इंटरनेशनल सीजन के दौरान खास खिलाड़ियों के चोटिल होने का सामना करना पड़ता है, तो एक अनुभवी तेज गेंदबाज का होना कितना जरूरी है।'



'स्मैट' के लिए क्रुणाल की कप्तानी में बड़ौदा टीम का ऐलान



बड़ौदा, एजेंसी। बड़ौदा ने टी20 फॉर्मेट की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (स्मैट) के लिए क्रुणाल पंड्या की कप्तानी में अपनी टीम की घोषणा कर दी। इस टीम में हार्दिक पंड्या को जगह नहीं मिली है। टूर्नामेंट 14 नवंबर से शुरू हो रहा है। क्रुणाल पंड्या की कप्तानी में घोषित बड़ौदा की टीम में जितेश शर्मा, दीपक हुड्डा और रसिख सलाम जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। हार्दिक आईपीएल 20260 के बाद से ही कई चोटों की वजह से मैदान से बाहर हैं। आईपीएल के दौरान पीठ में ऐंठन होने के बाद से हार्दिक ने अपना ज्यादातर समय बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में बिताया है। उन्होंने आखिरी बार 24 मई को आईपीएल में खेला था। ऑलराउंडर को हाल ही में अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंडिया ए की टीम में चुना गया था, लेकिन पिंडली में नई चोट के कारण उन्हें बाहर कर दिया गया था।

पैरालंपिक में तीन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला अवनि

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की पैरा एथलीटों में अवनि लेखरा का नाम काफी सम्मान के साथ लिया जाता है। रविवार को 25 साल की हो रही अवनि ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर निशानेबाजी में पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। अवनि लेखरा का जन्म 8 नवंबर 2001 को जयपुर (राजस्थान) में हुआ था। जब वह 11 साल की थीं, तो एक दुर्घटना के चलते कमर का निचला हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया। उन्हें स्पाइनल कॉर्ड इंजरी हो गई। इस हादसे के बाद अवनि का जीवन पूरी तरह बदल गया। उन्हें व्हीलचेयर के सहारे आगे का जीवन जीना था। जीवन को मुश्किल बनाने वाली इस परेशानी के बावजूद अवनि ने हिम्मत नहीं हारी और कुछ बड़ा करने का सपना देखा। अवनि के पिता का मानना था कि अगर उन्हें किसी खेल से जोड़ा जाए, तो उनकी मानसिक स्थिति थोड़ी ठीक रहेगी और उनका मन बहलेगा। इसी वजह से उन्होंने बेटी को शूटिंग शुरू करने के लिए कहा। हादसे के तीन साल बाद अवनि ने शूटिंग में अपना करियर बनाने का दृढ़ संकल्प ले लिया था। वह बीजिंग ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले अभिनव बिंद्रा से प्रेरित थीं।



2020 टोक्यो पैरालंपिक में अवनि ने गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट के फाइनल में 249.6 के स्कोर के साथ गोल्ड जीता। वह पैरालंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसी पैरालंपिक में उन्होंने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन एसएच 1 में ब्रॉन्ज मेडल भी अपने नाम किया। अवनि ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में भी गोल्ड मेडल जीता था। अवनि ने 2024 पैरालंपिक में 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट के फाइनल में 249.7 अंक के साथ पैरालंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता। अवनि लेखरा पैरालंपिक गेम्स में 2 गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं।

सीए ने ख्वाजा के सैंडपेपर गेट वाले दावों का दिया जवाब कहा-हम नतीजों से खुश हैं

नई दिल्ली । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2018 के साउथ अफ्रीका दौरे के दौरान सैंडपेपर गेट की घटना पर उस्मान ख्वाजा के चौंकाने वाले दावों का जवाब दिया है। इस घटना ने क्रिकेट की दुनिया को हिलाकर रख दिया था। ख्वाजा, जो अपनी आने वाली किताब 'सब्र' में इस घटना के बारे में विस्तार से बताएंगे, ने खुलासा किया है कि पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को केपटाउन टेस्ट में सैंडपेपर गेट के बारे में पता था और पिछले टेस्ट मैच में भी इसका इस्तेमाल किया गया था। पूर्व ओपनर के दावों का जवाब देते हुए, सीए ने कहा कि उन्हें दी गई जानकारी पर ठीक से सोचा गया था और वे अपने नतीजों से खुश हैं। बयान में कहा गया, '2018 के केपटाउन टेस्ट के बाद से आठ वर्षों में बहुत सारे अंदाजे लगाए गए हैं, जिसमें पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका में हुई सीरीज के दौरान मीडिया में बहुत ज्यादा कवरेज भी शामिल है। इस दौरान कोई भी जरूरी जानकारी देने का मौका मिलता रहा है, और यह अभी भी वैसा ही है। सीए को अब तक दी गई सभी जरूरी जानकारी पर ठीक से विचार किया गया है, और हम अपनी नतीजों से खुश हैं।' ख्वाजा ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड को दिए एक साक्षात्कार में बताया है कि सैंडपेपर गेट के बारे में पूरी टीम को पता था। इस मामले के बारे में माना जाता है कि तब के कप्तान स्टीव स्मिथ, उपकप्तान डेविड वॉर्नर और बल्लेबाज कैमरन बैनक्रॉफ्ट इस घटना में शामिल थे। बैनक्रॉफ्ट ने गेंद पर वो चीज लगाई थी। इसे टेस्ट मैच के विजुअल्स में देखा जा सकता है।

घटना के बाद स्मिथ और वॉर्नर पर इंटरनेशनल और डोमेस्टिक क्रिकेट में खेलने से एक साल का बैन लगाया गया, जबकि बैनक्रॉफ्ट पर नौ महीने का बैन लगाया गया। इसके अलावा, स्मिथ से कहा गया कि वह दो साल तक ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी नहीं कर सकते। वॉर्नर पर इंटरनेशनल और ऑस्ट्रेलियन डोमेस्टिक क्रिकेट में लाइफटाइम लीडरशिप बैन लगा, जिसे 2024 में हटा दिया गया। ख्वाजा ने इस घटना पर बात करते हुए कहा कि वह सच सामने नहीं लाना चाहते, उन्हें लगता है कि यह अब तक सामने आ गया होगा। एक आदर्श दुनिया में, मैं ऐसा नहीं करना चाहता। मैं वह नहीं बनना चाहता जो सामने आकर सच के बारे में बात करे। उन्होंने कहा, 'मुद्दा यह है कि मुझे सच में लगा था कि आठ साल बाद अब तक सच सामने आ गया होगा।' ख्वाजा ने यह भी दावा किया कि साउथ अफ्रीकी टीम गेंद के साथ काम करने में कहीं बेहतर थी और वे उनके साथ बने रहने की कोशिश कर रहे थे।



बाल-बाल बची टीम इंडिया!

भारत ने जीता दूसरा वनडे

बारिश ने न्यूजीलैंड की उम्मीदों पर फेरा पानी, सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में डकवर्थ लुईस नियम के हिसाब से चार रन से जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, 135 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की हालत खराब हो गई थी। टीम ने 26 ओवर में सात विकेट गंवाकर 113 रन बनाए थे और उसे जीत के लिए 22 रन की जरूरत थी। तभी बारिश ने मुकाबले में खलल डाल दिया। काफी इंतजार के बावजूद खेल दोबारा शुरू नहीं हो सका। ऐसे में डकवर्थ लुईस नियम के तहत भारत को चार रन से विजेता घोषित कर दिया गया। एक समय न्यूजीलैंड की टीम जीत की उम्मीद करने लगी थी, लेकिन बारिश ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने छोटे लक्ष्य के बावजूद भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। काइल जेमीसन और जैकब डफी ने तीन-तीन विकेट लेकर भारतीय पारी को झकझोर दिया। मैट फिशर को एक सफलता मिली। जेमीसन ने खास तौर पर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने श्रेयस अय्यर को शॉर्ट गेंद पर कैच आउट कराया।

DLS के तहत चार रन आगे था भारत

बारिश के कारण जब मुकाबला रोका गया, तब भारत को 126 गेंद में 22 रन बनाने थे। हालांकि, डकवर्थ लुईस नियम के तहत उस समय भारत का पार स्कोर 109 रन था, जबकि टीम इंडिया सात विकेट के नुकसान पर 113 रन बना चुकी थी। यानी भारत निर्धारित मानक से चार रन आगे था। इसका मतलब था कि अगर बारिश के कारण आगे खेल नहीं हो पाता है तो भारत चार रन से मुकाबला जीत जाएगा। आखिरकार ऐसा ही हुआ। स्थानीय समय के हिसाब से रात 11 बजे मैच दोबारा शुरू कराने की अंतिम समय सीमा थी, लेकिन बारिश नहीं रुकी और मुकाबला आगे नहीं खेला जा सका।

गुरनूर की घातक गेंदबाजी, 134 रन पर सिमटा न्यूजीलैंड

इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम को 134 रन पर समेट दिया था। डेरिल मिचेल ने सबसे ज्यादा 55 रन बनाए, जबकि कप्तान मिचेल सैंटनर ने 31 रन का योगदान दिया। हेनरी निकोल्स 11 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। भारत की ओर से गुरनूर बराड़ ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। आकिब नबी, अंशुल कंबोज और अक्षर पटेल को दो-दो विकेट मिले। न्यूजीलैंड की टीम पहला वनडे भी गंवा चुकी थी। दूसरे मुकाबले में बारिश के कारण भारत को मिली जीत के साथ ही टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।

लड़खड़ाई टीम इंडिया, 7 विकेट गंवाए

दरअसल, बारिश के कारण वेलिंग्टन में खेला गया यह दूसरा वनडे एक घंटे की देरी से शुरू हुआ था। सुबह साढ़े सात बजे की जगह मैच सुबह साढ़े आठ बजे शुरू हुआ था। अंपायर्स ने ओवर्स में कटौती भी की थी और मैच 47-47 ओवर का कर दिया गया था। हालांकि, न्यूजीलैंड की टीम 41 ओवर में 134 रन पर सिमट गई थी। भारतीय टीम को जीत के लिए 135 रन का लक्ष्य मिला था। छोटे लक्ष्य के बावजूद भारतीय बल्लेबाजों ने निराश किया और नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। कप्तान शुभमन गिल बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए, जबकि विराट कोहली सात रन ही बना सके। रोहित शर्मा ने 23 रन की पारी खेली, लेकिन वह भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। अक्षर पटेल सात रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी हुई। श्रेयस 46 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया। नमन धीर ने 12 रन बनाए, जबकि अंशुल कंबोज एक रन बनाकर आउट हुए। बारिश के कारण खेल रुकने तक केएल राहुल 26 और आकिब नबी एक रन बनाकर नाबाद थे। भारत का स्कोर 26 ओवर में सात विकेट पर 113 रन था।



यशस्वी ने लगातार दूसरी पारी में ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच शनिवार से लिंकन में खेले जा रहे तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट में यशस्वी जायसवाल ने शानदार शतक ठोका। यशस्वी जायसवाल का यह लगातार दूसी पारी में शतक है। इससे पहले दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट की दूसरी पारी में भी शतक जड़ा था। उन्होंने 162 गेंद पर 15 चौके और 5 छक्के की मदद से नाबाद 155 रन बनाए थे।लिंकन में खेले जा रहे तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट में न्यूजीलैंड ए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। यशस्वी जायसवाल ने साई सुदर्शन के साथ मिलकर इंडिया ए को बेहतरीन शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों के 46.3 ओवर में 175 रनों की साझेदारी हुई। यशस्वी जायसवाल शतक ठोकने के बाद आउट हो गए।

जायसवाल ने 138 गेंद पर 102 रन बनाए

यशस्वी जायसवाल ने डीन फॉक्सक्रॉफ्ट की गेंद पर चौका जड़कर शतक पूरा किया। उन्होंने 44वें ओवर में लगातार दो गेंदों पर चौका जड़ा और शतक पूरा किया। इसके तुरंत बाद वह पवेलियन लौट गए। उन्होंने 138 गेंद पर 102 रन बनाए। इस दौरान 16 चौके और 2 छक्के लगाए। साई सुदर्शन भी अर्धशतक पूरा कर चुके हैं।





एक्शन के साथ रिश्तों की कहानी भी कहेगी सनी स्टारर 'जाट 2'

सनी देओल की फिल्मों में एक्शन, डायलॉग और अन्याय के खिलाफ खड़े होने वाले किरदारों की खास पहचान रही है। अब 'जाट 2' को लेकर चर्चा है कि इस बार कहानी में उनके किरदार की निजी जिंदगी और परिवार को ज्यादा जगह मिल सकती है। इससे दर्शकों को उसके अतीत और रिश्तों के बारे में जानने का मौका मिल सकता है। फिल्म से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रखने वाले सूत्र के मुताबिक, सीक्वल में मुख्य किरदार की पारिवारिक पृष्ठभूमि को विस्तार देने पर चर्चा है। हालांकि, मेकर्स ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। सफल एक्शन फिल्म का सीक्वल बनाते समय फिल्ममेकर्स के सामने चुनौती होती है कि पहले भाग का आकर्षण भी बना रहे और कहानी में कुछ नया भी हो। सिर्फ एक्शन बढ़ाने या पुराने फॉर्मूले को दोहराने से दर्शकों की उम्मीदें पूरी नहीं होतीं। 'जाट' में सनी देओल का अन्याय के खिलाफ खड़ा होना और विरोधियों से टकराना कहानी का अहम हिस्सा था। दूसरे भाग में भी यही अंदाज देखने को मिल सकता है, लेकिन कहानी को आगे बढ़ाने के लिए नया संघर्ष जरूरी होगा। अगर किरदार के अतीत, परिवार और निजी रिश्तों को जगह मिलती है, तो दर्शक उसके फैसलों की वजह भी बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। इससे फिल्म में एक्शन के साथ भावनात्मक पहलू भी जुड़ सकता है।

सूत्र के संकेतों के मुताबिक...' दूसरे पार्ट में सनी देओल के किरदार की पारिवारिक पृष्ठभूमि को दिखाने के लिए पंजाब और हरियाणा जैसे इलाकों को कहानी में शामिल किया जा सकता है। इससे फिल्म का दायरा पहले भाग से अलग हो सकता है। परिवार और निजी जिम्मेदारियों को जगह मिलने पर किरदार के सामने आने वाले संघर्ष की वजहें भी सामने आ सकती हैं। नए भाग में किसी नए विलेन या प्रतिद्वंद्वी की जरूरत भी हो सकती है। हालांकि, अभी किसी नए विलेन के नाम या किरदार को लेकर जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में यह देखना होगा कि फिल्म की कहानी किस तरह आगे बढ़ती है।'

'जाट 2' के निर्देशन को लेकर भी चर्चा रही है। निर्देशक राजकुमार संतोषी पहले ही साफ कर चुके हैं कि वह इस सीक्वल का निर्देशन नहीं कर रहे हैं। वहीं, सनी देओल चाहते हैं कि पहले पार्ट के निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी ही दूसरे भाग की कमान संभालें। हालांकि, इस बारे में आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। सनी अब दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार्स की तरह अलग-अलग निर्देशकों के साथ काम करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। उनकी फिल्म 'एंटनी' इसी सिलसिले में चर्चा में है। इसमें विजय वर्मा उनके सामने विलेन की भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सनी अपने पुराने सहयोगियों के साथ काम करना छोड़ रहे हैं। उत्तर भारत की कहानियों में वह अपने पुराने साथियों के साथ भी काम जारी रखेंगे।

सनी की पूरी हो चुकी फिल्मों में 'बाप' भी शामिल है। इसमें उनके साथ मिथुन चक्रवर्ती, संजय दत्त और जैकी श्रॉफ नजर आएंगे। फिल्म की मुख्य शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिल्म को नए साल की शुरुआत में रिलीज करने की तैयारी है। हालांकि, इसकी अंतिम रिलीज तारीख की आधिकारिक पुष्टि जरूरी है। सनी देओल अपने पुराने सहयोगियों के साथ भी काम कर रहे हैं। 'गदर' में उनके साथ काम कर चुके निर्देशक अनिल शर्मा के साथ वह 'कोल किंग' शुरू करने वाले हैं।





सीता मां का किरदार निभाते हुए मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया

अभिनेत्री साई पल्लवी जल्द ही फिल्म 'रामायण' में मां सीता के किरदार में नजर आएंगी। इस किरदार को निभाना उनके लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनने जैसा नहीं बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। साई पल्लवी ने बताया कि इस सम्मानित किरदार को पूरी गरिमा के साथ पर्दे पर उतारने के लिए उन्होंने मेडिटेशन का सहारा लिया। उनका मानना है कि यह फिल्म सिर्फ एक सिनेमाई अनुभव नहीं होगी बल्कि इतिहास का हिस्सा बनेगी, जिसे आने वाली पीढ़ियां भी देखेंगी। साई पल्लवी हाल ही में लोकप्रिय क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में पहुंचीं। यहां उन्होंने शो के होस्ट और मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ बातचीत के दौरान सीता मां का किरदार निभाने की अपनी तैयारी के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस भूमिका को लेकर उनके मन में काफी सम्मान और जिम्मेदारी का भाव था। वह चाहती थीं कि इस किरदार को निभाते समय किसी तरह की बाधा न आए और वह इसे पूरी गरिमा के साथ पर्दे पर उतार सकें।

साई ने कहा, ''इस किरदार के लिए मैंने सिर्फ प्रार्थना की। मैंने भगवान से यही मांगा कि इसे निभाने के दौरान मेरे सामने जितनी भी मुश्किलें आएं, वे दूर हो जाएं। हम जो फिल्म बना रहे हैं, वह सिर्फ एक फिल्म नहीं है बल्कि इतिहास का हिस्सा भी बनेगी। आने वाली पीढ़ियां और भविष्य के लोग भी इसे देखेंगे। उस समय हममें से कोई यहां नहीं होगा लेकिन फिल्म रहेगी। इसलिए उस किरदार में गरिमा होनी चाहिए। इसी वजह से मैं इस भूमिका के लिए सिर्फ प्रार्थना कर रही थी।''

अभिनेत्री ने बताया कि सीता मां का किरदार निभाते हुए उन्होंने मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया। इससे उन्हें अपने विचारों को शांत रखने और मुश्किल परिस्थितियों में खुद को संभालने में मदद मिली। साई ने कहा, ''असल में मेडिटेशन न करने पर मेरे मन में और ज्यादा विचार आने लगते हैं। इसलिए सीता मां का किरदार निभाते समय भी मैं ज्यादातर मेडिटेशन करती थी। इस भूमिका से मैंने सीखा कि जब भी आप किसी तनावपूर्ण स्थिति में हों, तो उस पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय उसे सिर्फ देखना और समझना चाहिए। जब भी मेरे सामने कोई मुश्किल या तनावपूर्ण स्थिति आती थी, तो मैं सोचती थी कि सीता मां ऐसी परिस्थिति में कैसे प्रतिक्रिया देतीं। मुझे लगता है कि उनके किरदार से मैंने यही सबसे बड़ी बात सीखी है।''



'डेयर डेविल' में अजित कुमार के साथ नजर आएंगी श्रीलीला

अजित कुमार अपनी नई फिल्म 'डेयर डेविल' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन अधिक रविचंद्रन कर रहे हैं। अब फिल्म की एक्ट्रेस और शूटिंग शुरू होने की डेट को लेकर नई जानकारी सामने आई है। निर्देशक ने पुष्टि की है कि फिल्म में श्रीलीला भी नजर आएंगी। फिल्म में उनके किरदार के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। यह भी साफ नहीं हुआ है कि उनकी भूमिका किस तरह की होगी और कहानी में उनका कितना महत्व होगा। उनके साथ पार्थिबन, प्रभु और सुनील जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म की शूटिंग 12 नवंबर से शुरू करने की तैयारी है।

अजित के साथ दूसरी बार काम करेंगे रविचंद्रन

'डेयर डेविल' में अजित कुमार और अधिक रविचंद्रन दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने फिल्म 'गुड बैड अग्ली' में साथ काम किया था। इस फिल्म में अजित कुमार के अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया था। अब दोनों एक नई फिल्म के लिए फिर साथ आए हैं। बताया जा रहा है कि इस बार फिल्म की कहानी पहले की तुलना में अलग होगी। निर्देशक इसे ऐसी मनोरंजक फिल्म बनाना चाहते हैं, जिसे परिवार के सभी लोग देख सकें।



'3 इडियट्स' के सीक्वल को लेकर आमिर खान ने दिया अपडेट

आमिर खान ने अपनी चर्चित फिल्म '3 इडियट्स' के सीक्वल को लेकर अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि निर्देशक राजकुमार हिरानी फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं और जल्द ही इसका फाइनल ड्राफ्ट उन्हें सुना सकते हैं। हालांकि, आमिर ने अभी फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। सिंगापुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बातचीत के दौरान आमिर ने कहा कि उन्हें इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी साझा करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने बताया कि उम्मीद है कि अगले कुछ हफ्तों में भारत लौटने के बाद राजकुमार हिरानी उन्हें स्क्रिप्ट का फाइनल वर्जन सुनाएंगे। इसके बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इससे पहले राजकुमार हिरानी ने भी एक इंटरव्यू में सीक्वल की स्क्रिप्ट पर काम जारी होने की बात कही थी। आमिर ने संतोषी के एक अन्य प्रोजेक्ट पर काम करने की जानकारी भी दी। फेस्टिवल में 'अंदाज अपना अपना' के पार्ट 2 को लेकर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि संतोषी एक प्रोजेक्ट पर काम तो कर रहे हैं। हालांकि, आमिर ने इसकी पुष्टि नहीं की कि यह 'अंदाज अपना अपना 2' ही है।



करियर में एक नई भूमिका को लेकर उत्साहित हैं जॉर्जिया

जॉर्जिया एंड्रियानी जल्द ही हिंदी थ्रिलर वेब सीरीज 'डाइस' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वह एक इटैलियन किरदार निभाएंगी। प्रोजेक्ट की शूटिंग नवंबर 2026 से शुरू होने वाली है। इसकी खास बात यह है कि सीरीज की शूटिंग इटली में होगी, जहां पोटेंजा और बिंडिसी सहित कई लोकेशंस को चुना गया है। 'डाइस' का निर्माण और निर्देशन चंद्रकांत सिंह कर रहे हैं, जबकि एंजेलो विगिनो भी इसके निर्माता के तौर पर जुड़े हैं। सीरीज हिंदी में बनाई जाएगी और इसमें जॉर्जिया अपने सांस्कृतिक परिवेश से जुड़े किरदार को परदे पर उतारेंगी।

सीरीज को लेकर जॉर्जिया ने कहा कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर उत्साहित हैं और शूटिंग शुरू होने का इंतजार कर रही हैं। उनके मुताबिक, एक एक्टर के तौर पर नए किरदार को एक्सप्लोर करना और अलग कहानी में खुद को ढालना हमेशा रोमांचक होता है साथ ही अपने किरदार को जीवंत करना एक खास अनुभव होगा।



वर्टिकल में टाइमिंग है सबसे बड़ी चुनौती, यही एक्टर को बनाती है बेहतर

टेलीविजन अभिनेता प्रतीक चौधरी इन दिनों बालाजी टेलीफिल्म्स की वर्टिकल सीरीज 'साइलेंट शिकारी' में नजर आ रहे हैं। अभिनेता का कहना है कि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ काम करने का मौका मिला है। बातचीत के दौरान अभिनेता ने कहा, 'बालाजी के साथ इस सीरीज में मैंने दो दिन का काम किया था और मेरा अनुभव बहुत शानदार रहा है। मुझे लगता है कि हर वो एक्टर अपने आपको खुशकिस्मत समझेगा, जिसे बालाजी के साथ काम करने का मौका मिला है क्योंकि उनके कंटेंट बहुत शानदार रहते हैं और उनके शूट करने का तरीका दूसरों से काफी अलग है। ऐसा नहीं है कि दूसरे प्रोडक्शन हाउस या डायरेक्टर्स का काम अच्छा नहीं है। सभी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं लेकिन बालाजी के साथ कुछ ऐसी चुनौतियां हैं जो बहुत मुश्किल होती हैं।' अभिनेता ने आगे वर्टिकल सीरीज और वेब सीरीज के की तुलना पर बात करते हुए कहा, 'यह दोनों ही अपने आप में अलग हैं। सबसे पहले तो हमें वर्टिकल फॉर्मेट में टेलीविजन को ही पूरा करना होता है। जैसा कि आप जानते हैं, टेलीविजन सालों से चल रहा है। पहले मैं सोचता था कि टेलीविजन बहुत मुश्किल है लेकिन वर्टिकल करने के बाद मुझे एहसास हुआ कि शायद वर्टिकल फॉर्मेट से ज्यादा मुश्किल कुछ भी नहीं है। हो सकता है भविष्य में कुछ ऐसा आए जो वर्टिकल को भी आसान बना दे। सबसे बड़ी समस्या टाइमिंग की है। हमें चीजों को ठीक से करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता लेकिन मुझे लगता है कि यही चुनौती एक एक्टर को उसके काम में बेहतर बनाती है।

उन्होंने आगे कहा, 'पहले मुझे लगता था कि टेलीविजन से ही मैंने अभिनय सीखा है लेकिन वर्टिकल में काम करने के बाद मुझे एहसास हुआ है कि इस फॉर्मेट ने भी मुझे बहुत कुछ सिखाया है। हमें कुछ ही दिनों में अपने रोज के काम को पूरा करना होता है और उन कुछ दिनों में हम बहुत सारे एपिसोड शूट कर लेते हैं। मुझे पता है कि पांच से दस मिनट के छोटे क्लिप्स होते हैं, लेकिन सीन खुद बहुत लंबे होते हैं। एक एक्टर के तौर पर इतने कम समय में इतने सारे सीन करना आपको बहुत अनुभव देता है और यह आपको बहुत कुछ सिखाता है। तो मुझे लगता है कि मैंने वर्टिकल फॉर्मेट से बहुत कुछ सीखा है।

उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए कहा, 'मैं वर्टिकल के बारे में एक बात और कहना चाहूंगा। टेलीविजन में आप आमतौर पर एक समय पर दो या तीन डायरेक्टर्स के साथ काम करते हैं, जब तक उन्हें बदला न जाए। वर्टिकल में आपको नए डायरेक्टर्स और नए कंटेंट के साथ काम करने का मौका मिलता है। हमेशा एक फिक्स टीम नहीं होती।तो एक एक्टर के तौर पर आप बहुत कुछ एक्सप्लोर कर सकते हैं और बहुत कुछ सीख सकते हैं।

बॉडी में आ रहे हैं इन बदलावों को कभी न करें नजरअंदाज!

शरीर के सभी अंगों का सही तरह से काम करना बहुत जरूरी है। ज्यादातर लोग शरीर से जुड़ी छोटी-मोटी परेशानियों को नजरअंदाज कर देते हैं लेकिन बाद में यह बीमारी का रूप ले लेती है। अगर आपको भी शरीर से जुड़े कोई लक्षण दिखें तो उसे भूलकर भी इग्नोर न करें, तुरंत डॉक्टरी जांच करवाएं।



जानें किन लक्षणों में सतर्क रहना है जरूरी

■ बार-बार मिठाई खाना

अगर अचानक आपका दिल मिठाई खाने को कर रहा है तो इसका मतलब है कि आपके शरीर में शुगर की कमी है। ऐसे में आप शहद खा सकते है।

■ मसूढ़ों में खून आना

कई बार ब्रश करते समय मसूड़ों में खून आने लगता है। शरीर में विटामिन-सी की कमी के कारण ऐसा होता है। ऐसे में अपनी डाइट में खट्टे फल, पालक, टमाटर, फूलगोभी और शिमला मिर्च शामिल करें।

■ ड्राई स्किन

शरीर में विटामिन-ई की कमी के कारण त्वचा ड्राई होने लगती है। ड्राई स्किन से छुटकारा पाने के लिए हरी सब्जियां, मशरूम, तेल और मछली का सेवन करें।

खुरदरे नाखून

अगर आपके नाखून खुरदरे है तो इसका मतलब आपके शरीर में विटामिन-बी की कमी है। इसके लिए दूध, नारियल और मशरूम खाएं।

सुझाव



डीहाईड्रेशन की समस्या में अपनाएं ये उपाय

सर्दियों के मौसम में पसीना न आने के कारण और कम प्यास लगने के कारण डीहाईड्रेशन की समस्या हो जाती है। इसके अलावा सर्दियों में सांस लेने-छोड़ने के दौरान मुंह से निकलने वाली भाप शरीर में पानी का स्तर कम कर देती है। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह आप सर्दियों के मौसम में डीहाईड्रेशन की समस्या से बचाव करके खुद को सुरक्षित रख सकते है।

इस तरह रखें ख्याल

- सर्दियों के मौसम में इससे बचने के लिए दिन में कम से कम 1 बार पानी में थोड़ा-सा नमक और चीनी मिलाकर पीएं।
- रोजाना 8-10 गिलास गुनगुना पानी पीने से आप डीहाईड्रेशन की समस्या से बच सकते है।
- दिन में 1 बार नारियल पानी पीने से आपके शरीर में पानी की कमी पूरी हो जाती है।
- मसालेदार भोजन, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक्स और चॉकलेट का सेवन आपके शरीर में पानी की कमी का कारण बन सकती है।
- धुम्रपान, शराब, सिगरेट और तम्बाकू के कारण भी आपको डीहाईड्रेशन की समस्या हो सकती है। इसलिए इन चीजों से दूरी बनाकर रखने में ही आपकी भलाई है।
- सर्दियों में ऐसे फलों का सेवन ज्यादा करें जिससे आपके शरीर में पानी की कमी पूरी हो जाए। इसके लिए आप हरी सब्जिया, चावल, दही, सेब, संतरा और मौसंबी का सेवन कर सकते है।
- सर्दियों में ज्यादा परिश्रम और घर से बाहर रहने से बचे।
- ऐसे में मौसम में ठंड से बचने के लिए आप टाइट और फसे हुए कपड़े पहन लेते है।

इसकी बजाए गर्म लेकिन कम और ढीले कपड़े पाएं।

इस भागती-दौड़ती जिंदगी में लोगों के पास टाइम कम है और काम ज्यादा। ऐसे में बहुत से लोग बचे हुए खाने को फ्रिज में रख देते हैं और उसे बाद में गर्म करके खा लेते हैं।



इन चीज़ों को दोबारा गर्म भूलकर भी न करें

क्या आप जानते हैं कि खाने की कई चीज़े ऐसी हैं, जिन्हें दोबारा गर्म करने पर उनमें जहरीले तत्व आ जाते हैं। आज हम आपको ऐसी 7 चीज़ों के बारे में बता रहे हैं।



■ चावल

कच्चे चावलों में जीवाणु होते हैं, जो पकने के बाद भी जिंदा रहते हैं। अगर चावल पकाने के बाद उन्हें रूम टेम्परेचर पर छोड़ दिया जाए तो ये जीवाणु बैक्टीरिया में बदल जाते हैं। ऐसे चावलों को खाने से उल्टी और दस्त का खतरा बढ़ जाता है।



■ आलू

आलू को अगर उबालने के बाद रूम टेंपरेचर पर ठंडा होने के लिए रख दें, तो गरमाहट से उसमें बॉटुलिज्म नाम का एक रेयर बैक्टीरिया उत्पन्न हो जाता है, जो माइक्रोवेव में गर्म करने से भी जिंदा रहता है। ऐसे में जरूरी है कि उबालने के बाद इसे ठंडा होने के लिए सीधे फ्रीजर में डाल दें।

■ पालक व अन्य पत्तेदार सब्जियां

पालक और दूसरी पत्तेदार सब्जियों में काफी मात्रा में नाइट्रेट पाया जाता है। अगर इन सब्जियों को दोबारा गर्म करें, तो ये नाइट्रेट जहर में तब्दील हो जाता है।

■ चुकंदर

चुकंदर में भी भरपूर मात्रा में नाइट्रेट पाया जाता है। इसे दोबारा गर्म करके खाने से आपके पेट में दर्द हो सकता है।

■ अंडे

उबले अंडे, आमलेट, एग करी या अंडे की भुर्जी को दोबारा गर्म करने से यह जहरीली हो जाती हैं और आपका डाइजेशन सिस्टम खराब हो जाता है।

■ मशरूम

मशरूम को काटने भर से ही उसमें मौजूद प्रोटीन तत्व कम होने लगते हैं। इसलिए इसे एक बार पकाने के बाद फिर से गर्म करके खाने से आपका पेट खराब हो सकता है।

चिकन चिकन खाने के शौकीन लोग इस बात का ध्यान रकें कि रेफ्रिजरेट किए हुए चिकन को दोबारा गर्म न करें। इसे दोबार गर्म करके खाने से डाइजेशन सिस्टम खराब हो जाता है।

जानकारी



कमजोर हड्डियों को मजबूत बनाएं ये आहार...

सर्दियों में बहुत से लोगों को जोड़ों में दर्द की समस्या रहती है। जब हड्डियां कमजोर हो जाती है, जिस वजह से बार-बार उनमें दर्द रहने लगता है। अगर आप भी सर्दियों में इस तरह की परेशानी से गुजर रहे है तो अपने खान-पान में थोड़ा बदलाव लाए। इससे काफी फायदा होगा। अपने आहार में ऐसी चीजों को शामिल करें, जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखेंगी। हम आपको कुछ ऐसे आहार के बारे में बताएंगे, जिनको सर्दियों में खाना काफी फायदेमंद हो सकता है।

दही हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद है। दही में शक्कर डालने के बजाए, उसमें जीरा या नमक मिलाकर खाएं।



- पनीर विटामिन डी होता है, जिसको खाने से हड्डियां मजबूत रहती है। ध्यान रखें कि पनीर को ज्यादा तेल में न तले। इसके अलावा पनीर को ग्रिल्ड करके भी खाया जा सकता है।
- दूध में विटामिन डी होता है, जिसको ड्राई फ्रूट्स में मिलाकर पीएं। इससे जोड़ों से जुड़ी कई प्रॉबल्म दूर होगी।
- संतरे के रस में भी विटामिन डी मौजूद होता है। लेकिन ध्यान रखे कि जूस में ज्यादा शुगर की मात्रा न हो।
- फिश में भी विटामिन मौजूद होते हैं। इसको खाने हड्डियों की समस्या दूर रहती है।

कॉड लिवर तेल में विटामिन डी मौजूद होता है। इसका रोजणीना एक चम्मच खाएं और आपको इसके कैप्सूल भी मिल जाएगे, जिन्हें आप खा सकते है।

- अंडा भी आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगा। इसलिए रोजाना एक अंडे का सेवन जरूर करें। इसको आप जैसे चाहें उबाल कर या फिर ऑमलेट बनाकर खाएं।
- मशरूम में भी विटामिन्स मौजूद होते है। इसको बढ़ती उम्र के लोगों के लिए मशरूम काफी फायदेमंद है। इसको आप सब्जी या अन्य किसी तरह खा सकते है।



ये हैं अमरूद के अनगिनत फायदे

कब्ज और सूजन हो जाएगी गायब

अमरूद मीठे और स्वादिष्ट फलों में से एक हैं जो कई बीमारियों का इलाज भी करता है। अमरूद में विटामिन सी, विटामिन ए, कैल्शियम, आयरन जैसे सभी जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इतना ही नहीं, इसके बीज और पत्तियां भी काफी फायदेमंद हैं। अमरूद खाने की सलाह तो डॉक्टर्स भी देते हैं, क्योंकि इसके सेवन से कई गंभीर बीमारियां जैसे कब्ज, मधुमेह अन्य से छुटकारा मिलता है। आइए जानते है अमरूद के अनगिनत फायदे, जिनके बारे में सभी को पता होना चाहिए।

■ **पाचन क्रिया दुरुस्तः** अमरूद को काले नमक के साथ खाएं। इससे पाचन क्रिया ठीक रहेगी और पेट संबंधी कई समस्याएं दूर होगी।

■ **पेट के कीड़े :** अगर बच्चे के पेट में कीड़े हैं तो बच्चे को अमरूद खिलाएं काफी फायदा मिलेगा।

■ **आंखों की सूजन :** कई बार आंखों के नीचे काले घरे और सूजन आने लगती है जिससे आंखे काफी अजीब लगती है। ऐसे में अमरूद की पत्तियों को पीसकर पेस्ट बनाएं और आंखों के नीचे लगाएं।



कब्ज

कब्ज की समस्या बहुत से लोगों को रहती है। इससे छुटकारा पाने के लिए सुबह खाली पेट पका हुआ अमरूद खाएं। कब्ज दूर होगी।

मुंह की दुर्गंध

अमरूद की पत्तियों को चबाने से मुंह की दुर्गंध दूर होगी और दांतों का दर्द दूर होगा।

कमजोरी दूर

अमरूद हाई एनर्जी फ्रूट है, जिसमें विटामिन और मिनरल्स मौजूद होते है। रोजाना अमरूद का सेवन करने से शरीर की कमजोरी दूर होती है।

दिल के लिए फायदेमंद

अमरूद में मौजूद पोटैशियम और मैग्नीशियम दिल और मांसपेशियों को मजबूत और दुरुस्त रखते है। दिल की बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

सर्दी-जुकाम

नियमित अमरूद का सेवन करने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं दूर होती है।

कैंसर

अमरूद में लाइकोपीन नामक फाइटो न्यूट्रिएंट्स मौजूद होता है जो शरीर को कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे से बचाए रखता है।

इम्युनिटी बढ़ाने के लिए रोजाना खाएं ये आहार



नारियल पानी

शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी होने पर भी कमजोरी आनी शुरू हो जाती है। नारियल पानी पीने से इलेक्ट्रोलाइट्स की मात्रा अच्छी हो जाती है और यह कुदरती खनिज पदार्थों का भी बहुत अच्छा स्त्रोत है।

शरीर में कमजोरी आने से रोगो से लड़ने की शक्ति यानि प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। जिससे रोग बॉडी पर जल्दी असर करते हैं। कमजोरी को कारण बुखार,खून की कमी,सर्दी-जुखाम जैसी और भी बहुत सी समस्याएं आ जाती हैं। अपने खान-पान में पालक, पपीता, गिलोय आदि शामिल करें इससे प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होकर बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलती है। आइए जानें कौन से आहार आपके लिए हैं फायदेमंद।

- **पालकः** शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पालक का सेवन करना भी लाभकारी है। हर रोज एक कप पानी में 4-5 पालक के पत्तों को डालकर उबाल लें और ठंड़ा होने पर आधा गिलास टमाटर का रस डालकर पीने से फायदा मिलता है। इसके अलावा पालक और टमाटर का सूप भी पी सकते हैं।



पपीता पपीता ब्लड के प्लेटलेट्स बढ़ाने में मददगार है। पपीते की पत्तियों का रस पीने या फिर पका पपीता खाना भी लाभकारी होता है।

चुकंदर

चुकंदर को ज्यादातर सलाद के तौर पर खाया जाता है। इसमें कुदरती एंटीऑक्?सीडेंट और हेमोस्टैटिक गुण पाएं जाते हैं। चुकंदर के 2 चम्चम जूस म 1 गिलास गाजर का जूस मिलाकर पीने से ब्लड प्लेटलेट्स तेजी से बढ़ते हैं और शरीर की प्रतिरोधी क्षमता भी मजबूत होती है।

गिलोय

खून की कमी को पूरा करने में गिलोय बहुत फायदेमंद है। रोजाना 2 चुटकी गिलोय के पाउडर में 1 चम्मच शहद मिलाकर खाने से ब्लड में प्लेटलेट्स सैल तेजी से बढ़ने लगते हैं। इससे रोगों से लड़ने की शक्ति भी मजबूत होती है। रात को गिलोय की डंडी को पानी में भिगो कर इसे छान कर सुबह पीने से भी फायदा मिलता है।

रेसिपी



एग्लेस आमलेट

सामग्री

- **बेसनः** 130 ग्राम
- **मैदाः** 70 ग्राम
- **नमकः** 1/2 छोटा चम्मच
- **बेकिंग पाऊडरः** 1 छोटा चम्मच
- **पानीः** 550 मिलीलीटर
- **नींबू का रसः** 1 छोटा चम्मच
- **तेलः** जरूरत अनुसार
- **टमाटरः** स्वादानुसार
- **प्याजः** स्वादानुसार
- **धनियाः** स्वादानुसार

विधि

एक बाउल में 130 ग्राम बेसन, 70 ग्राम मैदा, 1/2 छोटा चम्मच नमक, 1 छोटा चम्मच बेकिंग पाऊडर, 550 मिलीलीटर पानी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसमें 1 छोटा चम्मच नींबू का रस मिलाकर गाढ़ा मिश्रण तैयार कर लें। एक पैन को मध्यम आंच पर रखें और इसमें थोड़ा सा तेल डालें। अब तैयार किए गए मिश्रण को इसमें डालकर करीब 1 मिनट तक पकाएं। इस पर स्वादानुसार थोड़े टमाटर, प्याज और धनिया डालें। इसे 30 सेकंड तक और पकाएं। आपका एग्लेस आमलेट तैयार है, सर्व करें।



जरदा राइस (मीठे चावल)

सामग्री

- **पानी :** 2 लीटर ■ **नमक :** 1/2 छोटा चम्मच
- **पानी :** 2 बड़े चम्मच
- **ऑर्गेनिक फूड कलर (ऑरेंज रेड) :** 2 छोटे चम्मच
- **भिगोए हुए चावल :** 300 ग्राम
- **घी :** 100 ग्राम ■ **इलायची :** 4 फली
- **लौंग :** 4 ■ **चीनी :** 200 ग्राम
- **केवड़ा एसेंस :** 1 छोटा चम्मच ■ **टूटी फ्रूटी :** 2 छोटे चम्मच
- **बादाम :** 1 बड़ा चम्मच ■ **पिस्ता :** 1 बड़ा चम्मच
- **खोया :** 2 बड़े चम्मच ■ **गुलाब जामुन :** जरूरत अनुसार
- **रसगुल्ला :** जरूरत अनुसार

विधि

एक बर्तन में 300 ग्राम चावल धोएं और इन्हें 3 से 4 घंटे के लिए पर्याप्त पानी में भिगोकर रख दें। मध्यम आंच पर एक पॉट में 2 लीटर पानी गर्म करें और इसमें इसमें 1/2 छोटा चम्मच नमक भी डाल दें। इसके बाद एक कटोरी में 2 बड़े चम्मच पानी डालें और इसमें 2 छोटे चम्मच ऑर्गेनिक फूड कलर (ऑरेंज रेड) डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। इस मिश्रण को आंच पर रखे पानी में मिक्स कर दें। अब 300 ग्राम भिगोए हुए चावल को इसमें डालकर अच्छी तरह से मिला लें। इसे तब तक उबालें जब तक कि चावल अच्छे से पक न जाएं। फिर इसे आंच से उतार कर एक तरफ रख दें। एक अन्य कड़ाही में 100 ग्राम घी डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। इसमें 4 इलायची, 4 लौंग डालकर मिलाएं। फिर इसमें उबले हुए चावल मिलाकर अच्छी तरह से मिक्स करें। इसके बाद इसमें 200 ग्राम चीनी, 1 चम्मच केवड़ा एसेंस डालकर अच्छे से मिलाएं। इसे तब तक पकाएं, जब तक कि चीनी पूरी तरह से घुल न जाएं। अब चावल में 2 छोटे चम्मच टूटी फ्रूटी, 1 बड़ा चम्मच बादाम, 1 बड़ा चम्मच पिस्ता, 2 बड़े चम्मच खोया डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसे ढक्कन के साथ कवर करें और 10 मिनट तक पकाएं। चावल को सर्व करने वाले बर्तन में डालकर टूटी फ्रूटी, खोया, रसगुल्ला, गुलाब जामुन, बादाम और पिस्ता के साथ गार्निश करें। आपके जरदा राइस (मीठे चावल) तैयार हैं, इन्हें सर्व करें।